Vol.25, Issue 9 | Annual Subscription ₹ 600

जूलाई 2026

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

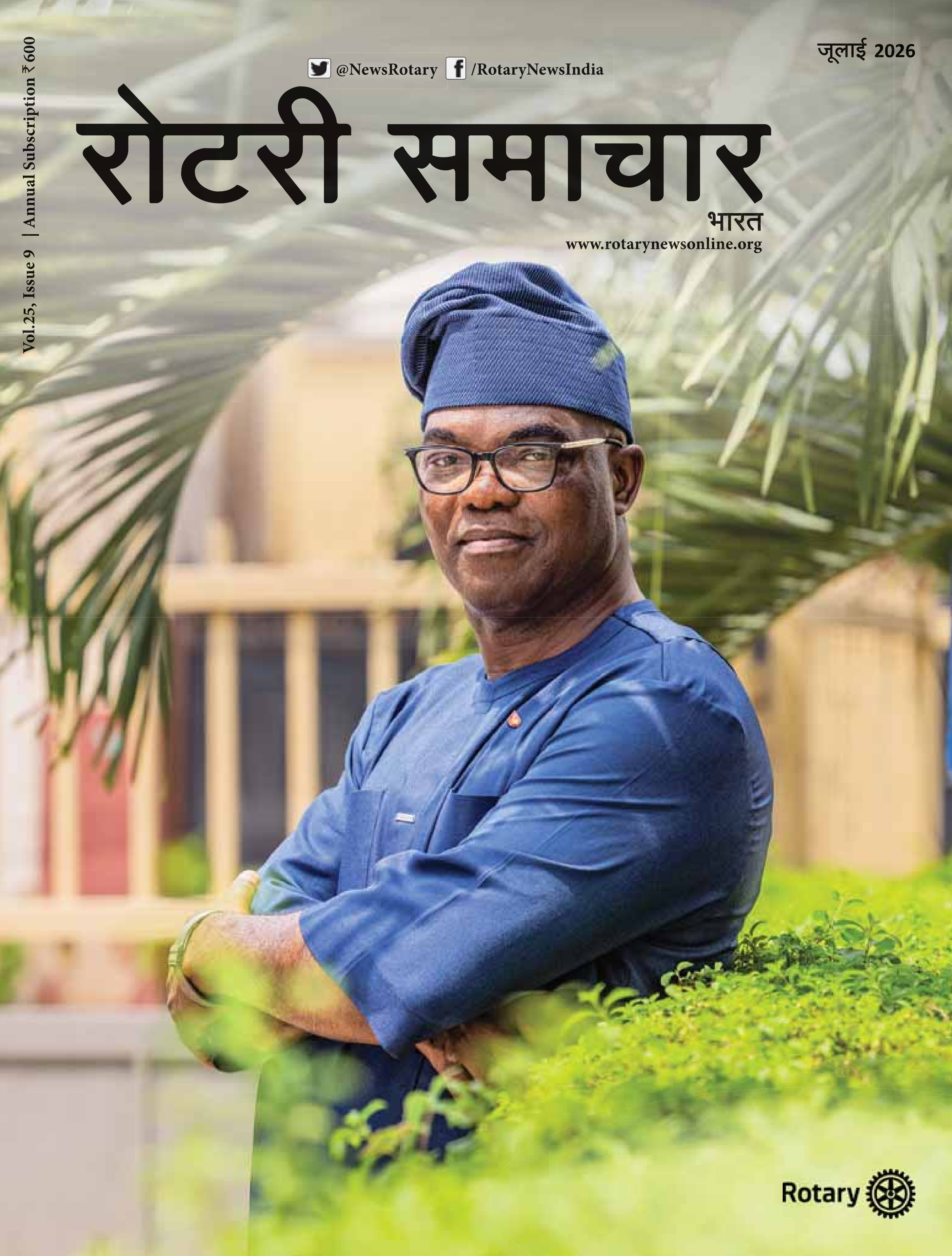

Rotary

ADVT.

Rotary | PROUD BNI MEMBER

Pankaj Shah

COL Representative District 3131 2026-28
RI Convention Promotion Chair : Taipei, 2025-26
DRFC RID 3131 RY 2025-26
ARRFC ZONE 7 RY 2023-25
District Membership Chair 2022-25
District Learning Facilitator 2024-25
District Governor 2021-22
Charter Member : Rotary Club of Pune Sarasbaug

+91 98220 57299
rotary.pankajshah@gmail.com

Personal Secretary : 81490 57299 | Email : secretary.pankajshah@gmail.com

GDM RRFM

Shree Ganesh Dal & Besan Mills - Shirwal
Ramtilak Roller Flour Mills (p) Ltd. - Chakan
Mandar Health And Hygiene Pvt. Ltd. - Phaltan
M/s. Arun Narayandas Shah - Lonand
Shree Ganesh Shelters - Pune
M/s Deepchand Venichand Shah, Pune.

Head Office
Tel : +91 20 24404900 (30 lines)
Call Center : 7888039303.
admin@ramtilak.com

www.ramtilak.com | www.ganeshdal.com
• ISO 9000:2015 • ISO 22000:2015

SCAN for the Location

Corporate Office:
Shop No. 243,
Chatrapati Shivaji Market Yard,
Gultekadi, Pune,
Maharashtra-411037

CRESCO HEALTHCARE

Multibrand Pathology

www.crescohealthcare.com

PATHOLOGY HOME COLLECTION
MEDICAL STORE - CHEMIST AND DRUGGIST

To avail the services
89564 66801/2/3/4/5

Download Cresco app

PATHOLOGY PARTNERS

Grant Medical Foundation Ruby Hall Clinic | DMH | Bharati Vidyapeeth's Bharati Hospital and Research Centre | Sahyadri Speciality Labs | Trutest Laboratories | Metropolis The Pathology Specialist

विषयसूची

12 पुकार का जवाब

22 सशक्त बेटी, समृद्ध गांव

32 इंदौर के रोटेरियनों ने मनाया नारी शक्ति उत्सव

50 एक ग्रामीण विद्यालय और रोटरी की साझेदारी

54 रोटरी ने बसाए सात घर

56 चेन्नई में रोटरी का 'अमृत वनम'

महत्वपूर्ण सूचना

सदस्यता शुल्क में संशोधन

प्रिय पाठकों,

भारत सरकार द्वारा पत्रिकाओं के लिए डाक रियायत समाप्त किए जाने से प्रति डाक शुल्क ₹0.70 पैसे से बढ़कर ₹16 हो गया है। इसी कारण हमें वार्षिक सदस्यता शुल्क में संशोधन करने का निर्णय लेना पड़ा है।

नई वार्षिक सदस्यता दरें इस प्रकार हैं:

- प्रिंट संस्करण: ₹600 • ई-वर्ज़न: ₹360

संशोधित सदस्यता शुल्क 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होगा। इसके अनुसार आपको चालान (इनवॉइस) भेजा जाएगा।

हम रोटेरियनों से ई-वर्ज़न अपनाने का भी आग्रह करते हैं। यह पर्यावरण-अनुकूल है तथा डाक विलंब के बिना समय पर उपलब्ध हो जाता है।

संपादक

Rotary

A publication of Rotary Global Media Network

जून का एक शानदार अंक

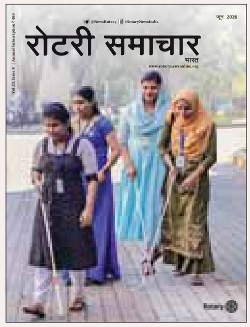

जून अंक का संपादकीय बहुत प्रासंगिक है, क्योंकि जेन ज़ी हाल ही में हुए परीक्षा घोटालों, नौकरी संकट और जीवन की अन्य चुनौतियों से बेहद परेशान है।

इन मुद्दों पर ध्यान देने में रोटरी की भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। हमारा वैश्विक नेटवर्क, संसाधन और 1.2 मिलियन से अधिक पेशेवर सदस्य, हमारे संगठन को युवाओं को नेतृत्व और सकारात्मक बदलाव की दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए एक मजबूत स्थिति में रखते हैं। विभिन्न पीढ़ियों को जोड़कर, हम शांति, सेवा और पेशेवर विकास की नींव रख सकते हैं। संध्या राव के शब्दों की दुनिया कॉलम, जिसका शीर्षक *मंगा मैजिक* है, में देवदत्त को दी गई बुद्ध की सलाह रोटरी के '4-वे टेस्ट' के साथ गहराई से मेल खाती है।

रो ई के निर्वाचित अध्यक्ष ओलायिंका बाबालोला की आरएनटी कार्यालय और चेन्नई के रोटरी क्लबों की यात्रा का व्यापक कवरेज, और मई अंक में उनका साक्षात्कार, बिल्कुल सही समय पर आए हैं। ये लेख हर रोटेरियन को उस व्यक्ति के विचारों को जानने में सक्षम बनाते हैं जो आगामी वर्ष में संगठन का नेतृत्व करने जा रहा है।

यह एक दिलचस्प संयोग (या एक सुविचारित रणनीति) है कि रो ई के निर्वाचित अध्यक्ष (जो रो ई अध्यक्ष बनने वाले पहले रोटरेक्टर हैं) और उनके उपाध्यक्ष दोनों ही पूर्व रोटरेक्टर रहे हैं।

एन अन्श्री वेदी
रोटरी क्लब हैदराबाद मेगा सिटी
मंडल 3150

जून का संस्करण वास्तव में बहुत सुंदर है। हमें इस बात की बहुत खुशी है कि हमारी परियोजनाओं को भी दो पन्नों पर जगह दी गई है। अन्य सभी लेखों की प्रस्तुति भी उत्कृष्ट है, और यह अंक बहुत ही शानदार रूप में सामने आया है।

रोटरी न्यूज़ की टीम को उनकी कड़ी मेहनत, धैर्य और उत्कृष्ट समाचार रिपोर्टिंग तथा संपादन के लिए सलाम। प्रकाशन की गुणवत्ता और पेशेवर दृष्टिकोण अत्यंत सराहनीय है। ऐसा उल्लेखनीय संस्करण लाने के लिए आपका धन्यवाद।

नागेश केंजीगे
रोटरी क्लब चिकमगलूर-कॉफी लैंड
मंडल 3182

जून का संपादकीय एक वास्तविक चेतावनी देता है: अब समय आ गया है कि हमारी दुनिया को आकार देने में युवाओं की आवाज़ को केंद्र में रखा जाए। उनके प्रभाव के ताज़ा प्रमाण हमारे सामने हैं। हाल ही में तमिलनाडु चुनावों में 18 से 39 वर्ष के मतदाताओं ने अभिनेता से मुख्यमंत्री बने विजय जोसेफ की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। वैश्विक मंच पर 16 वर्षीय ग्रेटा थनबर्ग ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में निर्भीक होकर जवाबदेही की मांग की।

संदेश स्पष्ट है। युवा शक्ति कोई भविष्य का वादा नहीं है; यह वर्तमान की ताकत है। लेकिन इस शक्ति को दिशा और रचनात्मक सहभागिता की आवश्यकता है, और सही मार्गदर्शन मिलने पर हम निष्क्रियता से जनित आपदाओं से बच सकते हैं। 'रोटरी एक्शन' पहल अब रोटरेक्टरों को ज़ोनल इंस्टीट्यूट पैनल चर्चाओं में स्थान देकर सशक्त बना रही है। उनकी आवाज़ अब केवल स्वीकार नहीं की जा रही, बल्कि सुनी भी जा रही है।

आत्मनिर्भरता की राह लेख पढ़ने के बाद, मुझे 1981 से रोटेरियन होने पर गर्व महसूस हुआ और लोगों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

रोटरी क्लब कोचीन ग्लोबल ने दृष्टिबाधित लोगों को प्रशिक्षित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट सूर्य शुरू किया है। उन प्रशिक्षकों को धन्यवाद जो उन्हें कंप्यूटर सीखने में मदद कर रहे हैं और उनके लिए नौकरियां भी उपलब्ध करा रहे हैं।

दृष्टिबाधितों को दिए गए ऐसे प्रशिक्षण से उन्हें इसरो और आईबीएम जैसे संस्थानों में नौकरियां मिली हैं। समाज के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए परियोजना दल को बधाई।

टी डी भाटिया
रोटरी क्लब दिल्ली मयूर विहार
मंडल 3012

मई का संपादकीय जिसका शीर्षक आरक्षण की समस्या था और आवरण पृष्ठ पर रो ई अध्यक्ष ओलायिंका बाबलोला और आरआईडीई एम मुरुगनंदम की तस्वीर, जिसमें दोनों भाइयों की तरह दिख रहे थे, शानदार थी।

आरआईडीई का संदेश, पहले युवा, रोटरी हमेशा रोटरी में युवाओं की भूमिका को उजागर करता है। आइए हम युवा सेवा को]हांफ कहना जारी रखें, क्योंकि रोटरी का भविष्य वहीं से शुरू होता है।

डैनियल चित्तीलापिल्ली
रोटरी क्लब कलूर - मंडल 3205

आपके मई संपादकीय में महिलाओं के आरक्षण के संदर्भ में, महिलाओं ने अपने समर्पण और प्रतिबद्धता से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता साबित की है। बाधाओं को दूर करने के साथ ही वे हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे निकल रही हैं।

रो ई निदेशक केपी नागेश ने सही कहा: सदस्यता वृद्धि और स्थायित्व केवल रणनीतिक दस्तावेज़ों से नहीं आते। सदस्यों को क्लब गतिविधियों में व्यक्तिगत सहभागिता, महत्व दिए जाने का भाव और सच्ची मित्रता की आवश्यकता होती है। यही वे बातें हैं जो संबंध बनाती हैं और टीम के रूप में चुनौतियों का सामना करने का संकल्प पैदा करती हैं।

डीआरआर जेनिस फिलिप, जो रोटरेक्टर और रोटेरियन दोनों हैं, का साक्षात्कार एक मजबूत मार्गदर्शक है। यह रोटरेक्टरों को आगे का रास्ता दिखाता है और रोटरी में दोहरी सदस्यता के पक्ष में एक विचारशील तर्क प्रस्तुत करता है। और हम RYLA को नजरअंदाज नहीं कर सकते, जो व्यक्तित्व विकास, मित्रता और आत्मविश्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक मंडल को RYLA के आयोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए क्योंकि यह भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को आकार देता है। युवा पहले से ही नेतृत्व कर रहे हैं। हमारा काम है उन्हें सुनना, शामिल करना और सशक्त बनाना। रोटरी का वास्तविक समावेश की ओर यह कदम अनुकरण करने योग्य एक मॉडल है।

प्रकाश चंद सांघी
रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर
मंडल 3056

महिला आरक्षण विधेयक 2023 लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में कम से कम 33 प्रतिशत कोटे की गारंटी देता है। जब ऐसा हो जाएगा, तो संसद और राज्य विधानसभाओं में महिला सांसदों एवं विधायकों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। लेकिन इस विधेयक को लागू होने में कुछ समय लगेगा क्योंकि पहले जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होनी है।

लेकिन नीति निर्माण और कानून बनाने में महिलाओं की भागीदारी निश्चित रूप से हमारी राजनीतिक और सामाजिक प्रणालियों को अधिक लैंगिक रूप से अनुकूल बनाने में मदद करेगी। क्योंकि महिला नीति-निर्माता लैंगिक सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल, बाल कल्याण और स्वच्छता जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देंगी। यह रो ई अध्यक्ष यिंका बाबलोला के रोटरी में महिलाओं के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने के दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है।

यह उचित होगा कि रो ई प्राधिकरण दुनिया भर के रोटरी क्लबों में महिलाओं की न्यूनतम संख्या निर्धारित करें।

राज कुमार कपूर
रोटरी क्लब रूप नगर - मंडल 3080

मई अंक में बाबालोला ने रोटरी के लिए रखा महत्वाकांक्षी लक्ष्य लेख ने मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया।

उनका यह सुझाव सराहनीय है कि यदि रोटरी को आगे बढ़ना है, तो सभी रोटेरियनों को अपनी कहानियां साझा करनी चाहिए। तीन वर्षों से रोटेरियन होने के नाते, मैं अपने क्लब की वक्ता बैठकों में हमेशा अपने अनुभव साझा करता हूँ। मैंने अपने एक रोटरी सिविल इंजीनियर मित्र के लिए एक घर भी बनाया और अपने कॉलेज में इंजीनियर्स डे पर एक अन्य रोटेरियन इंजीनियर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

मैंने एक उद्यमी, जो दूसरे क्लब के रोटेरियन भी हैं, को उद्यमिता दिवस पर विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। रोटरी नए परिचय, मित्रता और करियर के अवसर प्रदान करता है। हमारे कार्यक्रम मित्रों के दायरे को काफी बढ़ाते हैं।

शिवपेरुमाल सुब्रमणि
रोटरी क्लब वालाजापेट - मंडल 3231

अध्यक्ष की ज़बानी

अपने सर्वश्रेष्ठ से भी बेहतर

रोटरी आपको हमेशा आश्चर्यचकित करने का एक अनोखा तरीका रखती है। यह आपको तब आश्चर्यचकित करती है जब सामने बैठा कोई अनजान व्यक्ति जीवनभर का मित्र बन जाता है। यह तब भी आश्चर्यचकित करती है जब किसी एक मोहल्ले में शुरू की गई छोटी-सी परियोजना ऐसे व्यापक बदलाव का कारण बन जाती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होती। और शायद सबसे बड़ा आश्चर्य तब होता है जब आपको एहसास होता है कि रोटरी ने जिस व्यक्ति को सबसे अधिक बदला है, वह कोई और नहीं, बल्कि आप स्वयं हैं।

इसीलिए इस वर्ष हमें अपने भीतर आए परिवर्तन को पहचानने, भविष्य की ओर देखने और स्थायी प्रभाव का सृजन करने का आह्वान किया गया है।

मैं स्पष्ट करना चाहता हूँ कि इन शब्दों का अर्थ क्या है। परिवर्तन केवल शुरुआत है। प्रभाव वह है जो लंबे समय तक बना रहता है। हमें हर परियोजना के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में सोचना होगा। उदाहरण के लिए, कोई नई जलापूर्ति व्यवस्था किसी समुदाय के दीर्घकालिक स्वास्थ्य में कैसे योगदान दे सकती है? क्या उस समुदाय के लोग अन्य समुदायों को भी ऐसी व्यवस्था स्थापित करने में मदद कर सकते हैं? कोई नया कक्ष केवल एक भवन न बनकर पूरे क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा कैसे बन सकता है? हमें इसी प्रकार की सोच विकसित करनी होगी।

जब हम प्रभाव को प्राथमिकता देते हैं, तो हमें यह भी सोचना चाहिए कि हमारे कार्य शांति निर्माण में कैसे योगदान दे सकते हैं। शांति अपने आप नहीं आती; उसे सोच-समझकर और योजनाबद्ध तरीके से स्थापित करना पड़ता है। अपनी अगली परियोजना की योजना बनाते समय स्वयं से पूछिए-यह शांति के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ कैसे उत्पन्न करेगी? सकारात्मक शांति के स्तंभों का अध्ययन कीजिए और समझिए कि हम अपने हर कार्य के माध्यम से दुनिया को शांति के एक कदम और निकट कैसे ला सकते हैं।

जितना अधिक आप अपने समुदाय और दुनिया को बदलेंगे, उतना ही अधिक आप स्वयं भी बदलेंगे। लोगों को केवल अपनी परियोजनाओं या जुटाई गई धनराशि के बारे में मत बताइए। उन्हें यह भी बताइए कि रोटरी ने आपके व्यक्तित्व और जीवन को कैसे आकार दिया है। ऐसी व्यक्तिगत कहानियाँ नए लोगों के लिए द्वार खोलती हैं, नए सदस्यों को प्रेरित करती हैं और हम सभी को यह याद दिलाती हैं कि हम यहाँ क्यों हैं।

कहानी सुनाना नए सदस्यों को जोड़ने और धन जुटाने का भी एक प्रभावी माध्यम है। यदि हमें पोलियो का उन्मूलन करना है, शांति को बढ़ावा देना है और दुनिया पर स्थायी प्रभाव छोड़ना है, तो हमें अधिक लोगों और अधिक संसाधनों की आवश्यकता होगी। हमने वर्ष 2030 तक रोटरी की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर रोटेरियनों की संख्या 1.25 मिलियन और रोटरेक्टरों की संख्या 125,000 से अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अपने क्लब के साथ बैठिए और पिछले कुछ वर्षों की उपलब्धियों पर नज़र डालिए। अपने सर्वश्रेष्ठ वर्ष की पहचान कीजिए। हो सकता है वह वर्ष नए सदस्यों की संख्या के लिहाज़ से रिकॉर्ड वर्ष रहा हो। हो सकता है उस वर्ष आपने धन संग्रह का कोई महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल किया हो। या शायद आपने ऐसी परियोजना पूरी की हो जिसकी चर्चा आज भी पूरा समुदाय कर रहा हो। जब आप उस वर्ष की पहचान कर लें, तो मैं आपको चुनौती देता हूँ कि आप अपने उसी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से भी बेहतर करके दिखाएँ।

इन्हीं प्रयासों और ऐसे अनेक अन्य कार्यों के माध्यम से हम पूरी दुनिया में, अपने समुदायों में और अपने भीतर *स्थायी प्रभाव का सृजन* करेंगे।

मेरे प्रिय मित्रों, आपका धन्यवाद। अब आइए, काम में जुट जाएँ।

ओलायिंका बाबालोला
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

हवा में बदलाव की आहट

भारत में रोटेरियनों के लिए यह गर्व की बात होनी चाहिए कि नवगठित तमिलनाडु विधानसभा में 234 सदस्यों में से 23 विधायक रोटेरियन हैं, जो कुल सदस्यों का लगभग 10 प्रतिशत हैं। इससे भी अधिक उल्लेखनीय बात यह है कि इनमें से 5 विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। इनमें 29 वर्षीय एस कीर्तना भी शामिल हैं, जिन्हें उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन जैसे महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुडुचेरी विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में एमएससी की डिग्री प्राप्त कीर्तना, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय जोसेफ के चुनाव अभियान की रणनीति बनाने, जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंच बनाने और युवाओं को संगठित करने में सक्रिय रूप से शामिल रही थीं। यही कारण है कि इंस्टाग्राम पर उनके 451,000 से अधिक अनुयायी हैं। कीर्तना ने शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता है, जो अपने पटाखा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। अपने चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया था कि पटाखा फैक्टरियों को श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े अन्य उपायों पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

सन् 1775 में सैमुअल जॉनसन ने कहा था, ''देशभक्ति बदमाशों की अंतिम शरणस्थली है;'' बेशक उनका आशय दिखावटी देशभक्ति से था। बाद में इस कथन को बदलकर राजनीति बदमाशों का अंतिम सहारा है के रूप में प्रचलित कर दिया गया। इस कथन को कभी-कभी ऑस्कर वाइल्ड और जॉर्ज बर्नार्ड शॉ से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि वाइल्ड ने या शॉ ने ऐसा कहा था। फिर भी, दुनिया भर में-विशेषकर भारत में-राजनीति के प्रति बढ़ती निराशा और राष्ट्रवाद या देशभक्ति के एक लोकप्रिय नारे के रूप में उभरने के कारण, ये दोनों कथन आज भी व्यापक रूप से उद्धृत किए जाते हैं।

हालाँकि, जो रोटेरियन रोटरी के मूल सिद्धांतों और सत्य, निष्पक्षता तथा समानता जैसे आदर्श मूल्यों के प्रति निष्ठावान होकर राजनीति में प्रवेश करें और इन मूल्यों पर दृढ़ रहें, तो परिवर्तन की आशा की जा सकती है। यदि भ्रष्टाचार को रोका या कम किया जा सके और उससे बचाई गई सरकारी धनराशि को जनता के कल्याणकारी कार्यक्रमों में लगाया जाए-जैसे जल एवं स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएँ, आजीविका के अवसर बढ़ाना, वयस्क साक्षरता और बच्चों की शिक्षा - सभी ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें यह संगठन पहले से कार्य करता आ रहा है, तो कल्पना कीजिए कि सरकार के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोग कितना बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। हम एक ऐसे संसार में रहते हैं जहाँ निराशावाद और अविश्वास काफी प्रबल है। उम्र बढ़ने के साथ यह भावना अक्सर और मजबूत हो जाती है क्योंकि अनुभव व्यक्ति को धोखे, बेईमानी और झूठे दावों को पहचानने में सक्षम बना देते है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति आसानी से अपने आसपास की दुनिया के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण अपना सकता है।

लेकिन युवा पीढ़ी आशावाद, सकारात्मकता और आदर्शवाद के सहारे आगे बढ़ती है। युवा पर्यावरण के क्षरण और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर अपनी चिंताओं को अधिक मुखरता और दृढ़ता से व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि सीधी-सी बात है कि उन्हें इस बिगड़ती हुई धरती पर आने वाले कई दशकों तक जीवन बिताना है। सौभाग्य से, आज पूरी दुनिया में अपेक्षाकृत युवा राजनीतिक नेताओं की एक नई पीढ़ी उभर रही है। यदि ये नेता दुनिया को आशा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण से देखें तथा अपनी ऊर्जा और जीवंतता का उपयोग सकारात्मक परिवर्तन लाने में करें, तो हम अभी भी एक बेहतर भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं। ऐसा भविष्य, जो केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी लोगों के लिए बेहतर हो।

बस इंटरनेट पर कीर्तना के वीडियो क्लिप्स देखिए और उनके द्वारा प्रदर्शित आशावाद को महसूस कीजिए। उन्हें देखकर ऐसे युवा परिवर्तनकर्ताओं पर विश्वास करने का मन करता है...

रशीदा भगत

ADVT.

SHIKHAR TRAVELS
ROTARIANS
Trusted Travel Partner
Shikhar Travels (India) Pvt Ltd
Our Service:
1 Domestic & International AIR TICKETING
2 Accommodation, Transport LEISURE HOLIDAYS
3 Organizer CONFERENCE & EVENT
4 Across Worldwide ADVENTURE TOURS
5 Char Dham to Kailash PILGRIMAGE TOURS
6 MICE & Events CORPORATE TRAVEL
Capt. Swadesh Kumar
Past Assistant Governor, RI District 3011
Rotary Club of Delhi South Metropolitan.
+91 98100 24642
swadesh@shikhar.com
SCAN HERE
+91 9717891151
Call us for personel assistance
tours@shikhar.com
Email us for your travel needs

निदेशक का संदेश

ऊँची उड़ान का संकल्प

लक्ष्य हों ऊँचे, संकल्प हों अडिग रोटरी वर्ष 2026-27 के शुभारंभ पर अपने समूचे रोटरी परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष ओलायिंका बाबालोला ने इस वर्ष हमें *क्रिएट लास्टिंग इम्पैक्ट* का प्रेरक संदेश दिया है। यह संदेश हमें स्मरण कराता है कि सेवा का वास्तविक अर्थ केवल किसी परियोजना को पूरा कर देना नहीं, बल्कि ऐसा स्थायी परिवर्तन लाना है जिसकी सकारात्मक छाप वर्षों तक समाज में बनी रहे।

रोटरी का प्रत्येक नया वर्ष अपने साथ नया नेतृत्व, नई ऊर्जा, नए संकल्प और सेवा के नए अवसर लेकर आता है। रोटरी केवल सेवा का मंच नहीं, बल्कि नेतृत्व की ऐसी पाठशाला है जहाँ क्लब, जिला, ज़ोन और रोटरी इंटरनेशनल के विभिन्न स्तरों पर विश्वभर में लाखों लोग नेतृत्व की कला सीखते और निखारते हैं।

प्रिय नेताओं, रोटरी में नेतृत्व का यह एक वर्ष आपके जीवन का अमूल्य अवसर है। आपकी सोच ही आपकी उपलब्धियों की दिशा तय करती है। तमिल साहित्य में एक सुंदर उक्ति है-*उल्लुवदेल्लाम उयर्वुल्लल,* अर्थात् हमेशा ऊँचा सोचो, ऊँचा लक्ष्य रखो। जब सोच ऊँची होती है, तो कर्मों में आत्मविश्वास आता है और परिणाम स्वयं अपनी कहानी कहते हैं। अपने कार्यकाल का समापन इस संतोष के साथ करें कि आपने क्लब को पहले से अधिक सशक्त बनाया, सदस्य संख्या बढ़ाई और नई संभावनाओं के द्वार खोले।

सदस्यता ही रोटरी की सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए नए सदस्यों को जोड़ना और वर्तमान सदस्यों को सक्रिय बनाए रखना हमारी सर्वो च्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं प्रत्येक क्लब से आग्रह करता हूँ कि वह रेड-एम्बर-ग्रीन (RAG) विश्लेषण के माध्यम से अपनी स्थिति का मूल्यांकन करे। जिन क्लबों में 25 से कम सदस्य हैं, वे सदस्य संख्या बढ़ाकर स्वयं को रेड ज़ोन से एम्बर ज़ोन में लाने का लक्ष्य निर्धारित करें। नए क्लबों का गठन करें और उन्हें जीवंत बनाए रखें, क्योंकि जीवंत क्लब ही प्रेरित और सक्रिय रोटेरियन तैयार करते हैं।

वर्तमान सदस्यता बढ़ाने के साथ-साथ हमें रोटरी के भविष्य की भी मजबूत नींव रखनी होगी। इसी उद्देश्य से मैं प्रत्येक रोटरी नेता से आग्रह करता हूँ कि हर एक रोटेरियन के साथ दो रोटरेक्टर और तीन इंटरैक्टर को जोड़ने के 1 : 2 : 3 के सूत्र को अपनाएँ। यही सरल रणनीति आने वाले वर्षों में रोटरी को और अधिक सशक्त, गतिशील तथा टिकाऊ बनाएगी और भविष्य के नेतृत्व का सुदृढ़ आधार तैयार करेगी।

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि ज़ोन 4, 5, 6 और 7 वैश्विक रोटरी परिवार में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। आइए, हम अपनी इस उपलब्धि को बनाए रखने के साथ-साथ इसे नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प लें।

साथ ही, पोलियो उन्मूलन के अपने संकल्प को कभी न भूलें। आने वाली पीढ़ियों के लिए रोटरी की सबसे बड़ी धरोहर एक पोलियो-मुक्त विश्व होगी। जब तक इस पृथ्वी से पोलियो वायरस का पूर्णतः उन्मूलन नहीं हो जाता, तब तक हमारे प्रयासों की गति और प्रतिबद्धता दोनों बनी रहनी चाहिए।

वर्ष 2030 में रोटरी अपनी 125वीं वर्षगाँठ मनाएगी। इस अवसर के लिए हमारा *विज़न 2030* स्पष्ट है-12.5 मिलियन रोटेरियन और 125,000 रोटरेक्टर। इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हमें व्यापक दृष्टि, साहसिक निर्णय और ऊँची आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ना होगा।

मेरे प्रिय रोटरी परिवार, एक बार फिर आप सभी का इस नए रोटरी वर्ष में हार्दिक स्वागत है। आइए, समर्पण, उत्साह और एकजुटता के साथ सेवा के इस पथ पर आगे बढ़ें। आइए, पूरे विश्वास के साथ कहें-यस टू रोटरी। आइए, ऐसा कार्य करें जो स्थायी प्रभाव छोड़े, और ऐसे लक्ष्य निर्धारित करें जो हमें निरंतर नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ।

एम मुरुगानंदम

रो ई उपाध्यक्ष, 2026-27

रो ई निदेशक, 2025-27

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष का संदेश

आभार के साथ नेतृत्व

मुझे कृतज्ञता डायरी (ग्रैटिट्यूड जर्नल) का विचार बहुत पसंद है। इसकी प्रक्रिया बेहद सरल है: हर दिन ऐसी तीन बातें लिखें, जिनके लिए आप आभारी हैं, और फिर देखें कि यह कैसे आपकी सोच, आपकी ऊर्जा और यहाँ तक कि दुनिया के साथ आपके व्यवहार के तरीके को किस प्रकार बदल देती है।

मेरे लिए, कृतज्ञता केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्ति है।

और रोटरी में, कृतज्ञता इस बात का प्रतिबिंब है कि हम वास्तव में कौन हैं। जब हम अपने दानदाताओं को धन्यवाद देते हैं, तो हम न केवल उनके योगदान को स्वीकार करते हैं, बल्कि एक बेहतर दुनिया के निर्माण में उनके विश्वास का सम्मान करते हैं।

मैं अक्सर अपनी 'कृतज्ञता डायरी' में लिखता हूँ - हर दिन नहीं, लेकिन इतना अवश्य कि वह मुझे जीवन की वास्तविकताओं से जुड़ा और संतुलित बनाए रखे। मैं जनवरी की एक प्रविष्टि आपके साथ साझा करना चाहता हूँ, जिसे मैंने 'इंटरनेशनल असेंबली' के दौरान लिखा था। यह असेंबली केवल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स-इलेक्ट के लिए आयोजित हमारा वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं है; यह प्रेरणा और ऐसे पलों से भरा एक सम्मेलन है, जिसकी यादें कार्यक्रम समाप्त होने के बहुत समय बाद तक मन में बनी रहती हैं।

मेरी पहली प्रविष्टि डेबी और रसेल डोबी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए थी।

सन् 2022 में, जब डेबी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर-इलेक्ट थीं-तब महामारी के कारण वे उस प्रेरणादायक असेंबली के अनुभव से वंचित रह गईं। फिर, एक साल बाद, जिस डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस को होस्ट करने के लिए वह बहुत उत्साहित थीं, उससे कुछ ही दिन पहले डेबी और उनके पति एक आमने-सामने की भीषण सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। दूसरी गाड़ी के ड्राइवर की मौत हो गई; लेकिन डेबी और रसेल चमत्कारिक रूप से बच गए।

इस दुखद घटना से उन्हें एक नेक उद्देश्य प्रदान किया। उन्होंने अपने मंडल के लिए 'आर्च क्लम्फ सोसाइटी' स्तर का एक एंडोमेंट फंड स्थापित किया और इस प्रकार अपनी पीड़ा को एक सार्थक उद्देश्य में बदल दिया।

मेरी दूसरी प्रविष्टि भारत के रोटरी क्लब ऑफ़ बैंगलोर के रविशंकर और पाओला डाकोजू पर केंद्रित थी। सभा के दौरान इस दंपति ने द रोटरी फाउंडेशन को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान देने की प्रतिज्ञा की, जो उनकी कुल संपत्ति का लगभग 85 प्रतिशत था। यह वास्तव में एक असाधारण दान था। रविशंकर ने कहा था, जब आप अपनी क्षमता से भी अधिक देते हैं, तो जीवन आपको आपकी कल्पना से कहीं अधिक लौटाता है। यह एक ऐसा वाक्य है जो रोटरी की भावना और मूल्यों को पूरी तरह अभिव्यक्त करता है।

मेरी अंतिम प्रविष्टि मोह ईद, चक और कैरोल स्टॉकिंग के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए थी। मोह के भाई इब्राहिम, जो एक मानवीय सहायता कर्मी थे, युद्ध पीड़ितों की सहायता करते समय अपनी जान गंवा बैठे थे। इसके बाद चक ने रोटरी पीस फेलो की समर्थन के लिए 'इब्राहिम ईद फंड' स्थापित करने का निर्णय लिया। दस लाख डॉलर के लक्ष्य वाले इस फंड के लिए उन्होंने प्रारंभिक रूप से 1,00,000 डॉलर का योगदान दिया। यह इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि किस प्रकार शोक आशा में परिवर्तित हो सकता है।

और आज, मेरी कृतज्ञता प्रविष्टि आप सभी के लिए है। उन सदस्यों के लिए जो वर्षों से रोटरी से जुड़े हैं, और उन नए चेहरों के लिए भी जो अभी-अभी इस परिवार का हिस्सा बने हैं; उन लोगों के लिए जो वर्ष दर वर्ष योगदान देते आ रहे हैं, और उनके लिए भी जो अपना पहला योगदान देने की तैयारी कर रहे हैं। धन्यवाद।

इस साल कृतज्ञता को ही अपना पथप्रदर्शक बनाएं।

जेनिफर जोन्स

ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौंडेशन

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981	वैद्यनाथन के
RID 2982	सेंथिलकुमार सी
RID 3000	आर बी एस मणि
RID 3011	अजीत जालान
RID 3012	अमित गुप्ता
RID 3020	श्रीराम गुड्किोंडा
RID 3030	राजेश वी पाटिल
RID 3040	संस्कार कोठारी
RID 3053	बृज मोहन अग्रवाल
RID 3055	नैमिष एन रवानी
RID 3056	अरुण बगड़िया
RID 3060	निलेश आर शाह
RID 3070	अनिल कुमार सिंघल
RID 3080	रीता कालरा
RID 3090	अमित कुमार
RID 3100	पायल गौर
RID 3110	जसबीर सिंह भाटिया
RID 3120	पूनम गुलाटी
RID 3131	नितिन एस धमाले
RID 3132	जयेश आर पटेल
RID 3141	राजन दुआ
RID 3142	निलेश वी जावंत
RID 3150	उदय सुधीर पिलानी
RID 3160	केशव रेड्डी पी
RID 3170	लेनी डा कोस्टा
RID 3181	सतीश बोलार
RID 3182	बी एम भट्ट
RID 3191	अनिल गुप्ता
RID 3192	रविशंकर डाकोजू
RID 3203	के भूपति
RID 3204	एम वी मोहनदास मेनन
RID 3205	जोशी चाको
RID 3206	आर एस मारुति
RID 3211	के जी नायर
RID 3212	गांधी कृष्णन
RID 3231	टी एस रविकुमार
RID 3233	श्रीराम दुव्वुरी
RID 3234	सुरेश डी जैन
RID 3240	असीम कांती ए
RID 3250	अनु नारंग
RID 3261	आलम एस रूपरा
RID 3262	अनिल कुमार सामल
RID 3291	तपस भट्टाचार्य

यह पत्रिका **पी टी प्रभाकर** द्वारा दुगर टावर्स, तीसरी मंझिल, 34, मार्शल्स रोड, एग्मोर, चेन्नई 600 008 से **रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट** की ओर से प्रकाशित की जाती है, इसका संपादन **रशीदा भगत** करती हैं और इसे **रासी ग्राफिक्स** द्वारा 40 पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600 014, भारत में प्रिंट किया जाता है।

योगदान का स्वागत है लेकिन संपादित किया जाएगा। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

के पी नागेश **रो ई निदेशक और अध्यक्ष रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3191
एम मुरुगानंदम **रो ई उपाध्यक्ष और निदेशक**	RID 3000
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3234
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
डॉ महेश कोटबागी	RID 3131
ए एस वेंकटेश	RID 3234
राजु सुब्रमण्यन	RID 3141
अनिरुद्धा रॉयचौधरी	RID 3291
गुरजीत सिंह सेखों	RID 3070
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2025-26)

पायल गौर गवर्नर्स काउंसिल की अध्यक्ष	RID 3100
डॉ लेनी डा कोस्टा गवर्नर्स काउंसिल के उपाध्यक्ष	RID 3170
आर सुब्रमणि गवर्नर्स काउंसिल के सचिव	RID 3000
अजीत जालान गवर्नर्स काउंसिल के कोषाध्यक्ष	RID 3011

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

टीआरएफ ट्रस्टी का संदेश

हमारा नववर्ष संकल्प

रोटरी का एक नया वर्ष शुरू हो रहा है। यह वह समय है जब प्रत्येक नव-स्थापित अध्यक्ष अपना सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प लेता है। हर स्तर पर नेतृत्व टीम बदलती है, लेकिन एक चीज़ जो कभी नहीं बदलती, वह है हम सबका साझा सपना-दुनिया को सभी के लिए एक बेहतर स्थान बनाना।

द रोटरी फाउंडेशन ने विशेष रूप से हमारे क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। बीते वर्ष हमारे सदस्यों ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वे तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक हमारे सभी सपने साकार नहीं हो जाते। हमारे क्षेत्र के क्लबों और जिलों द्वारा किए गए सेवा-कार्य प्रेरणादायक होने के साथ-साथ परिवर्तनकारी भी रहे हैं। हालांकि बहुत कुछ किया जा चुका है, लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

अब समय है कि हम अब तक मिली सफलता के आधार पर और भी बड़े तथा प्रभावशाली प्रोजेक्ट्स की योजना बनाएं। यह तभी संभव होगा जब अधिक से अधिक लोग सेवा करने और योगदान देने के लिए हमारे साथ जुड़ें। मैं प्रत्येक सदस्य से आग्रह करता हूँ कि वे किसी-न-किसी गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लें। रोटरी का वास्तविक अनुभव तभी मिलता है, जब हम स्वयं आगे बढ़कर इसका हिस्सा बनने का निर्णय लेते हैं। आइए, हम दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय सहभागी बनने का संकल्प लें। नया वर्ष ऐसा संकल्प लेने का सर्वोत्तम अवसर है।

दूसरा, हमारे सपने केवल आज उपलब्ध संसाधनों तक सीमित नहीं होने चाहिए। यदि कोई परियोजना सार्थक है और लोगों में उत्साह व समर्पण की भावना जगाती है, तो उसके लिए आवश्यक संसाधन स्वतः उपलब्ध होने लगते हैं और सफलता के नए रास्ते खुलते हैं। इसके अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं। मैं चाहता हूँ कि प्रत्येक क्लब भी ऐसी प्रेरक कहानियों का हिस्सा बने।

तीसरा, हमारा ध्यान केवल उन परियोजनाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए जिन्हें एक वर्ष के भीतर शुरू और पूरा किया जा सके। ऐसा दृष्टिकोण हमारी दूरदृष्टि को सीमित कर देता है। रोटरी की सबसे बड़ी शक्ति उसकी निरंतरता है, और हमें इसे और सुदृढ़ बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

आइए, हम सब मिलकर द रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से *स्थायी और सार्थक परिवर्तन का सृजन* करें।

ए एस वेंकटेश
टीआरएफ ट्रस्टी

पुकार का जवाब

डायना शोबर्ग

अपनी मातृभूमि से आकार लेते हुए, अध्यक्ष यिंका अपने साथ नाइजीरिया की गतिशील भावना को रोटरी नेतृत्व में लेकर जाते हैं।

''मैं तो बचपन से ही रोटरी परिवार का हिस्सा रही हूँ,'' रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष ओलाइनका बाबालोला की पुत्री अमिनात बाबालोला कहती हैं। ''दस वर्ष की उम्र पूरी होने से पहले ही मुझे रोटरी के फोर-वे टेस्ट के सिद्धांत कंठस्थ थे।''

ओलायिंका एच बाबालोला सबसे आगे पहुंचते हैं। यही वह पल है। वह क्षण जब यिंका - जैसा कि उन्हें बुलाया जाता है - 2026-27 के रोटरी अध्यक्ष, नाइजीरिया से दूसरे, और इस मामले में पूरे अफ्रीका से भी दूसरे - अध्यक्ष के रूप में रोटरी की दुनिया में अपना पदार्पण करेंगे।

यह रोटरी की अंतर्राष्ट्रीय सभा की पहली सुबह है, जो हर सर्दियों में ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, में आयोजित होने वाले नव-निर्वाचित मंडल गवर्नरों का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इस सत्र के मुख्य कार्यक्रम में भाषण देने के लिए बाबालोला पहले ही माइक लगाकर तैयार हो चुके हैं। लेकिन सबसे पहले, वह रोटरी कार्यक्रमों की एक परंपरा, उद्घाटन ध्वज समारोह, में भाग लेने की तैयारी करते हैं।

वह इटली से 2025-26 के रो ई अध्यक्ष फ्रांसेस्को अरेज़ो और संयुक्त राज्य अमेरिका के लैरी लंसफोर्ड के साथ मंच पर शामिल होते हैं, जो बाबालोला के बाद सेवा देंगे। तीनों अपने-अपने देशों के झंडे फहराते हुए मंच पर चलते हैं। एक गायक अमेरिका का राष्ट्रगान गाता है। फिर, इतालवी नव-निर्वाचित मंडल गवर्नर मंच पर अरेज़ो के साथ इल कांतो देली इतल्यानी गाने के लिए शामिल होते हैं।

अंततः, बाबालोला की बारी आती है। वह आगे कदम बढ़ाते हैं और तन कर खड़े होते हैं, उनकी चमकदार हरे और सफेद रंग की धारीदार टोपी उनके देश के झंडे से मेल खाती है। पीस उडोका अन्यिरा, जो एक नाइजीरियाई-कनाडाई रोटेरियन, मंच पर आती हैं और नाइजीरिया का राष्ट्रगान गाती हैं। बाबालोला भी साथ-साथ गाते हैं, और ऐसा करते हुए उनके आंसू निकल आते है।

बाद में भावुक होते हुए वह कहते हैं, आप नाइजीरिया के बारे में बहुत सी बुरी बातें सुनते हैं, लेकिन आज की कहानी कोई बुरी कहानी नहीं है। वह अपना चश्मा उतारते हैं और अपनी आँखें पोंछते हैं। इस देश का झंडा सद्भावना रखने वाले लोगों के बीच फहराया जा रहा है - एक अच्छे उद्देश्य के लिए एकत्रित 100 से अधिक देशों के अच्छे लोगों के बीच।

1 जुलाई से, बाबालोला उनका नेतृत्व करेंगे।

बाबालोला की नेतृत्व यात्रा बहुत पहले शुरू हो गई थी। छह भाई-बहनों में सबसे बड़े, उनका जन्म

नाइजीरिया के सबसे बड़े शहरों में से एक इबादान में हुआ था। उनकी माँ एक शिक्षिका थीं और उनके पिता एक एकाउंटेंट थे। वह कहते हैं, दुनिया के मेरे हिस्से में, जब आप सबसे बड़े बच्चे होते हैं, तो आपके पास कुछ नेतृत्व की जिम्मेदारियां होती हैं।

उन्होंने उस समय बाउची में फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी कहलाने वाले कॉलेज में पढ़ाई की, जो उत्तर में एक जातीय रूप से विविध शहर है जहाँ नाइजीरिया के सवाना जंगल सहारा के किनारे अर्ध-शुष्क साहेल में बदलने लगते हैं। स्कूल के जनसंपर्क निदेशक, जो रोटरी क्लब ऑफ बाउची के सदस्य थे, ने उनके दूसरे वर्ष के दौरान उनसे पूछा कि क्या वे रोटरेक्ट क्लब स्थापित करने में मदद करेंगे। बाबालोला क्लब के संस्थापक अध्यक्ष बन गए।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में अपनी डिग्री हासिल करने के बाद, बाबालोला ने नेशनल यूथ सर्विस कोर में एक साल पूरा किया। जातीय और धार्मिक दूरियों को पाटने के उद्देश्य से, कोर के सदस्य अपने राज्यों के अलावा अन्य राज्यों में सेवा देते हैं। बाबालोला को रिवर्स राज्य के पोर्ट हारकोर्ट में तैनात किया गया था, जहां फ्रांसीसी टायर निर्माता मिशेलिन ने अपने उपकरणों को फिर से दुरुस्त करने में मदद के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग स्नातकों से अनुरोध किया था।

पोर्ट हारकोर्ट पहुँचने से पहले, बाबालोला एक ओरिएंटेशन कैंप में अन्य नवनिर्वाचित कोर सदस्यों के साथ शामिल हुए। उन्होंने सोचा कि चूंकि वे सभी अभी-अभी विश्वविद्यालय से निकले हैं, इसलिए उनके बीच रोटरेकटर होने चाहिए। उन्होंने एक नोटिस लगाया और सभी को इकट्ठा किया। वे याद करते हैं, हमने कैंप के दौरान एक छोटी रोटरेक्ट फेलोशिप शुरू की।

फिर पोर्ट हारकोर्ट में, बाबालोला ट्रांस अमाडी के रोटरेक्ट क्लब में शामिल हो गए, जो शहर का एक औद्योगिक क्षेत्र है जहाँ मिशेलिन स्थित था। रोटरेक्ट कोर के अन्य सदस्यों के साथ, उन्होंने विकलांग बच्चों के लिए एक सुविधा केंद्र में स्वेच्छा से काम किया, जिसे रोटरी क्लब पोर्ट हारकोर्ट का समर्थन प्राप्त था।

जब उनकी अनिवार्य सेवा समाप्त हो गई, तो बाबालोला को शेल तेल कंपनी की नाइजीरियाई शाखा में नौकरी मिल गई। लगभग पच्चीस की उम्र होने के बावजूद, वह अपने रोटरेक्ट क्लब के स्तर से बड़े होने लगे थे; उनकी नौकरी ने उन्हें अपनी उम्र के अन्य लोगों की तुलना में बेहतर आय का विशेषाधिकार दिया। उन्होंने सोचा कि अगला तार्किक कदम रोटरी में शामिल होना था, जहां वे सफल और अनुभवी सदस्यों से प्रेरणा पा सकेंगे। वे कहते हैं, मैं ऐसी जगह रहना चाहता था जहां मैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा पा सकूं।

लेकिन जब वह रोटरी क्लब ट्रांस अमाडी की एक बैठक में गए और कहा कि वह शामिल होना चाहते हैं, तो क्लब के सदस्य दंग रह गए। एक रोटेरियन भड़क उठा: इस युवक को क्या हुआ है? क्या आपको लगता है कि इस तरह से आप रोटरी में शामिल हो सकते हैं? लेकिन एक अन्य रोटेरियन ने उनके प्रायोजक बनने की पेशकश की, जो बाद में उनके गुरु बन गए। बाबालोला याद करते हुए कहते हैं, अगर उस आदमी ने मेरे लिए आवाज़ नहीं उठाई होती, तो शायद मैं आज यहाँ नहीं होता। मैं शायद उस जगह से चला जाता और कभी रोटरी में शामिल होने पर विचार नहीं करता, और वहीं सब खत्म हो जाता।

रोटरी में, बाबालोला को करियर मार्गदर्शक मिले, जिनमें शेल नाइजीरिया के मुख्य परिचालन अधिकारी भी शामिल थे। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके हस्ताक्षर जब आप अपने नाम से आए किसी पत्र पर देखते हैं, तो उसका मतलब केवल दो चीजें होती हैं: या तो आपको पदोन्नत किया गया है या आपको निकाल दिया गया है, वह कहते हैं। वह उसी तरह के व्यक्ति थे। नाइजीरियाई तेल उद्योग के एक अन्य अधिकारी ने भी बाबालोला के पिता की मृत्यु होने पर उन्हें अपने संरक्षण में लिया था।

लेकिन सबसे बढ़कर, उन्हें एक ऐसी जगह मिली जहाँ वे एक परिपक्व व्यक्ति बन सकते थे। 27 साल की उम्र में, आपकी जेब में कुछ पैसे होते हैं, आप अविवाहित होते हैं, आप एक लड़के हैं, आप कल्पना कर सकते हैं कि आपके दिमाग में किस तरह की चीजें चलती है, वह कहते हैं। लेकिन क्योंकि मैं रोटरी में था, मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। लोग करों के बारे में बात कर रहे हैं; वे बजट के बारे में बात कर रहे हैं। वे रियल एस्टेट के बारे में, निवेश के अवसरों के बारे में बात कर रहे हैं, और अचानक कोई आपको बता रहा है कि आपको अपने पैसे का क्या करना चाहिए।

बाबलोला अपने रोटरी क्लब, ट्रांस अमाडी के सदस्यों के साथ।

ऊपर
बाबालोला और रो ई निदेशक के पी नागेश गवर्नर - इलेक्ट के साथ।

दाएं
नाइजीरियाई रोटरेक्टर्स के साथ (बाबालोला पहले रो ई अध्यक्ष हैं जिन्होंने रोटरेक्ट के ज़रिए अपनी रोटरी यात्रा शुरू की)।

(दाएं) एंड्रयू एसीबो

अपनी पत्नी प्रेसी बाबालोला (बीच में) के साथ, इंटरनेशनल असेंबली की कल्चर नाइट में।

"आज इस देश का ध्वज सद्भावना और सेवा की भावना से जुड़े लोगों के बीच लहराया जा रहा है - 100 से अधिक देशों से आए ऐसे लोग, जो एक श्रेष्ठ उद्देश्य के लिए साथ खड़े हैं।

क्लब की बैठक में।

> वे अक्सर कहते थे, 'अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से भी आगे बढ़ो।' मैं नहीं चाहता कि आप अन्य क्लबों से अपनी तुलना करें या उनसे प्रतिस्पर्धा करें। मैं चाहता हूँ कि आपकी प्रतिस्पर्धा केवल अपने आप से हो - हर दिन पहले से बेहतर बनने की।
>
> **न्डुक्के चुक्कू**
>
> रोटरी क्लब ओवेरी सेंट्रल

बाबालोला, IPPC के चेयरमैन माइकल मेकगवर्न के साथ मिलकर, पोलियो को खत्म करने के लिए चुने गए मंडल गवर्नरों के साथ।

बेटे मलिक के साथ।

नाइजीरिया में पोलियो प्रोजेक्ट का दौरा करते हुए।

एंड्र्यू एसीएबो

रोटरी के माध्यम से, बाबालोला अपनी पत्नी प्रेसी से भी मिले, जो पोर्ट हारकोर्ट में अपने विश्वविद्यालय के रोटरेक्ट क्लब की पहली महिला अध्यक्ष थीं। जब उनके बच्चे छोटे थे, तो वह रोटरी से कुछ समय के लिए दूर हो गईं और 2018 में फिर से शामिल हुईं। आज वह एक वकील हैं और रोटरी क्लब पोर्ट हारकोर्ट पासपोर्ट की सदस्य हैं।

सदस्यों के रूप में हमारी कहानियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन रोटरी हमें कई मायनों में प्रभावित करती है - हमारे करियर, हमारे व्यवसाय, हमारे पारिवारिक जीवन, बाबालोला कहते हैं। मुझे लगता है कि यदि आप किसी भी रोटेरियन से बात करते हैं, तो आप पाएंगे कि उनके पास एक कहानी है, कुछ ऐसा जिसने उन्हें रोटरी में रुकने के लिए प्रेरित किया।

दोपहर का समय है और लगभग एक दर्जन नव-निर्वाचित मंडल गवर्नर एक सम्मेलन की मेज के चारों ओर बैठे हैं। फ्लोरिडा की धूप अंदर आ रही है जबकि वे विजिटिंग कार्ड्स का आदान-प्रदान करते हैं और बाबालोला का इंतजार करते हैं। ये गवर्नर उन अंतिम बचे हुए मंडलों से हैं जो अभी भी पोलियो से लड़ रहे हैं, जैसे पाकिस्तान, जहाँ पड़ोसी अफगानिस्तान के साथ जंगली पोलियोवायरस अभी भी स्थानिक है, साथ ही अफ्रीका के कुछ मंडल, जिनमें बाबालोला का नाइजीरिया भी शामिल है, जहाँ अभी भी प्रकोपों को नियंत्रित किया जा रहा है।

बाबालोला अंदर आते हैं और मेज़ के चारों ओर घूमते हुए सभी से हाथ मिलाते हैं। यह उनकी उत्साहवर्धक बैठक है, जहाँ वे इन नवनिर्वाचित-गवर्नरों को एकजुट करना चाहते हैं और उन्हें यह दिखाना चाहते हैं कि वे पोलियो उन्मूलन के प्रति कितने गंभीर हैं।

जैसे ही बैठक शुरू होती है, वह इतने धीमे स्वर में बोलते हैं कि उन्हें सुनने के लिए झुककर ध्यान देना पड़ता है। एक बार जब हर किसी का पूरा ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो जाता है, तो उनकी आवाज़ अधिक मजबूत और उत्साहपूर्ण हो जाती है। वे मेज़ पर अपनी उँगलियाँ थपथपाते हुए उनसे उनकी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करने के लिए कहते हैं।

कल्पना कीजिए, बाबालोला उनसे कहते हैं, कि आप रोटरी सम्मेलन में हैं और वहाँ यह घोषणा हो रही है कि हमने पोलियो के शून्य मामलों तक पहुँच हासिल कर ली है - और यह उपलब्धि हासिल करने वाली यही मंडल गवर्नरों की टीम थी।

इसके बाद कमरा उत्साह से भर उठता है। उनके हमारे अध्यक्ष बनने से हम उत्साहित हैं, मंडल 3271 (पाकिस्तान) के नवनिर्वाचित गवर्नर शहज़ाद साबिर कहते हैं। उन्हें ज़मीदड-जनी स्तर की समस्याओं का पता है। वे जानते हैं कि प्रतिबद्धता का क्या मतलब होता है। वे जानते हैं कि हमें क्या चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय पोलियोप्लस समिति के अध्यक्ष माइकल के मैकगवर्न, जो इस बैठक में उपस्थित थे, साबिर की बातों से सहमति जताते हैं। वे कहते हैं, हमारे पास ऐसा कोई अध्यक्ष नहीं रहा है जिसने किसी देश में पोलियो उन्मूलन के दिन-प्रतिदिन के काम की इतनी गहरी पृष्ठभूमि के साथ यह भूमिका निभाई हो, जिसने रोटेरियनों के साथ मिलकर, सरकारों के साथ और अन्य लोगों के साथ मिलकर करीब से काम किया हो वे आगे कहते हैं। हमें उनसे बेहतर नेतृत्वकर्ता नहीं मिल सकता।

2012 में, नाइजीरिया में विकराल पोलियोवायरस अभी भी स्थानिक था। विशेष रूप से देश के पूर्वोत्तर भाग में मामले तेजी से बढ़ रहे थे, जो आतंकवादी समूह बोको हराम का ठिकाना था। 2011-12 के मंडल गवर्नर, बाबालोला को देश के पोलियो उन्मूलन प्रयासों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक में बुलाया गया था। रोटरी के नेतृत्वकर्ता चाहते थे कि वहां एकत्रित हुए पूर्व और वर्तमान मंडल गवर्नर नाइजीरिया के 36 राज्यों में से प्रत्येक को अपनाएं और वहां की स्थानीय सरकारों एवं भागीदारों के साथ मिलकर काम करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि टीकाकरण सुचारू रूप से चले। बाबालोला याद करते हैं, लोगों के हाथ उठने लगे, और कोई भी पूर्वोत्तर जाने के लिए सहमत नहीं हुआ।

लेकिन बाबालोला उसी क्षेत्र के एक कॉलेज में पढ़े थे। यहीं से उन्होंने रोटरी में अपनी शुरुआत की थी। यह एक ऐसी जगह थी जिसे वह जानते थे। उन्होंने अपना हाथ उठाया। लोगों ने मुड़कर मेरी ओर देखा, यह सोचते हुए कि यह आदमी जरूर पागल है, वह याद करते हैं।

साल्मा इब्राहिम अनस, जो 2011-15 के दौरान उत्तर-पूर्वी राज्य बोर्नो की स्वास्थ्य आयुक्त थीं, एक घटना को याद करती हैं जब बाबालोला उनसे राज्य की राजधानी मैदुगुरी में उनके कार्यालय में मिले

थे। उन्होंने उन्हें बताया कि वह एक टीकाकरण अभियान शुरू करने के लिए कई सौ किलोमीटर दूर एक दूरस्थ समुदाय की यात्रा करेंगी। वहां सुरक्षा का लॉकडाउन था; जोखिमों के कारण नागरिक समाज के भागीदार यात्रा नहीं कर रहे थे। लेकिन, अनस, जो अब नाइजीरियाई राष्ट्रपति की स्वास्थ्य मामलों की विशेष सलाहकार हैं, का कहना है कि उन्हें तब अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ जब अगले दिन उन्होंने बाबालोला को उसी दूरस्थ समुदाय में टीके वितरित करते देखा। मैं निशब्द थी, वह याद करती हैं। यह समर्पण, प्रतिबद्धता और विश्वास का उच्चतम स्तर था। बोको हराम की सुरक्षा चुनौतियों के बावजूद उन्होंने दूरस्थ समुदायों के इन बच्चों के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था।

उसी दशक के भीतर, 2020 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नाइजीरिया को – और इसके साथ पूरे अफ्रीकी क्षेत्र को – विकराल पोलियोवायरस से मुक्त प्रमाणित कर दिया, जिसका श्रेय काफी हद तक रोटरी सदस्यों के प्रयासों को जाता है।

फरवरी के एक मंगलवार को,

नाइजीरिया के व्यस्त व्यावसायिक केंद्र पोर्ट हारकोर्ट में ट्रांस अमादी का रोटरी क्लब अपनी नियमित साप्ताहिक बैठक कर रहा है। श्रोता अपने अतिथि वक्ता को शिष्टता से सुन रहे होते हैं, तभी अचानक एक देर से आने वाला सदस्य अंदर प्रवेश करता है। वह ओलायिंका बाबालोला होते हैं। सबकी नजरें उनकी ओर मुड़ जाती हैं। और अचानक उमड़े हर्ष के साथ, लगभग 70 सदस्य खड़े हो जाते हैं, गीत गाने लगते हैं और तालियों की गूंज से उनका स्वागत करते हैं।

इसे ही दोस्त और प्रशंसक यिंका प्रभाव कहते हैं, और यही प्रभाव सदस्यता, रोटरी संस्थान में योगदान और अन्य क्षेत्रों में विकास को गति दे रहा है।

जब यिंका किसी कमरे में प्रवेश करते हैं, तो वे एक चुंबक की तरह होते हैं, इबिम सेमेनितारी कहती हैं, जो उन्हें 1999 से जानती हैं। मैंने अफ्रीका और उससे बाहर के रोटरी क्लबों को उनकी ओर आकर्षित होते देखा है। वे ऐसे नेतृत्वकर्ता हैं जिनका करिश्मा सीमाओं से परे है।

नाइजीरिया पोलियोप्लस समिति के अध्यक्ष जोशुआ हसन (दाएं) बाबालोला को एक केंद्र का दौरा कराते हुए।

यिंका का जादू

बाबालोला उस क्लिनिक का दौरा करते हुए, जहाँ बच्चों को पोलियो के टीके लगाए जाते हैं।

रोटरी के नए अध्यक्ष पूरे अफ्रीका में सदस्यों को नई ऊर्जा और प्रेरणा से जोड़ रहे हैं। उनके उत्साह को प्रत्यक्ष देखने के लिए हमने वहाँ का दौरा किया।

चित्र: एंड्र्यू एसिएबो

अपनी माता रियानत बाबालोला के साथ।

अपने पूर्व विद्यालय की यात्रा के दौरान, जिसे वे और अन्य पूर्व छात्र उदारतापूर्वक सहयोग प्रदान करते हैं।

एक मंडल गवर्नर के रूप में अपने समय के बाद, बाबालोला तेजी से रोटरी के पदक्रम में ऊपर बढ़ते गए। मैं तब ही देख सकता था कि वह एक उभरते हुए नेतृत्वकर्ता हैं - उनमें वह प्रतिभा थी, ब्रिन स्टाइल्स कहते हैं, जिन्होंने बाबालोला से तब मुलाकात की थी जब वे गवर्नर थे और स्टाइल्स रो ई के नवनिर्वाचित निदेशक थे। स्टाइल्स अब बाबालोला के अध्यक्षीय सहयोगी के रूप में कार्यरत हैं। मैं उनसे इतना प्रभावित हुआ कि मैंने तत्कालीन रो ई अध्यक्ष और नव-निर्वाचित अध्यक्ष को एक पत्र लिखा कि यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसे हमें आगे बढ़ाना चाहिए।

2017 में, बाबालोला खुद एक रो ई निदेशक के रूप में कार्यभार संभालने की तैयारी कर रहे थे। उनका कार्यकाल उस वर्ष के साथ मेल खाने वाला था जब युगांडा के सैम एफ ओवोरी रोटरी के अध्यक्ष के रूप में सेवा देने वाले थे। लेकिन एक अनहोनी

“

मैंने यिंका को मंडल गवर्नर के रूप में सचमुच खेल का रुख बदलते देखा है। यिंका ने जिस भी पद की जिम्मेदारी संभाली, उसे एक नए और ऊँचे स्तर तक पहुँचाया।

गैब्रियल टोबी
पोर्ट हार्कोर्ट के पूर्व मंडल गवर्नर

अपने मार्गदर्शक पीडीजी गैब्रियल टोबी के साथ मुलाकात के दौरान।

हो गई: पद ग्रहण करने से पहले ही सर्जरी की जटिलताओं के कारण ओवोरी का निधन हो गया।

इस पर विश्वास करने से इनकार करते हुए, बाबालोला ने ओवोरी को फोन करने की कोशिश की, लेकिन उनकी पत्नी ने फोन उठाया और इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने पूर्व रो ई अध्यक्ष जोनाथन माजियाम्बे और पूर्व निदेशक सैम ओकुद्ज़ेटो को फोन किया, जो उस समय अफ्रीका के गिने-चुने वरिष्ठ जीवित नेतृत्वकर्ताओं में से थे, ताकि उनसे पूछ सकें कि अब क्या किया जाए। दोनों ने यह तय किया कि अब नेतृत्वकर्ता के रूप में बाबालोला ही बागडोर संभालेंगे। जब वे इस बारे में सोच ही रहे थे, तभी उन्हें युगांडा के रोटेरियनों का फोन आया, जो उनसे आगे की दिशा पूछ रहे थे। अचानक मुझे एहसास हुआ, वे कहते हैं। मैंने खुद से कहा, ''यिंका, अब तुम्हारी भूमिका बदल गई है। पूरा महाद्वीप तुम्हारी ओर देख रहा है, और तुम्हें आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभालनी होगी।''

बाबालोला और ओवोरी ने रो ई मंडल में एक साथ काम करने की अपनी योजनाओं पर पहले ही चर्चा कर ली थी। अब, उन्हें क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी बाबालोला पर आ गई थी। यह कोई आसान समय नहीं था, वह कहते हैं, लेकिन यह विकास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षण था।

उन योजनाओं में से एक महाद्वीप में सदस्यता बढ़ाने से संबंधित थी, एक ऐसा क्षेत्र जिसमें बाबालोला ने क्लब अध्यक्ष और मंडल गवर्नर के रूप में अपने समय के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। जब ओवोरी का निधन हुआ, तब अफ्रीका में 29,000 रोटेरियन थे। आज, वहां 48,000 हैं।

यिंका और सदस्यता के बीच कुछ खास बात है, पोर्ट हारकोर्ट की पूर्व मंडल गवर्नर और बाबालोला द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने वालों में से एक वर्जीनिया मेजर कहती हैं। ओह, भगवान! सदस्यता के मामले में वे आपको लगभग पागल कर देते हैं। वे आपको आँकड़े देते हैं। ''हमें यहाँ पहुँचना है। हमें यह करना है, और हम कर सकते हैं।'' मैं उन्हें अफ्रीका में सदस्यता का जनक कहती हूँ।

ध्वज समारोह के बाद, बाबालोला तेजी से मंच के पीछे जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं जबकि उनके सहयोगी स्टाइल्स उनका परिचय दे रहे होते हैं। बाबालोला अपनी हरी-और-सफेद टोपी को उसी कपड़े की टोपी से बदल लेते हैं जिससे अध्यक्षीय टाई और स्कार्फ बने थे, जो सुबह के सत्र के बाद नव-निर्वाचित मंडल गवर्नरों को दिए जाएंगे। संयोग से किसी को उसी कपड़े का एक पॉकेट स्क्वायर भी मिल जाता है, और स्टाइल्स जैसे ही उनका नाम घोषित कर रहे होते हैं, बाबालोला उसे अपनी जेब में सजा लेते हैं। इसके बाद वे आत्मविश्वास के साथ मंच पर कदम रखते हैं।

दर्शक तालियाँ बजाते हैं जब बाबालोला यह कहानी बताते हैं कि वे आखिरकार रोटरी में कैसे शामिल हो पाए। वे नाइजीरिया में 'टुगेदर फॉर हेल्दी फैमिलीज़' के प्रभाव के बारे में बात करते हैं, जो रोटरी संस्थान द्वारा वित्तपोषित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य का एक विशाल कार्यक्रम है। और फिर वे नाटकीय अंदाज़ में इस वर्ष के अध्यक्षीय संदेश, स्थायी प्रभाव पैदा करें, की घोषणा करते हैं, अपने हाथों को फैलाते हुए और दर्शकों के उत्साह को महसूस करते हुए, जो खड़े होकर तस्वीरें ले रहे होते हैं।

बाबालोला भले ही नाइजीरिया से केवल दूसरे और अफ्रीका से भी दूसरे अध्यक्ष हों, लेकिन रोटरी के मूल्यों के प्रति सच्चे रहते हुए, वह अपनी यात्रा के दौरान शांति का निर्माण करेंगे, जो सुर्खियों से परे जाकर किसी देश के लोगों के प्रति समझ को बढ़ावा देगा। वह स्वयं रोटरी और पूरी दुनिया पर एक स्थायी प्रभाव पैदा करेंगे।

चित्र: मोनिका लोज़िन्स्का

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

©Rotary

Rotary PEOPLE OF ACTION

सशक्त बेटी, समृद्ध गांव

रशीदा भगत

रोटरी क्लब अकोला, रो ई मंडल 3030 ने ग्रामीण क्षेत्रों की युवतियों को सिलाई-कढ़ाई का कौशल सिखाकर उन्हें आजीविका कमाने योग्य बनाने के उद्देश्य से एक परियोजना शुरू की है। यह पहल विशेष रूप से कक्षा 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने वाली उन लड़कियों पर केंद्रित है, जो आगे की पढ़ाई या रोजगार के अवसर न मिलने पर घर पर ही रह जाती हैं, घरेलू कार्यों में व्यस्त हो जाती हैं या कम उम्र में उनकी शादी कर दी जाती हैं। ऐसे में क्लब ने इन लड़कियों के लिए एक सिलाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किया है ताकि वे कौशल प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें और अपने लिए बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

परियोजना के प्रभारी और क्लब के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम मोदी के अनुसार, यह परियोजना गैगांव गांव में लागू की गई है, जहाँ इस प्रशिक्षण कक्षा में 40 से अधिक लड़कियों ने नामांकन कराया है। क्लब द्वारा कुछ इलेक्ट्रिक मशीनों सहित सिलाई मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। योग्य प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में ये लड़कियाँ सिलाई और परिधान निर्माण का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। जल्द ही, सिलाई और परिधान निर्माण कौशल से सुसज्जित होकर ये लड़कियाँ स्वरोजगार प्राप्त करेंगी तथा अपनी और अपने परिवार की आर्थिक सहायता के लिए आय अर्जित करने में सक्षम होंगी, वह कहते है।

इस परियोजना की कुल लागत लगभग ₹1.1 लाख है; इस राशि से सिलाई प्रशिक्षण कक्ष में 10 सिलाई मशीनें स्थापित की गई। मशीनों की खरीद और प्रशिक्षकों के वेतन के लिए आवश्यक धनराशि क्लब के अन्य सदस्यों द्वारा दिए गए योगदान से एकत्रित की गई है।

सिलाई प्रशिक्षण कक्षाओं में प्रतिदिन उत्साहपूर्वक भाग लेने वाली 40 लड़कियाँ गैगांव तथा आसपास के गांवों से आती हैं। गैगांव गांव को

गायगांव गांव में रोटरी क्लब अकोला द्वारा स्थापित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई सीखती एक बालिका।

BALANCE
ART B-021
Challenge 80

इस परियोजना के लिए चुनने के कारणों के बारे में बताते हुए मोदी कहते हैं कि इसका एक प्रमुख कारण इसकी निकटता थी। अकोला से मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित और अच्छी सड़क सुविधा से जुड़ा होने के कारण क्लब के सदस्यों के लिए इस प्रशिक्षण केंद्र का नियमित दौरा करना आसान है। इस गांव में लोग रोटरी को अच्छी तरह जानते और पहचानते हैं क्योंकि हमने यहाँ के स्थानीय विद्यालय के लिए बहुत कार्य किए हैं। हमने स्कूल में एक कंप्यूटरीकृत प्रयोगशाला स्थापित की है और कंप्यूटर दान किए हैं ताकि विद्यार्थी कंप्यूटर का उपयोग करना सीख सकें। इसके अलावा, हमने वहाँ एक पुस्तकालय भी स्थापित किया है।

क्लब के अध्यक्ष नार्योसंग टपोरेवाला ने बताया कि रोटेरियन दो सिलाई प्रशिक्षकों के वेतन का भुगतान करेंगे, जिन्हें क्रमशः ₹8,000 और ₹5,000 प्रति माह दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस पहल की शुरुआत की गई है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश लड़कियों के लिए 10वीं या 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद आगे बढ़ने के अवसर बहुत सीमित होते हैं। अक्सर उन्हें घरेलू कार्यों की जिम्मेदारी सौंप दी जाती है, उन्हें

समाचार-पत्रों से बने स्टेंसिल की सहायता से कपड़ों की कटिंग की कला सीखती महिलाएं।

सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त करती महिलाएं।

इस गांव में रोटरी की पहचान तुरंत हो जाती है। हमने स्थानीय विद्यालय के लिए बहुत काम किया है – एक पुस्तकालय और कम्प्यूटरीकृत प्रयोगशाला स्थापित की है, ताकि विद्यार्थी कंप्यूटर पर काम करना सीख सकें।

राधेश्याम मोदी
पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब अकोला

अपने छोटे भाई-बहनों की देखभाल करनी पड़ती है और वे साधारण नौकरियों के बारे में भी नहीं सोच पातीं। गांवों में रोजगार के अवसर बहुत कम होते हैं और लड़कियों के पास ऐसे विशेष कौशल भी नहीं होते जो उन्हें रोजगार योग्य बना सकें। इसलिए हमने सोचा कि यदि उन्हें सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाए, तो वे कपड़े सिलकर बेच सकेंगी और अपनी आय अर्जित कर सकेंगी। साथ ही, हमारी योजना उनके द्वारा तैयार किए गए परिधानों के विपणन (मार्केटिंग) में सहयोग करने की भी है।

दिलचस्प बात यह है कि रोटेरियनों को इस सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के लिए उपयुक्त स्थान खोजने में न तो अधिक मेहनत करनी पड़ी और न ही दूर तक जाना पड़ा। मोदी बताते हैं कि सिलाई प्रशिक्षकों में से एक के भाई ने गैगांव के एक प्रमुख स्थान पर कुछ दुकानें बनवाई थीं, जिनमें से कुछ खाली पड़ी थीं। गांव में रोटरी और हमारे क्लब की अच्छी प्रतिष्ठा है क्योंकि हम पहले से ही बच्चों की शिक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य कर चुके हैं। इसी विश्वास के कारण उन्होंने हमें यह स्थान सिलाई प्रशिक्षण कक्षाएं शुरू करने के लिए उपलब्ध कराया। गांव के लोग भली-भांति जानते हैं कि यदि यह परियोजना सफल होती है, तो इसका सबसे बड़ा लाभ उनके गांव की बेटियों को मिलेगा।

प्रारंभ में, 20-20 लड़कियों के दो बैचों के लिए प्रतिदिन केवल दो-दो घंटे का प्रशिक्षण आयोजित किया जाता था। लेकिन छात्राओं की आवश्यकता

केंद्र में स्वयं द्वारा डिज़ाइन की गई पोशाक का प्रदर्शन करती एक बालिका।

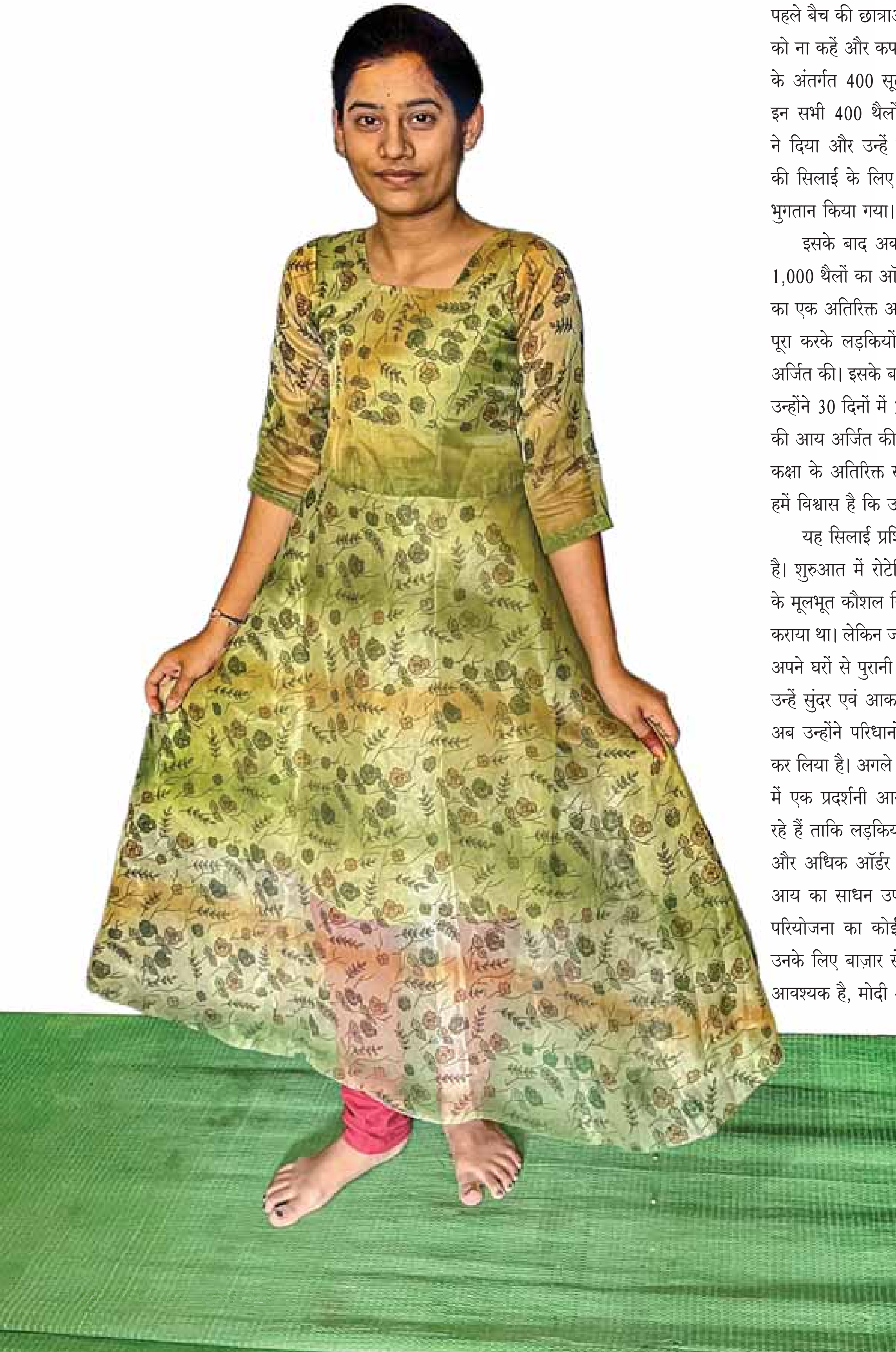

और उनके उत्साह को देखते हुए कक्षा का समय बढ़ाकर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक कर दिया गया। सिलाई की बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने के बाद, पहले बैच की छात्राओं ने क्लब की ‘पॉलीथिन बैग को ना कहें और कपड़े के थैले अपनाएँ’ परियोजना के अंतर्गत 400 सूती कपड़े के थैले तैयार किए। इन सभी 400 थैलों का ऑर्डर क्लब के सदस्यों ने दिया और उन्हें खरीद भी लिया। प्रत्येक थैले की सिलाई के लिए छात्राओं को ₹10 की दर से भुगतान किया गया।

इसके बाद अकोला के एक बैंक ने कपड़े के 1,000 थैलों का ऑर्डर दिया। फिर 300 और थैलों का एक अतिरिक्त ऑर्डर प्राप्त हुआ। इन ऑर्डरों को पूरा करके लड़कियों ने कुल ₹13,000 की आय अर्जित की। इसके बाद उन्हें एक और ऑर्डर मिला। उन्होंने 30 दिनों में 2,000 बैग सिलकर ₹20,000 की आय अर्जित की। लड़कियों ने यह कार्य अपनी कक्षा के अतिरिक्त समय में किया। मोदी कहते हैं हमें विश्वास है कि उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

यह सिलाई प्रशिक्षण कोर्स पूरी तरह नि:शुल्क है। शुरुआत में रोटेरियनों ने लड़कियों को सिलाई के मूलभूत कौशल सिखाने के लिए कपड़ा उपलब्ध कराया था। लेकिन जल्द ही हमने देखा कि लड़कियाँ अपने घरों से पुरानी साड़ियाँ लेकर आने लगी और उन्हें सुंदर एवं आकर्षक परिधानों में बदलने लगी। अब उन्होंने परिधानों का एक अच्छा संग्रह तैयार कर लिया है। अगले एक-दो महीनों में हम अकोला में एक प्रदर्शनी आयोजित करने की योजना बना रहे हैं ताकि लड़कियाँ अपने बनाए कपड़े बेच सकें और अधिक ऑर्डर प्राप्त कर सकें। यदि हम उन्हें आय का साधन उपलब्ध नहीं करा पाते, तो इस परियोजना का कोई वास्तविक मूल्य नहीं होगा। उनके लिए बाज़ार से जुड़ाव सुनिश्चित करना बहुत आवश्यक है, मोदी आगे कहते है।

शुरुआत में रोटेरियनों ने बालिकाओं को सिलाई-कढ़ाई के बुनियादी कौशल सीखने के लिए कपड़ा उपलब्ध कराया। लेकिन जल्द ही वे अपने घरों से पुरानी साड़ियां लाने लगीं और उन्हें आकर्षक तथा सुंदर परिधानों में बदल दिया।

क्लब अध्यक्ष नारयोसंग तारपोरवाला (दाएं से दूसरे) प्रशिक्षुओं के साथ।

वह आगे कहते हैं कि क्लब के सदस्यों ने यह दृढ़ निश्चय किया कि केवल लड़कियों को स्कूल बैग देना या महिलाओं को सिलाई मशीनें देना पर्याप्त नहीं है। उनकी आजीविका सुनिश्चित करना आवश्यक है। मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि इस सिलाई प्रशिक्षण की सफलता को देखकर अब गांव की महिलाएँ भी इस कोर्स को करना चाहती हैं और हम इसके दायरे को और बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

क्लब के अध्यक्ष आगे कहते हैं कि अंततः युवा पीढ़ी को स्वरोजगार की ओर बढ़ना ही होगा क्योंकि केवल बुनियादी शिक्षा प्राप्त युवाओं के लिए बहुत अधिक नौकरियाँ उपलब्ध नहीं हैं। आगे चलकर क्लब युवकों को ड्राइविंग का प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा ताकि वे अकोला में ड्राइवर के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकें। अकोला की जनसंख्या लगभग 10 लाख है और इसके अलावा लगभग 2 लाख की अस्थायी/आवागमन करने वाली जनसंख्या भी रहती है इसलिए यहाँ ड्राइवरों की हमेशा आवश्यकता बनी रहती है।

साक्षरता के क्षेत्र में, रोटेरियन लगभग 20 विद्यार्थियों को MS-CIT (महाराष्ट्र स्टेट सर्टिफिकेट इन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) का प्रशिक्षण देने की योजना बना रहे हैं, जो एक बुनियादी डिजिटल साक्षरता और कंप्यूटर शिक्षा कार्यक्रम है। यह कोर्स उन्हें एम एस ऑफिस, इंटरनेट ब्राउज़िंग और एआई टूल्स जैसे व्यावहारिक कौशल प्रदान करेगा। इस कोर्स की लागत लगभग ₹4,000 से ₹5,000 है और इसे पूरा करने वाले विद्यार्थियों को सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिया जाता है। जब वे कंप्यूटर चलाना सीख लेंगे तो उन्हें नौकरी मिल सकती है।

क्लब स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने हेतु 40 और साइकिलें वितरित कर रहा है ताकि उन्हें सुरक्षा कारणों से पढ़ाई बीच में न छोड़नी पड़े।

मोदी कहते हैं, रोटरी इस परियोजना के माध्यम से गांव की स्थिति को बदल रही है, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं के लिए जो गरीबी और बेरोजगारी की सबसे बड़ी शिकार हैं। वो एक बहुत ही अच्छा दिन होगा जब इन गांवों की इतनी लड़कियाँ स्वयं कपड़े बनाकर और अपने डिज़ाइन तैयार करके आत्मनिर्भर बनेंगी। जब ऐसा होगा, तो आगे चलकर बुटीक दुकानें खोलना और डिजाइनर कपड़े बनाना भी निश्चित रूप से शुरू हो जाएगा जिससे महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता से मिलने वाली आत्मनिर्भरता का अनुभव प्राप्त होगा। यह ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए रोटरी का एक उपहार होगा।

यहाँ सिलाई प्रशिक्षण कक्षाओं में भाग लेने वाली लड़कियों द्वारा दिए गए कुछ अनुभव/प्रशंसापत्र प्रस्तुत हैं, जो क्लब को प्राप्त हुए हैं।

एक लड़की ने कहा, रोटरी ने हमें परिधान निर्माण सीखने और अपने कौशल को विकसित करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान किया है।

एक अन्य लड़की ने कहा: मुझे कक्षा 12 की परीक्षा के बाद अपने भविष्य को लेकर बहुत डर लग रहा था कि मैं क्या करूंगी। सिलाई सीखकर परिधान निर्माण करके मुझे अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत मिली है। मेरी माँ मुझ पर बहुत गर्व महसूस करती हैं क्योंकि उन्हें पता है कि अब मैं आत्मनिर्भर बन सकूँगी। धन्यवाद, रोटरी।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने ताइपे सम्मेलन में रोटेरियनों का दिल जीता

गुंडुला मीथ्के

पाकिस्तानी शिक्षा कार्यकर्ता मलाला यूसुफ़ज़ई।

मलाला यूसुफ़ज़ई, जो अब तक की सबसे कम उम्र की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता हैं और लड़कियों की शिक्षा की समर्थक हैं, ने ताइपे सम्मेलन में अपने मुख्य भाषण और उसके बाद मंच पर दिए गए साक्षात्कार में एक रोटेरियन की बेटी के रूप में रोटरी से अपने व्यक्तिगत संबंधों और लड़कियों के सशक्तिकरण के महत्व के बारे में बात की।

हालाँकि लड़कियों की शिक्षा में प्रगति हुई है, उन्होंने रोटेरियनों को याद दिलाया कि पूरी दुनिया में 120 मिलियन लड़कियाँ अभी भी स्कूलों से बाहर हैं, और उन्होंने नेताओं के रूप में लड़कियों में अधिक विश्वास और निवेश की वकालत की। तंजानिया से लेकर पाकिस्तान तक लड़कियों के नेतृत्व वाले परिवर्तनकारी आंदोलनों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, लड़कियाँ समस्याओं और उनके समाधान दोनों को अच्छी तरह समझती हैं।

शिक्षा के लिए आवाज उठाने वाली 11 साल की बच्ची से लेकर आज तक की अपनी यात्रा को याद करते हुए, मलाला ने सामूहिक कार्रवाई की शक्ति पर जोर दिया: यहां तक कि छोटे कदम भी... एक बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने रोटेरियनों से उनके उद्देश्य में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा, लड़कियों के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए हमें आपके साहसिक और महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

रो ई के महासचिव जॉन ह्यूको ने अकेलेपन की बढ़ती वैश्विक चुनौती को संबोधित किया। हार्वर्ड के एक अध्ययन, जो रिश्तों को खुशी का सबसे मजबूत संकेतक मानता है, का हवाला देते हुए, उन्होंने रोटरी को इसके एक शक्तिशाली समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। सदस्यों को अपने अनुभव साझा करने और दूसरों को संगठन में आमंत्रित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, किसी उद्देश्य के लिए जुड़ना ही रोटरी का मूल है, ...और दुनिया इस तरह के जुड़ाव के लिए तरस रही है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि क्लबों को आधुनिक जीवनशैली के अनुसार ढलना होगा, सहभागिता के लचीले तरीके बनाने होंगे और अधिक लोगों के लिए जुड़ना आसान बनाना होगा।

रोटरी पीस फेलोशिप की पूर्व छात्रा नेटली एमरी ने अपने जीवन की कहानी साझा की और बताया कि

ताइपे सम्मेलन में 37,000 रोटेरियन शामिल

13 से 17 जून, 2026 के बीच 140 से अधिक देशों के 37,000 से अधिक रोटेरियन ताइपे नांगांग प्रदर्शनी केंद्र और ताइपे डोम में रो ई के वार्षिक सम्मेलन के लिए एकत्र हुए, जो 32 वर्षों बाद फिर से ताइपे में आयोजित हुआ।

रो ई अध्यक्ष फ्रांसेस्को अरेज़ो ने कहा, रोटरी सम्मेलन एकता के शक्तिशाली क्षण होते हैं, जहाँ दुनिया के हर कोने से लोग जुड़ने, सेवा का उत्सव मनाने और स्वस्थ, अधिक शांतिपूर्ण भविष्य के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ आते हैं। अपने कार्यकाल के दौरान रोटरी सदस्यों से मिलने के अनुभव का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा, मैं जहाँ भी गया, मुझे वही भावना मिली। अलग-अलग भाषाएँ, अलग-अलग भोजन, मेहमान के स्वागत के अलग-अलग तरीके - लेकिन हमेशा वही रोटरी का दिल।

पोलियो उन्मूलन को रोटरी की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा, यह वर्ष कठिन था। वित्तपोषण कठिन हो गया। सरकारों पर नए दबाव आए। लेकिन पोलियो पर हमारे प्रयास इसलिए समाप्त नहीं होते

रो ई अध्यक्ष फ्रांसेस्को अरेज़ो और उनकी पत्नी अन्ना मारिया का पूर्व रो ई अध्यक्षों द्वारा स्वागत और उत्साहवर्धन किया गया। अरेज़ो के अध्यक्षीय सहयोगी जॉन डी जॉर्जियो भी चित्र में शामिल हैं।

क्योंकि दुनिया इसके बारे में सुनकर थक जाती है। हमें दुनिया के बच्चों से किया अपना वादा निभाना होगा। उन्होंने पाकिस्तान की यात्रा का वर्णन किया, जहाँ उन्होंने रोटरी के टीकाकरण प्रयासों को देखा और लगभग तीन वर्ष की एक बच्ची से मिले जो पोलियो से लकवाग्रस्त हो चुकी थी। वह अपने हाथों के सहारे खुद को घसीटते हुए बच्चों के समूह में शामिल होने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा, वह छोटी बच्ची ही कारण है कि हम रुक नहीं सकते। हमें इसे पूरा करना होगा क्योंकि अगला बच्चा अभी भी इंतजार कर रहा है।

ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने देश के रोटेरियनों को दुनिया को ताइवान तक लाने के लिए धन्यवाद दिया।

प्रदर्शनी केंद्र में 100 से अधिक मानवीय परियोजनाएं प्रदर्शित की गईं, जो दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों के नवीन, दीर्घकालिक समाधानों की प्रत्यक्ष झलक प्रदान करती हैं।

कैसे दयालुता के छोटे कार्य व्यवस्थित प्रभाव में बदल सकते हैं। भारत में शुरुआती स्वयंसेवी गतिविधियों से लेकर विश्व खाद्य कार्यक्रम के साथ मानवीय लॉजिस्टिक्स प्रयासों का नेतृत्व करने तक, एमरी की यात्रा ने कदम उठाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, बदलाव लाने के लिए आपको असाधारण होने की आवश्यकता नहीं है। दक्षिण सूडान जैसे संकटग्रस्त क्षेत्रों में अपने काम को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि भोजन, पानी और दवा तक पहुंच सुनिश्चित करना केवल मानवीय कार्य नहीं है - यह शांति निर्माण है। उन्होंने आगे कहा, एक औपचारिक संधि पर हस्ताक्षर होने से बहुत पहले ही शांति स्थापित होना शुरू हो जाती है।

इस वर्ष के रोटरी पीपल ऑफ एक्शन सम्मान प्राप्तकर्ताओं की कहानियों ने साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, समावेशन और संघर्ष समाधान से निपटने वाली जमीनी स्तर की पहलों का प्रदर्शन किया।

रोटरी के कार्यों की वैश्विक पहुँच और प्रभाव को न्यासी प्रमुख होल्गर नेक ने रेखांकित किया, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रोटरी की परियोजनाएँ डेटा, जवाबदेही और साझेदारी पर आधारित हैं, जो स्वास्थ्य, शिक्षा, जल और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में फैली हुई हैं।

हैती को मिला छठा प्रोग्राम ऑफ स्केल

छठे प्रोग्राम ऑफ स्केल, हैती में टिकाऊ जल एवं स्वच्छता प्रणालियों के लिए सहयोग की घोषणा करते हुए नेक ने कहा, हम उम्मीद पर नहीं चलते। हम सबूतों और मापन पर काम करते हैं। यह पहल रोटरी के उन प्रयासों को दर्शाती है जिनका उद्देश्य सिद्ध समाधानों को बड़े स्तर पर लागू कर स्थायी परिवर्तन लाना है, इस मामले में हमनें हैती के संगठनों और राष्ट्रीय जल एजेंसी के साथ साझेदारी की है। इसका लक्ष्य जलजनित बीमारियों को 25 प्रतिशत तक कम करना है - स्थानीय समितियों, जल संचालकों और मेयरों को प्रशिक्षित करके, जो अनुदान समाप्त होने के बाद भी इस कार्य को जारी रखेंगे।

पोलियो के खिलाफ लड़ाई अभी भी रोटरी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रो ई पोलियोप्लस समिति की

हमें बालिकाओं के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए रोटरी की साहसिक और दूरदर्शी सोच की आवश्यकता है।

मलाला यूसुफ़ज़ई

सदस्य वैलेरी वेफर और अंतरराष्ट्रीय पोलियोप्लस समिति के अध्यक्ष माइक मेकगवर्न ने कमजोर आबादी तक पहुँचने में हुई प्रगति और चुनौतियों दोनों को रेखांकित किया। अफगानिस्तान और पाकिस्तान ही ऐसे देश हैं जहाँ अभी भी जंगली पोलियोवायरस का प्रसार जारी है। मुख्य समस्याएँ पहुँच में बाधाएँ, असुरक्षा और अविश्वास हैं, जबकि नाइजीरिया को इसके वेरिएंट के प्रकोप का सामना करना पड़ रहा है। टीआरएफ से वार्षिक 50 मिलियन डॉलर और बिल गेट्स फाउंडेशन से 100 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण फ्रंटलाइन कार्यकर्ता, एकीकृत स्वास्थ्य अभियान और वैश्विक वकालत मामलों की घटती संख्या एवं नए विश्वास को प्रेरित कर रहा हैं।

ताइपेई में आयोजित रोटरी कन्वेंशन में प्रतिनिधि।

लेखिका रो ई ग्लोबल कम्युनिकेशन्स में क्षेत्रीय कंटेंट एवं मैगज़ीन लीड़ हैं।

एक सपने को मिली नई उड़ान

टीम रोटरी न्यूज़

शुभम पंडित के लिए कंप्यूटर इंजीनियर बनने का सपना कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से जुड़ा था। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण यह सपना अधूरा रह जाने का खतरा पैदा हो गया।

शुभम के पिता विष्णु पंडित एक कार्यालय सहायक के रूप में कार्य करते हैं और परिवार का खर्च चलाने के लिए कपड़ों की सिलाई-मरम्मत का काम भी करते हैं। अथक परिश्रम के बावजूद वे अपने बेटे की पेशेवर शिक्षा का खर्च उठाने में सक्षम नहीं थे।

जब परिवार इस कठिन परिस्थिति से जूझ रहा था, तब रोटरी क्लब चंडीगढ़ मिडटाउन, रो ई मंडल 3080 के उपाध्यक्ष प्रदीप सिसोदिया की पत्नी नंदिता सिसोदिया ने मदद का हाथ बढ़ाया। शुभम की शैक्षणिक प्रतिभा और लगन से प्रभावित होकर उन्होंने उसकी पढ़ाई के लिए विभिन्न संस्थाओं और कॉर्पोरेट संपर्कों से सहयोग जुटाने का प्रयास किया।

नंदिता सिसोदिया, शुभम पंडित के साथ।

उनके लगातार प्रयासों का परिणाम एक सीएसआर प्रायोजित छात्रवृत्ति के रूप में मिला। 5 जून 2026 को उन्होंने शुभम का प्रवेश चितकारा विश्वविद्यालय, बद्दी के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में सुनिश्चित कराया। लगभग ₹8.2 लाख की इस छात्रवृत्ति के तहत ट्यूशन फीस, परिवहन और अन्य शैक्षणिक खर्चों का वहन किया जाएगा।

शुभम और उसके परिवार के लिए यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं था, बल्कि उस सपने को साकार करने का माध्यम बना, जो कभी उनकी पहुँच से बहुत दूर लगता था। ■

ADVT.

BLOOD BANK | STRENGTHENING COMMUNITIES | VILLAGE ADOPTION | WOMEN EMPOWERMENT | EDUCATION

ENVIRONMENT RENEWABLE ENERGY | FORESTATION | WATER MANAGEMENT

SOCIAL HEALTHCARE

GOVERNANCE SUSTAINABILITY REPORTING | MINING BEST PRACTICES | ADVOCACY

ESG-READY

SINCE 1961

Our founder Abheraj Baldota's core operating principle was 'I am not the owner of wealth, but a privileged trustee to serve the community with it'. Thus it is no surprise that ESG practices are ingrained in our corporate ethos, business strategy and operations since our birth in 1961.

We were the first Indian unlisted company to publish a GRI-compliant sustainability report way back in 2006. We are a large producer of renewable power in India. We were also the first mining company in India to get certified for OHSAS 18001:1999 and ISO 14001:2004. Across the years, we have invested more than Rs. 1235.08 Crore in ESG. From building blood banks to adopting villages and combating climate change, we have been practicing ESG long before it became a buzzword. With 875 acres of forest cover created through the plantation of 21.5 lakh trees, we continue to drive environmental stewardship, reflected in the sustained reduction of specific emissions from our mining operations.

BALDOTA

Baldota Enclave, Abheraj Baldota Road, Hosapete 583 203. Karnataka, India | **www.baldota.co.in**

इंदौर के रोटेरियनों ने मनाया नारी शक्ति उत्सव

रशीदा भगत

इस वर्ष इंदौर में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह, जिसे रोटरी क्लब इंदौर रॉयल, रो ई मंडल 3040 ने शहर की अग्रणी और सक्रिय महिला संस्था, वर्ल्ड ऑफ वुमन (WoW) समुदाय के सहयोग से आयोजित किया, रोटरी की सार्वजनिक छवि को मजबूत करने वाली एक यादगार पहल बन गया। इस कार्यक्रम की सूक्ष्म योजना और उत्कृष्ट क्रियान्वयन ने इसमें एक विशेष आकर्षण और उत्साह भी जोड़ दिया।

महिला सम्मेलन 'आरोही' में प्रतिभागियों के साथ (बाएं) वर्ल्ड ऑफ वुमेन की संस्थापक सुरुचि मल्होत्रा (मध्य) पीडीजी रितु ग्रोवर और (दाएं) रोटरी क्लब इंदौर रॉयल्स की अध्यक्ष याति अरोड़ा।

इस पहल की कल्पना यत्ती अरोरा ने की थी, जो 35 सदस्यों वाले रोटरी क्लब इंदौर रॉयल की अध्यक्ष हैं। वह कहती हैं कि इसकी शानदार सफलता कई रोटेरियनों द्वारा एक टीम के रूप में आगे आकर किए गए प्रयासों और कड़ी मेहनत का परिणाम थी।

WoW समुदाय स्वयं विभिन्न आयु वर्गों और अलग-अलग पृष्ठभूमियों की महिलाओं का एक अत्यंत सक्रिय संगठन है, जिसकी सोशल मीडिया पर भी बहुत बड़ी उपस्थिति है। यत्ती इस समुदाय की बोर्ड सदस्य हैं और स्थानीय समाज हेतु इसके व्यापक कार्यों से भली-भाँति परिचित हैं। WoW में हमने कई सामाजिक अभियान चलाए हैं जैसे स्वेटर और किताबें वितरित करना तथा होली, दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान श्रवण बाधित और अन्य वंचित लोगों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित करना।

थेथ की एक महत्वपूर्ण पहल यह है कि वह अपनी महिला सदस्यों को एक-दूसरे की मदद

इस सम्मेलन का उद्देश्य नारीत्व का उत्सव मनाना, नेतृत्व क्षमता और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना, स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देना तथा विभिन्न समुदायों की सशक्त महिलाओं का मजबूत नेटवर्क तैयार करना था।

करने तथा स्थानीय समुदाय की अन्य महिलाओं के व्यावसायिक प्रयासों को सहयोग देकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

महिला दिवस का उत्सव मनाने के लिए रोटरी और WoW के इस संयुक्त सहयोग से इंदौर में *आरोही 2026* नामक एक बड़े महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया ताकि नारीत्व का उत्सव मनाते हुए नेतृत्व और महिला उद्यमों को प्रोत्साहित किया जा सके, स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और विभिन्न समुदायों की सशक्त महिलाओं का एक मजबूत तंत्र तैयार किया जा सके।

इस सम्मेलन में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिनमें इंदौर, देवास, भोपाल, सोनकच्छ, नागदा और उज्जैन के विभिन्न क्लबों के रोटेरियन, गैर रोटेरियन, महिला नेता, उद्यमी और पेशेवर शामिल थे। इससे यह आयोजन सीखने, अनुभव साझा करने और आपसी सहयोग का एक जीवंत मंच बन गया।

यत्ती बताती हैं कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं की सफलता, उनकी खुशी और कल्याण में योगदान देने वाले विभिन्न पहलुओं का उत्सव मनाना था, जिनमें उनके आर्थिक और व्यावसायिक प्रयास भी शामिल थे। महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए इस कार्यक्रम में व्यवसाय और लाइफस्टाइल

स्टॉल भी लगाए गए, जहाँ महिला उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की। इस पहल ने उन्हें पहचान, नेटवर्किंग और आर्थिक सशक्तिकरण हेतु एक मूल्यवान मंच प्रदान किया। यहाँ एक आपसी मेलजोल और संपर्क तंत्र सत्र भी शामिल था जिसमें प्रतिभागियों ने अनौपचारिक रूप से आपस में जुड़कर महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों के स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों और सेवाओं को देखा। इस सत्र ने सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा दिया और महिला उद्यमियों को पहचान तथा व्यावसायिक अवसर प्रदान किए।

इस सम्मेलन में भाग लेने वाली महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे व्यवसायों के बारे में पूछे जाने पर क्लब अध्यक्ष ने बताया कि इन स्टॉलों का संचालन स्वास्थ्य एवं कल्याण, आभूषण, हस्तशिल्प आदि क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं द्वारा किया गया। हमने मुख्य रूप से उन महिलाओं को स्टॉल देने पर ध्यान केंद्रित किया जिनकी बाज़ार में पहुँच कम है क्योंकि उनकी अपनी दुकानें नहीं हैं और वे केवल सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से घर से ही अपने उत्पाद बेचती हैं। इसलिए हमने उन्हें इस तरह के बड़े आयोजन में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर दिया ताकि उन्हें अधिक पहचान और विविध दर्शक मिल सकें।

हमने मुख्य रूप से उन महिला उद्यमियों को स्टॉल उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया, जिन्हें बाज़ार में कम अवसर और पहचान मिली है, ताकि उन्हें अधिक दृश्यता मिले और वे व्यापक एवं विविध ग्राहकों तक पहुँच बना सकें।

याति अरोड़ा
अध्यक्ष, रोटरी क्लब इंदौर रॉयल्स

ऐसी महिलाओं को इस आयोजन से किस प्रकार की प्रतिक्रिया और विपणन अवसर प्राप्त हुए, इस बारे में पूछे जाने पर यत्ती कहती है आर्थिक लाभ या बिक्री से भी अधिक, वे इस बात से बहुत खुश थीं कि उनके उत्पादों को इतना ध्यानाकर्षण प्राप्त हुआ। वे इस बात से बेहद उत्साहित थीं कि उनके काम की सराहना हुई और इससे उनका मनोबल बहुत बढ़ा।

इस आयोजन के विभिन्न सत्रों को इतना संवादात्मक बनाया गया ताकि व्यक्तिगत विकास, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक स्वास्थ्य और नेतृत्व कौशल पर चर्चा को प्रोत्साहित किया जा सके। *जुनून और जज़्बे की जीत* शीर्षक वाले एक पैनल चर्चा सत्र में मोनिका पंजाबी, ईशानी माहेश्वरी और कोमल चतुर्वेदी जैसी प्रमुख महिला नेताओं ने अपनी नेतृत्व यात्राएँ साझा कीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने किन चुनौतियों का सामना किया और साथ ही दर्शकों में मौजूद महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करने तथा दृढ़ता एवं लचीलेपन

खड़े हुए (बाएं से चौथे) डीजी सुशील मल्होत्रा अपनी पत्नी रूबी के साथ, पीडीजी रितु, क्लब अध्यक्ष याति और कार्यक्रम संयोजक सुरुचि क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ।

ब्यूटी एजुकेटर उन्नति सिंह ग्रूमिंग के टिप्स देती हुईं। साथ में पीडीजी रितु और बाईं ओर क्लब अध्यक्ष याति अरोड़ा चित्र में शामिल हैं।

के साथ अपनी यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित किया ताकि उनकी सफलता सुनिश्चित हो सके। इस सत्र का संचालन रोटेरियन राकेश जैन ने किया।

अपने संबोधन में रिश्तों के मार्गदर्शक विकास चौधरी ने सार्थक संबंध बनाने और प्रभावी संवाद पर व्यावहारिक सुझाव साझा किए। एक अंतर्राष्ट्रीय ब्यूटी एजुकेटर, उन्नति सिंह द्वारा एक रोचक पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और ग्रूमिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें व्यक्तिगत प्रस्तुति और स्टाइलिंग टिप्स पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्राणिक हीलिंग और ध्यान पर मुंबई की स्वास्थ्य देखभाल विशेषज्ञ भैरवी ठक्कर द्वारा एक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा प्रतिभागियों को ऊर्जा चिकित्सा और भावनात्मक स्थिरता को समझने में मदद मिली। भावना पुजारा द्वारा प्रस्तुत *द विमेंस स्टोरी* नामक एक प्रभावशाली कहानी-सत्र में महिलाओं की शक्ति, उनके लचीलेपन और परिवार व समुदायों को आकार देने में उनके प्रभाव को उजागर किया गया।

जहाँ महिलाएँ मौजूद हों, वहाँ एक पाक-कला अनुभव होना स्वाभाविक है; और इस आयोजन ने भी इस मामले में निराश नहीं किया। इंदौर के होटल सयाजी के प्रतिभाशाली शेफ्स ने एक संवादात्मक शेफ वर्कशॉप आयोजित की जहाँ

प्रतिभागियों ने रचनात्मक व्यंजन सीखें और उन्हें कुछ उपयोगी कुकिंग टिप्स भी मिली।

शिक्षा, व्यवसाय और सामाजिक सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं - चाहे वे रोटेरियन हो या गैर रोटेरियन- को उनके समाज, नेतृत्व, उद्यमिता और सामुदायिक सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया। यह सम्मान महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाने और उन्हें प्रोत्साहित करने में रोटरी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, यत्ति कहती हैं।

इस आयोजन का उद्घाटन करते हुए डीजी सुशील मल्होत्रा ने महिलाओं से नेतृत्व, सेवा और व्यक्तिगत उत्कृष्टता को पूरी गंभीरता और ध्यान से अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रोटेरियनों और गैर-रोटेरियनों को एक ही मंच पर लाने वाला ऐसा भव्य आयोजन निश्चित रूप से रोटरी की सार्वजनिक छवि को मजबूत करेगा। इस अवसर पर उनकी पत्नी रूबी मल्होत्रा, सहायक गवर्नर किरण घुम्मण और कार्यक्रम अध्यक्ष सुरभची मल्होत्रा भी उपस्थित रहीं।

आयोजन की सफलता से उत्साहित होकर यत्ति ने कहा कि यह उनकी स्वप्न परियोजना थी और क्लब अध्यक्ष बनने के बाद से ही वे ऐसा कार्यक्रम करना चाहती थीं जो महिलाओं के सशक्तिकरण को उजागर करने के साथ ही रोटरी की सार्वजनिक छवि को भी मजबूत करे। जब मैंने हमारे क्लब की एक सदस्य, पीडीजी रितु ग्रोवर के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इस तरह का आयोजन करने का विचार साझा किया, तो उन्होंने मुझे बहुत प्रोत्साहित किया और कहा कि अगर हम इसे ठीक से कर पाएं तो यह कमाल हो जाएगा।

इस पहल ने रोटरी की सार्वजनिक छवि को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया और समुदाय के साथ उसके जुड़ाव को भी मजबूत बनाया। स्थानीय मीडिया में व्यापक कवरेज मिलने से क्लब के अधिक से अधिक महिलाओं को रोटरी से जोड़ने के प्रयासों को भी नई गति मिलेगी।

सम्मेलन के दौरान आयोजित पाक-कला कार्यशाला।

यत्ति रितु की आभारी हैं कि उन्होंने उन्हें केवल प्रोत्साहन और समर्थन ही नहीं दिया बल्कि ऊर्जा और आत्मविश्वास भी दिया। मैं एक कनिष्ठ रोटेरियन हूँ जो केवल पिछले पाँच वर्षों से रोटरी में है लेकिन यह एक बहुत बड़ी परियोजना थी और इसमें पीडीजी रितु का मुझे पूरा समर्थन मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। वह इतनी सहयोगी थीं कि कार्यक्रम से 15 दिन पहले तक हम सभी उनके ऑफिस में कभी-कभी रात 11 बजे तक भी काम करते रहते थे।

मुख्य संयोजकों जैसे आभा आनंद, राजेंद्र जैन, सुनैना खन्ना, विनीता शिरोडकर और राकेश जैन सहित सभी रोटेरियनों के अलावा अध्यक्ष ने प्रायोजकों और समर्थकों का भी धन्यवाद किया, जिनमें होटल सयाजी इंदौर, इक्विटास स्माल फाइनेंस बैंक, सृजन लीगल सलूशन्स और टीवीएस गरुड़ शामिल थे।

आयोजक खुश थे कि पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शक फन गेम्स, लकी ड्रॉ और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से सक्रिय रूप से जुड़े रहे, जिससे एक जीवंत और समावेशी वातावरण बना रहा। लेकिन यह केवल मनोरंजन और हल्के-फुल्के पलों तक सीमित नहीं था; अर्थपूर्ण संवाद, सम्मान और उत्सव के माध्यम से इस आयोजन ने रोटरी के उस मिशन को साकार किया जिसमें अवसरों का सृजन, संबंधों का निर्माण और समाज में सकारात्मक परिवर्तन को प्रेरित करने के साथ ही रोटेरियनों और गैर-रोटेरियन समुदाय समूहों को एक साथ लाना भी शामिल है। इस पहल ने रोटरी की सार्वजनिक छवि और सामुदायिक सहभागिता को उल्लेखनीय रूप से मजबूत किया और यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे सहयोगात्मक नेतृत्व और सेवा-उन्मुख दृष्टिकोण सार्थक सामाजिक प्रभाव पैदा करने के साथ ही समुदायों को एक साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकता है, यत्ति आगे कहती है।

इन सबसे बढ़कर, वह इस बात से खुश हैं कि स्थानीय मीडिया में भी व्यापक कवरेज पाने वाले इतने बड़े आयोजन के माध्यम से रोटरी में अधिक महिलाओं को शामिल करने के उनके क्लब के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा। ■

जहाँ दीवारें बन गईं प्रेरणा का स्रोत

टीम रोटरी न्यूज़

इस जून जब दो महीने की गर्मी की छुट्टियों के बाद विद्यालय खुला, तो चेन्नई के बाहरी इलाके स्थित वेंकटेश्वरा मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए एक सुखद आश्चर्य इंतज़ार कर रहा था। उनका परिचित परिसर अब रंग-बिरंगा, आकर्षक और जीवंत रूप ले चुका था। रोटरी क्लब चेन्नई सेलिब्रिटीज़, रो ई मंडल 3233 के अध्यक्ष आर वेंकटरामन ने कहा, दो महीने पहले का स्कूल और आज का स्कूल-दोनों में ज़मीन-आसमान का अंतर है।

क्लब ने अपनी *नम्मा स्कूल* परियोजना के माध्यम से विद्यालय को ऐसा प्रेरणादायक और बाल-अनुकूल शिक्षण वातावरण देने का संकल्प लिया, जहाँ बच्चे प्रतिदिन उत्साह के साथ विद्यालय आना चाहें।

गर्मी की छुट्टियों के दौरान परियोजना अध्यक्ष एस. अगस्टिन राज ने स्वयंसेवकों, कलाकारों और रोटेरियनों को साथ लाकर पूरे विद्यालय परिसर का कायाकल्प किया। मई में दो दिनों तक चले इस अभियान में साधारण और फीकी दीवारों को शैक्षणिक भित्तिचित्रों, रचनात्मक चित्रकारी और रंगीन डिज़ाइनों से सजाया गया, जिससे विद्यालय में ऊर्जा और कल्पनाशीलता का नया संचार हुआ।

नई कलाकृतियों ने विद्यालय परिसर को ऐसा जीवंत शिक्षण स्थल बना दिया, जहाँ बच्चे सीख सकें, खोज कर सकें और प्रेरित महसूस करें। राज ने कहा, रंग-बिरंगे चित्रों और आकर्षक विषय-वस्तु ने कक्षाओं को अधिक रोचक बना दिया और बच्चों में सीखने के प्रति उत्साह बढ़ाया।

जिला विशेष परियोजना अध्यक्ष रामकुमार, क्लब अध्यक्ष आर वेंकटरामन और अध्यक्ष-निर्वाचित पीटर भी स्वयंसेवकों के साथ इस परिवर्तनकारी अभियान में शामिल हुए।■

मंडल विशेष परियोजना अध्यक्ष रामकुमार, विद्यालय की दीवार पर भित्तिचित्र बनाते हुए।

चेन्नई ने नवनिर्वाचित रो ई निदेशकों को सम्मानित किया

जयश्री

ज़ोन 5 और 6 के रोटरी नेतृत्वकर्ताओं ने चेन्नई में एकत्र होकर रोई निदेशक पद के उम्मीदवारों नेपाल के बसु देव गोल्यान और भारत के गुरजीत सिंह सेखों को सम्मानित किया, जो 2027-29 के दौरान रोई मंडल में अपनी सेवाएँ देंगे। गोल्यान, जो ज़ोन 5 और 6 के लिए निदेशक के रूप में कार्य करेंगे, रोटरी क्लब बिराटनगर, रो ई मंडल 3292, नेपाल के सदस्य हैं और 2011-12 के दौरान मंडल गवर्नर थे; सेखों ज़ोन 4 और 7 के रो ई निदेशक होंगे; रोटरी कलब अमृतसर सिविल लाइंस, रो ई मंडल 3070, के सदस्य के रूप में उन्होंने 2014-15 में डीजी के रूप में कार्य किया था।

इस सम्मान को स्वीकार करते हुए, आरआईडीएन गोल्यान ने इस अभिनंदन को केवल एक व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि रोटरी की भावना का सम्मान बताया। हॉल में चारों ओर देखते हुए उन्होंने कहा, मुझे अलग-अलग मंडल, भाषाएँ या देश दिखाई नहीं देते; मुझे केवल एक परिवार दिखाई देता है - एक ऐसा परिवार जो करुणा से जुड़ा है और मूल्यों से एकजुट है। रोटरी ने हमें पदों से कहीं अधिक अनमोल चीज़ दी है। इसने हमें सीमाओं से परे दोस्ती; पदों से परे सम्मान और कल्पना से परे जीवन को छूने का अवसर दिया है।

अपने रोटरी सफर को याद करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने छोटे-छोटे सेवा कार्यों से शुरुआत की और वरिष्ठ नेताओं से सीखा। उन्होंने स्वच्छ जल परियोजनाओं, जीवन परिवर्तक सर्जरियों, स्वास्थ्य देखभाल पहलों और साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से रोटरी के परिवर्तनकारी प्रभाव को देखने के बारे में बात की। उन्होंने 2008 में नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और 2015 के भूकंप के दौरान दुनिया भर के रोटेरियनों द्वारा दिए गए सहयोग को भी याद किया।

बाएं से: पीडीजी जे बी कामदार, रो ई निदेशक के पी नागेश, पीआरआईडी पी टी प्रभाकर, आरआईडीएन गुरजीत सिंह सेखों, रो ई निदेशक एम मुरुगानंदम, पीआरआईडी सी भास्कर, आरआईडीएन बसु देव गोल्यान, टीआरएफ ट्रस्टी ए एस वेंकटेश और पीडीजी आर श्रीनिवासन, चेन्नई में आयोजित सम्मान समारोह में।

उन्होंने कहा, पद तो आते-जाते रहते हैं, लेकिन लाभार्थियों की आँखों में कृतज्ञता के आँसू हमेशा बने रहते हैं।

नेतृत्व विकास पर जोर देते हुए, उन्होंने उल्लेख किया कि रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को उनके अनुयायियों की संख्या से नहीं, बल्कि वे कितने नेता तैयार करते हैं इससे मापा जाता है। उन्होंने रोटेरियनों से क्लबों को मजबूत करने, युवाओं को संवारने, सदस्यता का विस्तार करने और टीआरएफ का समर्थन करने का आह्वान किया, जिसे उन्होंने रोटरी सेवा की धड़कन बताया। समापन करते हुए, उन्होंने कहा, रोटरी सिर्फ एक संगठन नहीं है; रोटरी भावना है, रोटरी रिश्ता है, रोटरी जीने का एक तरीका है।

आरआईडीएन सेखों ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और उन रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनकी यात्रा को आकार दिया। उन्होंने मंडल गवर्नर के रूप में उनका मार्गदर्शन करने के लिए पीआरआईडी पी टी प्रभाकर, सहायक रोटरी समन्वयक के रूप में उनका पहला बड़ा काम सौंपने के लिए पीआरआईडी सी भास्कर, और प्रशिक्षण के प्रति उनका जुनून जगाने के लिए न्यासी ए एस वेंकटेश को श्रेय दिया। रोई निदेशकों एम मुरुगानंदम और के पी नागेश को उनके निरंतर मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देते हुए, सेखों ने कहा कि वे रोटरी को अधिक मजबूत, अधिक फुर्तीला और रोटरी की दुनिया में एक बड़ी ताकत बनाने के लिए साथी नेतृत्वकर्ताओं के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

अपने संबोधन में, निदेशक मुरुगानंदम ने युद्धों, महामारियों और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद रोटरी की स्थायी ताकत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, रोटरी एक नेतृत्व का कारखाना है, और समझाया कि कैसे क्लबों और मंडलों में सालाना हजारों नेतृत्व के अवसर पैदा होते हैं। सदस्यता वृद्धि को एक प्रमुख प्राथमिकता के रूप में रेखांकित करते हुए, उन्होंने ज़ोन 4, 5, 6 और 7 से 2030 तक रोटरी के 1.25 मिलियन सदस्यों तक पहुँचने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने का आह्वान किया।

रोई निदेशक नागेश ने दोनों निदेशक पद के उम्मीदवारों को बधाई दी और उनकी नियुक्तियों को भारत और इस क्षेत्र में रोटरी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। गोल्यान की विनम्रता, जुनून और सेवा के प्रति समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ज़ोन 5 और 6 का नेतृत्व करना एक सम्मान और चुनौती दोनों होगा, क्योंकि इन ज़ोन के मानक बहुत ऊँचे हैं और रोटरी संस्कृति बेहद जीवंत है। उन्होंने विश्वास जताया कि गोल्यान भारत, नेपाल और श्रीलंका का विशिष्टता के साथ प्रतिनिधित्व करेंगे। सेखों के बारे में बात करते हुए, नागेश ने उनकी प्रतिबद्धता और नेतृत्व गुणों की सराहना की और कहा कि वे ज़ोन 4 और 7 का मार्गदर्शन करने के लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं। 2030 तक 1.25 मिलियन सदस्यों तक पहुँचने के रोटरी के लक्ष्य को दोहराते हुए, उन्होंने कहा कि भारत रोटरी का सबसे बड़ा देश बनने की ओर अग्रसर है और उन्होंने रोटरी के विकास और प्रभाव को मजबूत करने के लिए क्रमिक नेतृत्वकर्ताओं को श्रेय दिया।

रोटरी नेताओं का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं किया जाता कि उनके कितने अनुयायी हैं, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि उन्होंने कितने नए नेताओं को तैयार किया है।

DGN बसु देव गोल्यान

पीआरआईडी भास्कर और वेंकटेश की ओर से बधाई देते हुए, पीआरआईडी पी टी प्रभाकर ने दोनों उम्मीदवारों की सुखद व्यक्तिगत यादें साझा कीं। गोल्यान को एक अद्भुत और बेहतरीन इंसान बताते हुए उन्होंने रोटरी कार्यक्रमों और अंतर्राष्ट्रीय यात्राओं के दौरान उनके अमूल्य सहयोग को याद किया। सेखों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, वह 2014-15 के सर्वश्रेष्ठ मंडल गवर्नरों में से एक थे, और कहा कि निदेशक पद के उम्मीदवार के रूप में उनका उभरना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

कार्यक्रम के संयोजक पीडीजी जे बी कामदार ने दोनों उम्मीदवारों को बधाई दी, और कार्यक्रम में मौजूद डीजीई और डीजीएन से गहरे प्रभाव, सार्थक जुड़ाव और विश्वसनीयता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि सच्चा रोटरी नेतृत्व उपस्थित रहने, अपनी आवाज़ सुनाने और दूसरों को सेवा के लिए सशक्त बनाने के बारे में है। आइए हम ऐसे मंडलों का निर्माण करें जहाँ प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग का महत्व हो, जहाँ समावेश जानबूझकर किया गया हो और हर परियोजना उन लोगों के लिए गरिमा लेकर आए जो परवाह करते हो। पीडीजी आर श्रीनिवासन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

रो ई मंडल 3233 और 3234 द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में ज़ोन 5 और 6 के पूर्व, वर्तमान और आगामी गवर्नर एक साथ आए।■

तमिलनाडु के 10 प्रतिशत विधायक हैं रोटेरियन

टीम रोटरी न्यूज़

तमिलनाडु की 2026 विधानसभा ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। 234 निर्वाचित विधायकों (एमएलए) में से 23 विधायक रोटेरियन हैं, जो सदन का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। इनमें से पाँच को राज्य मंत्रिमंडल में भी स्थान मिला है।

हाल ही में तिरुचिरापल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में रो ई निदेशक एम मुरुगानंदम ने इन रोटेरियन विधायकों और मंत्रियों का सम्मान किया। मंत्रियों और विधायकों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, जब आपके विचार, शब्द और कर्म एक ही सीधी रेखा में चलते हैं, तो आप चमत्कार कर सकते हैं। हम सभी, चाहे हम कोई भी हों, यदि रोटरी की फोर-वे टेस्ट का पालन करें, तो हमारे कार्य अंततः सकारात्मक परिणाम देंगे।

नेतृत्व के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हम सभी ने शीर्ष पर एक अच्छे नेता की कामना की होगी - एक अच्छा विधायक, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री। 'अच्छा' शब्द किसी भी नेतृत्वकारी भूमिका निभाने वाले व्यक्ति के केंद्र में होना चाहिए, विशेषकर तब जब वह जनता का प्रतिनिधि हो।

रो ई मंडल 3206 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर चेल्ला राघवेंद्रन ने कहा कि यद्यपि रोटेरियन नेता विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े हैं, फिर भी

रो ई निदेशक एम मुरुगानंदम, पोल्लाची के विधायक के नित्यानंदन को सम्मानित करते हुए। साथ में रो ई मंडल 3203 के पीडीजी एस शन्मुगसुंदरम, रो ई मंडल 2982 के पीडीजी पी सरवनन तथा AKS सदस्य विधायक लीमा रोज़ भी उपस्थित हैं।

रो ई निदेशक एम मुरुगानंदम और रो ई मंडल 3206 के डीजी चेल्ला राघवेंद्रन, विधायक एस कनिमोळी को सम्मानित करते हुए। साथ में (बाएं से) रो ई मंडल 3000 के डीजी जे लियोन और पोलाची के विधायक के नित्यानंदन भी उपस्थित हैं।

उनका साझा उद्देश्य राष्ट्रहित में अच्छा कार्य करना है।

राज्य की उद्योग मंत्री और शिवकाशी की विधायक एस. कीर्तन ने कहा, हम अपने कार्यों के माध्यम से रोटरी को गौरवान्वित करेंगे। रोटरी ने हमें जो सिखाया है, उसका पालन करेंगे और अपने काम से सिद्ध करेंगे कि हम सच्चे रोटेरियन हैं।

पर्यावरण मंत्री डॉ वी के राजीव, जो अन्नामलाई विश्वविद्यालय के रोटरेक्ट क्लब के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं, ने अपनी रोटरेक्ट यात्रा को याद करते हुए कहा, रोटरेक्ट के दिनों में जिस परिवर्तन के लिए हम प्रयासरत थे, उसे मैं अब समाज के व्यापक हित में बड़े स्तर पर आगे बढ़ाना चाहता हूँ। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि राज्य को बेहतर बनाने के लिए मेरा सहयोग करें और मेरे साथ जुड़ें।

पोलाची के विधायक के नित्यानंदन ने रोटेरियनों से अपेक्षाओं की बजाय योगदान पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हमें यह सोचना चाहिए कि हम अपने संगठन के लिए क्या कर सकते हैं, न कि संगठन हमारे लिए क्या कर सकता है। हम सभी रोटेरियन हैं और हमारे हाथ हमेशा सेवा और उदारतापूर्वक देने वाले हाथ होने चाहिए।

कोयंबटूर के कवुंडमपालयम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली एस कनिमोळी ने भी यही भावना व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सबसे पहले रोटेरियन होने पर गर्व है और उनकी सफलता में उनकी रोटरी यात्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

हम रोटरी के सिखाए आदर्शों का पालन करेंगे और अपने कार्यों के माध्यम से यह सिद्ध करेंगे कि हम सच्चे रोटेरियन हैं।

एस कीर्तना
तमिलनाडु के उद्योग मंत्री

चेन्नई के अन्ना नगर से विधायक वी. के. रामकुमार ने कहा, रोटरी का आदर्श वाक्य 'स्वयं से ऊपर सेवा' *(Service Above Self)* ही वह मार्गदर्शक सिद्धांत है जिसने मुझे आज तक समर्पण के साथ सही रास्ते पर बनाए रखा है।

मदुरै पूर्व के विधायक एस कार्तिकेयन ने रोटरी के साथ आजीवन संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम न्यूनतम पाँच वर्षों के लिए विधायक हो सकते हैं, लेकिन हम जीवनभर के लिए रोटेरियन हैं।

मदुरै दक्षिण का प्रतिनिधित्व करने वाले एम एम गोपिसन ने कहा कि रोटरी ने उन्हें सेवा के प्रति केंद्रित रहना सिखाया है। उन्होंने कहा, रोटरी ने मुझे यह समझाया कि कोई व्यक्ति अपने पेशे या व्यवसाय को आगे बढ़ाते हुए भी समाज के परिवर्तन में योगदान दे सकता है।

इस कार्यक्रम में तमिलनाडु के विभिन्न रोटरी जिलों के वरिष्ठ रोटरी नेताओं ने भाग लिया।■

otary
I want to
ENDPOLIO
#PeopleofAction
Full HD
Rotary
43" 109 cm

Rotary PEOPLE OF ACTION

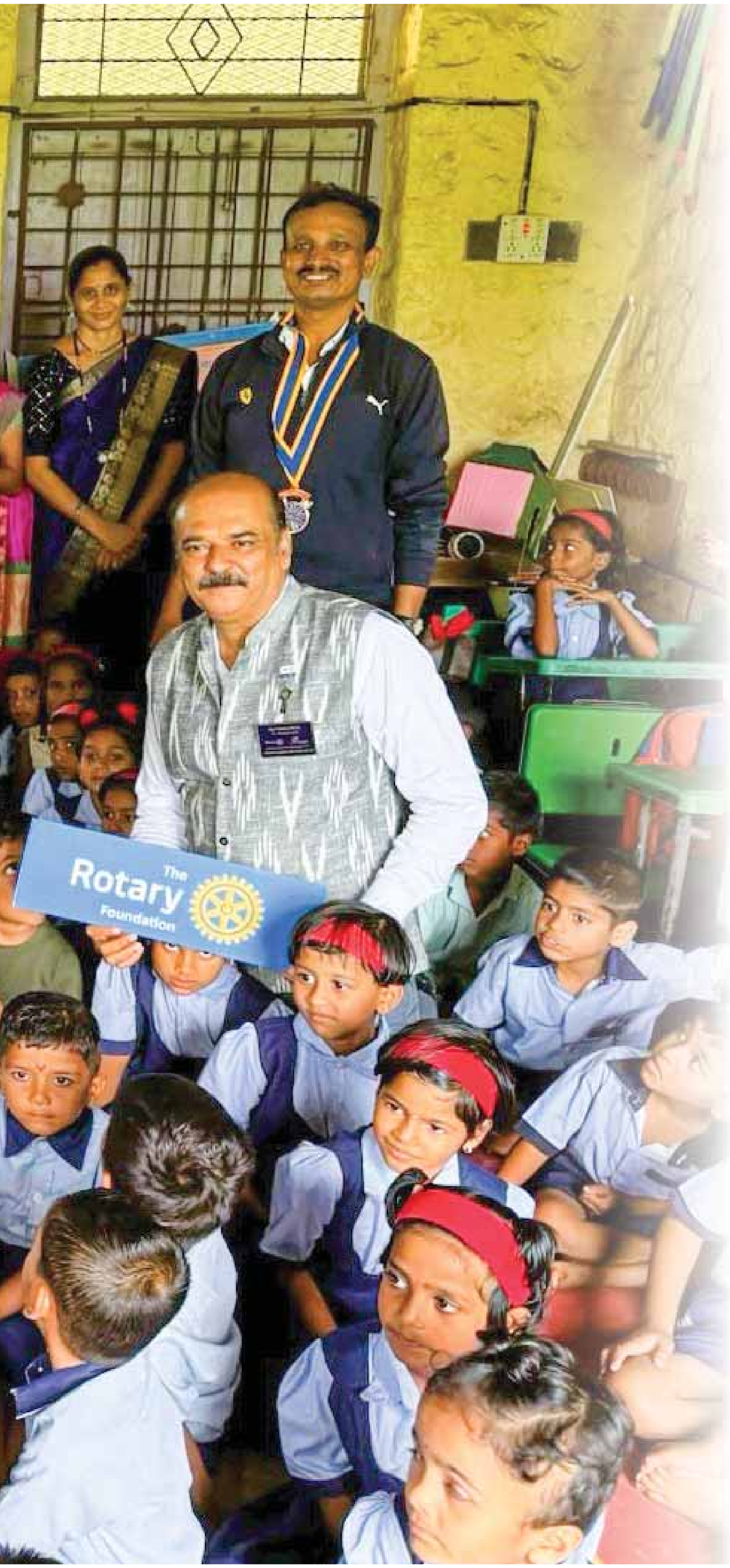

डिजिटल ई-लर्निंग के माध्यम से ग्रामीण शिक्षा में बदलाव

रशीदा भगत

साझेदारी की ताकत का लाभ उठाते हुए, रोटरी क्लब पुणे फार ईस्ट, रो ई मंडल 3131, के नेतृत्व में *सक्षम* नामक एक रोटरी शिक्षा पहल, एक अत्यधिक सफल सीएसआर-संचालित शैक्षिक पहल के रूप में उभरी है, जिसने लगभग 1,000 स्कूलों तक ई-लर्निंग पहुंचाई है। इसने महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों और उत्तर-पूर्व भारत के मिजोरम के दूरस्थ शहर आइज़ॉल तक फैले स्कूलों में पढ़ने वाले 2.4 लाख से अधिक छात्रों, जो गरीब परिवारों से आते हैं, के सीखने के तरीके पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

परियोजना की शुरुआत के बारे में बताते हुए, क्लब के पूर्व अध्यक्ष और परियोजना समन्वयक पंकज पटेल कहते हैं कि कोविड के समय, जब स्कूल बंद हो गए थे और छात्र समय बर्बाद कर रहे थे, तब क्लब के रोटेरियनों को दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों को ई-लर्निंग डिजिटल सिस्टम देने का विचार आया। शुरुआत से ही हमने इसे टीआरएफ-सीएसआर परियोजना बनाया और सुत्तती एंटरप्राइजेज और सह्याद्री इंडस्ट्रीज़ के रूप में दो प्रमुख सीएसआर साझेदारों की खोज की।

कोविड के बाद भी यह परियोजना जारी रही और इसके तहत स्कूलों को ई-लर्निंग सुविधाओं से लैस किया गया, जिसमें प्रत्येक सिस्टम की लागत लगभग ₹50,000 थी। हमारा उद्देश्य तकनीक को कक्षा शिक्षण के साथ जोड़ना था, ताकि वंचित बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक अवसर तैयार किए जा सकें और ग्रामीण समुदायों में

शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को मजबूत किया जा सके, वे कहते हैं।

इस दिशा में, और इसे संपूर्ण फाउंडेशन-सीएसआर परियोजना बनाने के उद्देश्य से, हमने इंदुपुर, अलीबाग, कोल्हापुर आदि जैसे दूरदराज/ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे क्लबों से संपर्क करना और उन्हें शामिल करना शुरू किया, जो अपने दम पर ऐसी परियोजनाओं को पूरा नहीं कर सकते थे। इन क्लब सदस्यों को समझाया गया कि यदि सदस्य जन्मदिन, वर्षगांठ आदि पर छोटी-छोटी राशि दान करते हैं, और यदि ₹15,000 भी एकत्र हो जाते हैं, तो इस परियोजना में साझेदार बनकर वे अपनी पसंद के किसी भी स्कूल को लगभग ₹50,000 की डिजिटल लर्निंग किट दे सकते हैं।

जल्द ही इस प्रमुख परियोजना ने गति पकड़ ली, जिसमें पाठ्यक्रम-आधारित ऑडियो-विजुअल सामग्री, संवादात्मक शिक्षण टूल, शिक्षक प्रशिक्षण, और एक आकर्षक और प्रभावी सीखने का माहौल बनाने के लिए निरंतर तकनीकी सहायता से सुसज्जित डिजिटल ई-लर्निंग कक्षाओं का प्रावधान शामिल था।

पटेल कहते हैं, इन वर्षों में, यह परियोजना सफलतापूर्वक महाराष्ट्र और अन्य क्षेत्रों के हजारों

ऊपर: मिज़ोरम के एक विद्यालय को प्रदान की गई डिजिटल ई-लर्निंग किट।
बाएं: पटेल, विद्यालय में स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराने के बाद विद्यार्थियों और स्टाफ के साथ।

डिजिटल कक्षाएं विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, अंग्रेज़ी तथा अन्य विषयों की जटिल अवधारणाओं को एनिमेशन, सिमुलेशन, वीडियो और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से समझने में सहायता करती हैं।

छात्रों तक पहुँची है, जिससे डिजिटल विभाजन को पाटने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करने में मदद मिली है। डिजिटल कक्षाओं की स्थापना के माध्यम से, छात्र एनिमेशन, सिमुलेशन, वीडियो और संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से गणित, विज्ञान, अंग्रेजी और अन्य विषयों में जटिल अवधारणाओं को सीखने में सक्षम हो रहे हैं, जिससे सीखना अधिक सुखद और प्रभावशाली बन गया है।

इस परियोजना के मुख्य कॉर्पोरेट भागीदारों में से एक सह्याद्री इंडस्ट्रीज है, जिसने पिछले पांच वर्षों (2020-2025) में 513 स्कूलों में 627 डिजिटल ई-लर्निंग प्रतिष्ठानों का समर्थन किया है, जिससे हर साल 1.3 लाख छात्र लाभान्वित हो रहे है।

इस विशाल प्रयास में, 160 रोटरी क्लब शामिल रहे हैं।

एक अन्य सीएसआर साझेदार, सुत्तती एंटरप्राइजेज ने पहले 100,000 डॉलर और फिर दो बार 26,000 डॉलर का सीएसआर अनुदान दिया। पटेल कहते हैं कि परियोजना की कोर टीम भारत के उन क्षेत्रों तक पहुँचना चाहती थी जो अभी तक रोटरी द्वारा व्यापक रूप से कवर नहीं किए गए हैं। हमारे दिमाग में कश्मीर था, लेकिन फिर हमारे सीएसआर साझेदार सुत्तती एंटरप्राइजेज ने कहा कि चूंकि भारत के पूर्वोत्तर हिस्सों के स्कूल भी उपेक्षित रहते हैं और वे हमें उस क्षेत्र में कुछ करते देखना पसंद करेंगे, इसलिए हमने डिजिटल कक्षाएं देने के लिए आइजोल क्षेत्र के स्कूलों को चुना।

इस प्रकार मिजोरम के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में ई-लर्निंग सिस्टम स्थापित किए गए, और आइजोल

में परियोजना के उद्घाटन पर, मिजोरम के स्कूली शिक्षा मंत्री वनलालथलाना ने कहा कि उन्हें इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर खुशी है जहाँ रोटरी उनके राज्य के स्कूलों को स्मार्ट टीवी दे रहा था, जो छात्रों का जीवन बदल सकते हैं। कई बार एक औसत छात्र और एक असाधारण छात्र के बीच का अंतर बुद्धिमत्ता का नहीं होता है। यह दिशा, पहुँच और इस बात पर निर्भर करता है कि बच्चे को सही समय पर सही सीखने का माहौल मिलता है या नहीं। तेजी से आगे बढ़ती इस दुनिया में, हम प्रौद्योगिकी में पीछे नहीं रह सकते। मिजोरम के एक छोटे से स्कूल में पढ़ने वाला छात्र भी उसी गुणवत्ता वाली शिक्षा का हकदार है जो नई दिल्ली, बैंगलोर, पुणे या यहां तक कि न्यूयॉर्क में पढ़ने वाला छात्र प्राप्त करता है।

प्रौद्योगिकी इस अंतर को कम करने में मदद कर सकती है। इसलिए यह पहल बहुत महत्वपूर्ण थी। उन्होंने खुलासा किया कि वह रोटरेक्ट क्लब ऑफ आइज़ोल के पहले अध्यक्ष थे, और रोटरी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम से लौटने के बाद, उन रोटेरियनों के अनुरोध पर इसे स्थापित किया था जिन्होंने उन्हें आरवायई कार्यक्रम के लिए चुना था। तब वह 18 वर्ष के भी नहीं थे, लेकिन उन्होंने क्लब शुरू किया जिसने एक संगीत समारोह का आयोजन किया। वह वर्ष 1996 था, और तीन महीने के भीतर क्लब ने ₹1.5 लाख जुटा लिए थे। दुर्भाग्य से, उन्होंने अपना कॉलेज बदल लिया और क्लब छोड़ दिया, लेकिन फिर भी उन्हें इसकी बैठकों के लिए आमंत्रित किया जाता था। उन्होंने बताया कि आज, उस रोटरेक्ट क्लब के कई सदस्य सफल अधिकारी और व्यवसायी बन गए हैं।

एक विद्यालय में रोटेरियनों के स्वागत के लिए नृत्य प्रस्तुति की तैयारी करते विद्यार्थी।

क्षेत्र के 10 स्कूलों में ई-कक्षाओं को प्रायोजित करने के लिए रोटरी क्लब पुणे फार ईस्ट और सुत्तती एंटरप्राइजेज को धन्यवाद देते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार अकेले शिक्षा में बदलाव नहीं ला सकती। हमारे छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए समुदाय, संगठनों और कॉर्पोरेट्स को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। आज की दुनिया उस दुनिया से बहुत अलग है जिसमें वे सब पले-बढ़े थे। उन दिनों, हमारी कक्षाओं में टीवी नहीं होते थे। कक्षा अब केवल चार दीवारों तक सीमित नहीं है; सूचना हर जगह है और प्रतिस्पर्धा वैश्विक है। भविष्य उनका नहीं होगा जो तथ्यों को याद करते हैं, बल्कि उनका होगा जो सोच सकते हैं, ढल सकते हैं, संवाद कर सकते हैं, निर्माण कर सकते हैं और पाठ्यपुस्तकों से परे देख सकते हैं।

वर्तमान समय में जिस तरह से प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है, वह बहुत अलग है। वनलालथलाना ने कहा कि वह खुद इंस्टाग्राम पर हैं, नियमित रूप से इसकी निगरानी करते हैं और दिलचस्प वीडियो डाउनलोड करते हैं जिन्हें वे अक्सर उन बैठकों में युवाओं को दिखाते हैं जिन्हें वे संबोधित करते हैं। आज शिक्षकों के सामने यह चुनौती है कि वे अपने छात्रों को व्यस्त रखने के लिए प्रौद्योगिकी का पर्याप्त उपयोग करें। आज शिक्षकों के पास एक अतिरिक्त शक्ति है, वह है प्रौद्योगिकी की शक्ति, जिसका उपयोग उन्हें अपने लाभ के लिए करना सीखना होगा। उन्होंने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि प्रौद्योगिकी कभी भी उनकी जगह नहीं लेगी, बल्कि उन्हें एआई का अधिकतम उपयोग करते हुए इससे लाभ उठाना चाहिए।

पटेल ने कहा कि क्लब के सदस्य अपने सीएसआर साझेदार की इच्छा पर पूर्वोत्तर के स्कूलों में ई-लर्निंग सेट स्थापित करके बहुत खुश थे। यह देखकर बहुत खुशी हुई कि इन ई-लर्निंग किट ने आदिवासी बच्चों के जीवन में कितनी खुशी ला दी है। एक छोटी बच्ची, जिसका पैर कटा हुआ था, उसे टीवी सेट पर पढ़ाई का अनुभव करने के बाद खुशी से नाचते हुए देखकर हम वास्तव में बहुत खुश हुए।

अब उनकी डोनर कंपनी हमें और अधिक सीएसआर फंड देने पर सहमत हो गई है; सुत्तती एंटरप्राइजेज ने पिछले पांच वर्षों में 484 स्कूलों में 650 डिजिटल प्रतिष्ठानों का पहले ही समर्थन किया है, जिससे 1.11 लाख से अधिक छात्रों को लाभ हुआ है। यहां भी इस परियोजना को लागू करने में 164 रोटरी क्लब शामिल थे।

पटेल ने आगे कहा कि *सक्षम* का संयुक्त प्रभाव 997 स्कूलों में 1,277 डिजिटल शिक्षण प्रणाली की स्थापना रहा है, जो 2.41 लाख से अधिक छात्रों तक ई-लर्निंग पहुँचा रहा है।

विद्यालय में विद्यार्थी गीत प्रस्तुत कर रोटेरियनों का स्वागत करते हुए।

उन्होंने आगे कहा कि इस शिक्षा कार्यक्रम ने एनिमेटेड और संवादात्मक सामग्री के माध्यम से छात्रों की समझ को बढ़ाया है, उपस्थिति, भागीदारी और सीखने के परिणामों में सुधार किया है, और ग्रामीण व सरकारी स्कूलों में उपयोग के लिए तैयार डिजिटल शिक्षण संसाधनों के साथ प्रौद्योगिकी को अपनाने में शिक्षकों की मदद की है। इस पहल के माध्यम से, हम धीरे-धीरे शहरी और ग्रामीण छात्रों के बीच शैक्षिक असमानताओं को कम करने और एक स्थायी डिजिटल शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की उम्मीद करते हैं।

मिजोरम के मंत्री के अंतिम शब्दों के साथ, जिन्होंने मिजोरम में अपनी पहल के लिए रोटरी को धन्यवाद देते हुए कहा: आज से वर्षों बाद, इस कार्यक्रम का कोई 15 वर्षीय बच्चा वैज्ञानिक, उद्यमी, शिक्षक, कलाकार या नेता बन सकता है। आपको शायद कभी इस बात का पूरी तरह से अहसास न हो कि आप इस पहल के माध्यम से कितने लोगों के जीवन को छू रहे हैं। जो सीख, अनुभव और मदद आपने उन्हें दी है, वह यह तय करेगी कि वे आगे कहाँ जाएँगे।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

कोलकाता के अस्पताल में डायलिसिस केंद्र स्थापित

टीम रोटरी न्यूज़

डायलिसिस केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर पीडीजी अंग्सुमन बंद्योपाध्याय (बाएं) और सुदीप मुखर्जी (बाएं से तीसरे)।

रोटरी क्लब आरोही कलकत्ता, रो ई मंडल 3291 ने कोलकाता के बेलियाघाटा स्थित IDBG हॉस्पिटल में पाँच मशीनों वाला एक डायलिसिस केंद्र स्थापित किया है। यह परियोजना एक ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से पूरी की गई, जिसमें इसके अंतरराष्ट्रीय साझेदार रोटरी क्लब वेक फारेस्ट (अमेरिका) ने मंडल नामित निधि (DDF) से 15,000 डॉलर का योगदान दिया।

तत्कालीन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर हीरालाल यादव ने इस परियोजना के लिए 7,000 डॉलर की मंडल निधि स्वीकृत की, जबकि शेष राशि क्लब के सदस्यों के योगदान से जुटाई गई।

अमेरिकी क्लब की फाउंडेशन समिति के अध्यक्ष सुबीर मुखर्जी ने रोटरी क्लब आरोही कलकत्ता के रोटेरियनों के साथ मिलकर इस परियोजना का समन्वय किया। क्लब ने पश्चिम बंगाल सरकार के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत सहयोग किया और सेवा प्रदाता के रूप में स्टर्लिंग हॉस्पिटल का चयन करने के बाद लाभार्थी अस्पताल की पहचान की।

डायलिसिस मशीनें स्टर्लिंग हॉस्पिटल के सहयोग से स्थापित की गईं और मई 2025 में उनका परीक्षण संचालन किया गया। वर्ष 2020-21 में क्लब की स्थापना करने वाले डिस्ट्रिक्ट रोटरी फाउंडेशन चेयर (DRFC) सुदीप मुखर्जी ने अस्पताल परिसर में इस नए डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन किया।

स्थापना के बाद केंद्र ने प्रति माह 700 से 800 डायलिसिस सत्रों के साथ 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन सेवाएँ शुरू कीं। अनुमान है कि इस सुविधा से 2,400 से 3,000 गुर्दा रोगियों को लाभ मिलेगा। ■

नमस्ते, बार्सिलोना!

रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन जून में बार्सिलोना में होने जा रहा है। जो सदस्य इस समुद्र किनारे बसे शहर में घूम चुके हैं या यहीं रहते हैं, वे अपनी खुशी छिपा नहीं पा रहे हैं।

वे चाहते हैं कि दूसरे रोटरी सदस्य (हाँ, आप भी!) इस शहर की ऊर्जा, संस्कृति और प्रसिद्ध स्थलों का अनुभव करें। प्रसिद्ध स्थलों की बात करें तो 26-30 जून को होने वाला यह कन्वेंशन बार्सिलोना के सबसे प्रसिद्ध आकर्षण, सग्रादा फ़मिलिया, को देखने का बेहतरीन अवसर है। 140 से अधिक वर्षों से निर्माणाधीन इस शानदार कृति, जिसे अंतोनी गौडी ने डिज़ाइन किया था, ने इस वर्ष एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की जब इसका अंतिम और सबसे ऊँचा टॉवर पूरा हुआ।

कुछ सदस्य कह रहे हैं कि वे अपने पहले कन्वेंशन में शामिल होने के लिए उत्साहित हैं, जबकि कुछ फिर से इसमें भाग लेने के लिए लौट रहे हैं। इस आयोजन की तुलना अक्सर संयुक्त राष्ट्र से की जाती है, क्योंकि इसमें आमतौर पर 150 या उससे अधिक देशों के सदस्य शामिल होते हैं।

अन्य सदस्य 2002 में बार्सिलोना में हुए पिछले कन्वेंशन की यादें ताज़ा करने के लिए उत्साहित हैं। वहीं, यूरोप के सदस्य भी बड़ी संख्या में आने की उम्मीद है, क्योंकि 2019 के बाद यह यूरोप में होने वाला पहला कन्वेंशन है। स्पेन के रोटेरियन और रोटरेक्टर आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। यह शहर अपनी गर्मजोशी, शानदार वास्तुकला, स्वादिष्ट भोजन और खूबसूरत भूमध्यसागरीय समुद्र तटों के लिए प्रसिद्ध है।

प्लासा द'एस्प्यान्या में घूमिए, जहाँ कई प्रमुख मार्ग एक विशाल चौक पर मिलते हैं। यहाँ संग्रहालय, सार्वजनिक कला, रेस्तरां, बुलफाइटिंग एरीना और प्रसिद्ध मैजिक फाउंटेन लाइट शो देखने को मिलता है।

साथ ही, पार्क गुएल के टिकट पहले से बुक कर लें। यहाँ सुंदर बगीचे, बच्चों के खेलने की जगहें और गौडी की अनोखी वास्तुकला देखने को मिलती है।

कन्वेंशन में कौन-से वक्ता, कलाकार, भ्रमण कार्यक्रम, सीखने के विषय और प्रेरणादायक सत्र होंगे? आयोजक एक शानदार कार्यक्रम तैयार करने में जुटे हुए हैं। पिछले महीने के कन्वेंशन में मलाला यूसुफ़ज़ई ने संबोधन दिया था। इस बार भी रोटरी की परंपराओं, विश्वस्तरीय अनुभवों और आरामदायक यात्रा के अवसरों का बेहतरीन मेल देखने को मिलेगा।

पंजीकरण सितंबर में शुरू होगा। अधिक जानकारी के लिए *convention.rotary.org* पर जाएँ।

एक ग्रामीण विद्यालय और रोटरी की साझेदारी लोगों की ज़िंदगी बदल रही है

किरण ज़ेहरा

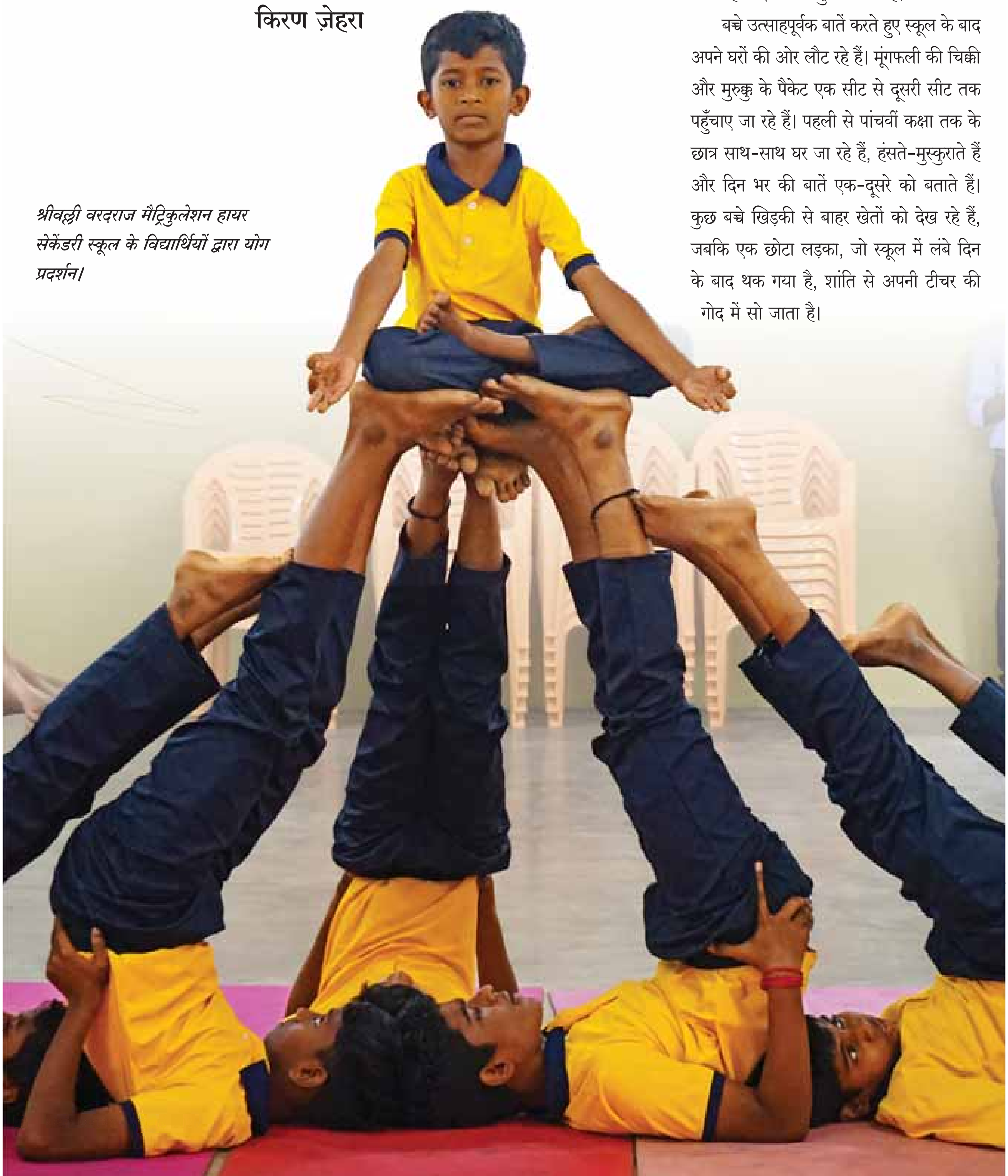

श्रीवल्ली वरदराज मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा योग प्रदर्शन।

तमिलनाडु के तेनी मंडल के ग्रामीण इलाकों से होकर गुजरने वाली तंग और ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर स्कूल बस धीरे-धीरे डगमगाती हुई आगे बढ़ती है। बाहर, धान के हरे-भरे खेत दूर क्षितिज तक फैले हुए हैं। हाल की बारिश के कारण जगह-जगह कीचड़ और गड्ढे बन गए हैं, जबकि सड़क के किनारे कांटेदार झाड़ियाँ उगी हुई हैं। बस के अंदर का माहौल इससे बिल्कुल अलग है।

बच्चे उत्साहपूर्वक बातें करते हुए स्कूल के बाद अपने घरों की ओर लौट रहे हैं। मूंगफली की चिक्की और मुरुक्कु के पैकेट एक सीट से दूसरी सीट तक पहुँचाए जा रहे हैं। पहली से पांचवीं कक्षा तक के छात्र साथ-साथ घर जा रहे हैं, हंसते-मुस्कुराते हैं और दिन भर की बातें एक-दूसरे को बताते हैं। कुछ बच्चे खिड़की से बाहर खेतों को देख रहे हैं, जबकि एक छोटा लड़का, जो स्कूल में लंबे दिन के बाद थक गया है, शांति से अपनी टीचर की गोद में सो जाता है।

कुछ ही वर्ष पहले, इनमें से कई बच्चों को स्कूल पहुँचने के लिए पाँच किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता था। कुछ बच्चे तो आठ या यहाँ तक कि दस किलोमीटर की दूरी तय करते थे, वह भी उन्हीं कठिन और ऊबड़-खाबड़ रास्तों से होकर, जिन पर आज यह बस उन्हें आसानी से ले जा रही है।

नई बसें तेनी में आंडिपट्टी के पास स्थित श्रीवल्ली वरदराज मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों को उनके घर पहुँचा रही हैं। भले ही ये पीली गाड़ियाँ स्कूल कैंपस में एक साधारण चीज़ लगें, लेकिन ये उससे कहीं ज़्यादा बड़ी चीज़ को दर्शाती हैं... शिक्षा तक पहुँच स्कूल के प्रिंसिपल वी राजेंद्र प्रसाद कहते हैं। ग्रामीण इलाकों में बड़े होने वाले बच्चों के लिए, दूरी और परिस्थितियों की वजह से अक्सर मौके सीमित होते हैं। ये बसें उस अंतर को कम करने में मदद करती हैं।

तमिलनाडु में वैगई बांध के पास एक गाँव में, शोर-शराबे और प्रदूषण से दूर, गन्ने के खेतों और नारियल के बागों से घिरी शांत जगह पर 'श्रीवल्ली वरदराज मैट्रिकुलेशन स्कूल' स्थित है। वरदराज नगर नामक यह टाउनशिप, कोयंबटूर के उद्योगपति, शिक्षाविद तथा रो ई मंडल 3201 के पीडीजी, पीएसजी परिवार के जी. वरदराज के नाम पर रखा गया है। जीवी (जैसा कि उन्हें प्यार से बुलाया जाता था) राज्यसभा के सदस्य भी रहे थे।

प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थी विद्यालय की छुट्टी के बाद घर लौटते हुए।

शुरुआत

जब जीवी ने अपने करीबी दोस्त और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम जी रामचंद्रन (एमजीआर) से कोयंबटूर में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की अनुमति देने का अनुरोध किया, तब एम जी आर ने उन्हें सलाह दी कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र आंडीपट्टी, जो गन्ना उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था, के निकट एक चीनी मिल स्थापित करें। इसी सुझाव के परिणामस्वरूप 'राजश्री शुगर्स एंड केमिकल्स' की स्थापना हुई, जो एक ऐसी बंजर स्थापित किया गया था, जहाँ रोजगार के अवसर बहुत सीमित थे। आज यह कारखाना प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हज़ारों ग्रामीणों और गन्ना किसानों की आजीविका का आधार बना हुआ है। जीवी की बेटी राजश्री पाथी इसकी प्रबंध निदेशक हैं और रोटरी क्लब कोयंबटूर टेक्ससिटी, रो ई मंडल 3206 की चार्टर अध्यक्ष भी हैं।

विद्यालय में आसपास के गांवों से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं, जहां अधिकांश अभिभावक खेतों, बुनाई इकाइयों और लघु उद्योगों में कार्य करते हैं।

उस क्षेत्र में काफ़ी आर्थिक विकास लाने के बाद, जीवी वहाँ के बच्चों के लिए एक विद्यालय स्थापित करना चाहते थे, लेकिन उनका यह सपना साकार होने से पहले ही उनका निधन हो गया। राजश्री ने 2007 में कारखाने के पास 18 एकड़ भूमि पर विद्यालय का निर्माण कराकर अपने पिता के इस सपने को साकार किया।

वर्तमान

यह विद्यालय आसपास के गाँवों के छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है, जहाँ अधिकांश अभिभावक खेतों, बुनाई इकाइयों और लघु उद्योगों में काम करते हैं। प्रसाद मुस्कुराते हुए कहते हैं, हमारे विद्यार्थियों के अभिभावकों में सबसे संपन्न व्यक्ति एक बस कंडक्टर है।

ज़्यादातर छात्र अपने परिवार में पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं। माता-पिता उन्हें स्कूल का अनुभव दिलाना चाहते हैं ताकि उनका भविष्य बेहतर बन सके। हम उन्हें अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि किसी भी बच्चे की शिक्षा केवल इसलिए बाधित न हो क्योंकि उसका परिवार फीस वहन करने में सक्षम नहीं है।

रोटरी से संबंध

राजश्री ने अपने पिता के विश्वसनीय मित्र, पीडीजी एस कृष्णस्वामी को संस्थान का मार्गदर्शक और सलाहकार नियुक्त किया; और वे तब से पूरी निष्ठा के साथ यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इतने वर्षों के दौरान, उन्होंने साथी रोटेरियन और मित्रों से विद्यालय के लिए सहयोग जुटाया है। वे बच्चों की मुश्किलों के बारे में कम ही बात करते हैं। इसके बजाय, उनकी प्रतिभा, क्षमता और सफलता प्राप्त करने के दृढ़ संकल्प का उल्लेख करते हैं। रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3234 के सदस्य कृष्णस्वामी कहते हैं, जब मैं अपने मित्रों और साथी रोटेरियन से मिलता हूँ, तो उन्हें हमारे विद्यार्थियों के बारे में बताता हूँ और यह भी कि वे कितने प्रतिभाशाली हैं। मैं उन्हें विद्यालय आने और

खुद देखने के लिए आमंत्रित करता हूँ। बहुत से लोग आते भी हैं।

प्रसाद कहते हैं, जो यात्रा एक साधारण-सी मुलाकात के रूप में शुरू होती है, वह अक्सर एक स्थायी रिश्ते में बदल जाती है। आगंतुक हमारे आत्मविश्वास से भरे विद्यार्थियों, समर्पित शिक्षकों और उन परिवारों से मिलते हैं, जो सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा को अत्यधिक महत्व देते हैं। वे यहाँ से दया की भावना लेकर नहीं, बल्कि इस विश्वास के साथ लौटते हैं कि इन बच्चों को भी वही अवसर मिलने चाहिए, जो किसी अन्य बच्चे को प्राप्त होते हैं। समय के साथ, ऐसी मुलाकातों ने रोटरी साझेदारियों और साझेदारों का एक सशक्त नेटवर्क तैयार किया है। इसके माध्यम से विद्यालय को छात्रों के लिए परिवहन, बुनियादी ढांचे के विकास, प्रौद्योगिकी, शिक्षक प्रशिक्षण तथा बेहतर अवसरों तक पहुँच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता मिली है।

59,388 डॉलर की ग्लोबल ग्रांट के तहत, रोटरी क्लब कोयंबटूर, रो ई मंडल 3206 ने रोटरी क्लब विन्नम एंड मैनली रो ई मंडल 9260, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से विद्यालय बसें और कक्षाओं के लिए फर्नीचर उपलब्ध कराया।

रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में विद्यार्थी।

विद्यालय की रसोई बगीचे की फसल।

पीडीजी एस कृष्णास्वामी विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए।

वॉलीबॉल कोर्ट में खेल का आनंद लेते विद्यार्थी।

71,500 डॉलर मूल्य की एक अन्य जीजी परियोजना के माध्यम से रोटरी क्लब मद्रास कोरोमंडल, रो ई मंडल 3234 और रोटरी क्लब कैटाराक्वी-किंग्स्टन, रो ई मंडल 7040, कनाडा मिलकर कार्य किया। इस परियोजना के माध्यम से विद्यालय को दो अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई गईं, साथ ही शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए भी सहयोग प्रदान किया गया।

पिछले कुछ वर्षों में, रोटरी क्लबों, रोटेरियन सदस्यों और शुभचिंतकों ने विद्यालय को लगभग ₹20 लाख मूल्य के कंप्यूटर तथा लगभग ₹3 लाख के आरओ पेयजल प्रणालियाँ उपलब्ध कराने में मदद की है। साथ ही, उन्होंने विद्यालय की बाउंड्री वॉल के निर्माण और छात्रवृत्तियों की स्थापना में भी सहयोग दिया है। हाल ही में, रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3234 के सहयोग से रोटरी क्लब तेनी स्टार्स और रोटरी क्लब डिंडीगुल क्वीन सिटी रो ई मंडल 3000 ने एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में लगभग 70 छात्रों को टीका लगाया गया।

कृष्णस्वामी को फ्रीमेसन्स के एक समूह का हालिया दौरा याद है, जो विद्यालय और वहाँ के छात्रों से प्रभावित होकर तीन छात्रों की फ़ीस का खर्च उठाने के लिए आगे आए। वे कहते हैं, जब लोग यहाँ आते हैं, तो उन्हें कोई ऐसी समस्या नहीं दिखती जिसे सुलझाने की आवश्यकता हो। वे संभावनाओं से भरे बच्चों को देखते हैं और उनकी शिक्षा जारी रखने में सहायता करना चाहते हैं।

प्रसाद बताते हैं, ज़्यादातर छात्र आत्मविश्वास के साथ अंग्रेज़ी में बातचीत करते हैं; यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि उनमें से कई अपने परिवार में औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं। वे नियमित रूप से वाद-विवाद, भाषण प्रतियोगिताओं और अन्य अंतर-विद्यालयी कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। STEM लैब में छात्र गर्व के साथ विज़िटर्स को अपने परियोजनाएँ दिखाते हैं तथा कॉन्सेप्ट्स और प्रयोगों को बहुत आसानी से समझाते हैं।

अच्छी सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ तथा लड़के-लड़कियों के लिए सुव्यवस्थित और अच्छी तरह से बनाए रखे गए शौचालय एवं वॉश स्टेशन इस तस्वीर को पूरा करते हैं। हर साल तीन तरह की मेडिकल जाँचें- त्वचा, आँख और दाँत संबंधी- कराई जाती हैं। साथ ही, किशोरावस्था की छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक किया जाता है तथा विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन सेमिनार भी आयोजित किए जाते हैं।

प्रसाद कहते हैं, आस-पास के विद्यालयों के छात्र नियमित रूप से यहाँ आकर हमारी प्रयोगशाला सुविधाओं का उपयोग करने हैं और प्रायोगिक कक्षाओं में भाग लेते हैं।

विद्यालय की विशेषताओं में विद्यार्थियों द्वारा सँभाला जाने वाला एक किचन गार्डन, दो वॉलीबॉल कोर्ट, एक विशाल खेल मैदान, किंडरगार्टन के बच्चों के लिए अलग खेल क्षेत्र तथा एक पुस्तकालय शामिल हैं।

लेकिन पिछले कुछ सालों में बकाया फीस बढ़कर लगभग ₹2 करोड़ हो गई है। कृष्णस्वामी गर्व से कहते हैं, इसके बावजूद, विद्यालय उन बच्चों के लिए अपने दरवाज़े खुले रखता है, जिनके परिवार आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। हम बच्चों को बाहर करने के बजाय उन्हें अवसर देना चुनते हैं। वे अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए स्कॉलरशिप भी संचालित करते हैं।

विद्यालय के सामने मौजूद वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, उसके विद्यार्थी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले कई वर्षों से, विद्यालय कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर रहा है। इस वर्ष 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 33 छात्रों ने 400 से अधिक अंक प्राप्त किए।

चित्र: किरण ज़ेहरा

रोटेरी ने बसाए सात घर

रशीदा भगत

हर साल रोटरी क्लब ऑफ ग्रेटर राजपुरा, रोई मंडल 3090, वंचित परिवारों के जोड़ों के लिए एक सामूहिक विवाह आयोजित करता है, जिसमें धार्मिक समारोहों, दुल्हन के कपड़ों, भोजन और यहां तक कि नए जोड़े के लिए घर की बुनियादी जरूरी चीजों से जुड़े सभी खर्च इस परियोजना द्वारा उठाए जाते हैं।

इस साल भी, अप्रैल के महीने में पारंपरिक भारतीय शैली में आयोजित एक भव्य समारोह में सात युवक एवं युवतियों की शादी हुई। धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन से लेकर मेहमानों के लिए दावत (भंडारे) तक की पूरी व्यवस्था रोटेरियनों द्वारा की गई थी। क्लब के पूर्व अध्यक्ष और इसके वर्तमान सचिव मनोज मोदी ने कहा कि क्लब ने जरूरतमंद परिवारों के सात पुरुषों और महिलाओं के लिए एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया, जिसमें भारतीय विवाहों की गरिमा, शालीनता, आनंद और उत्सव का पूरा ध्यान रखा गया।

पूरे आयोजन पर लगभग ₹10 लाख खर्च किए गए और प्रत्येक जोड़े को घर का सामान उपहार में दिया गया, जैसे एक पलंग और गद्दा, सूटकेस, दुल्हनों के लिए मेकअप किट के साथ दुल्हन के कपड़े, और दूल्हों के लिए शेरवानी, दुल्हनों के लिए सात जोड़ी कपड़े, और दूल्हों के लिए तीन जोड़ी कपड़े, 4 कुर्सियों के साथ एक साधारण डाइनिंग टेबल, रसोई के बर्तन और कुछ ऐसी चीजें जो क्लब के अलग-अलग सदस्यों ने अपनी पसंद के अनुसार

नवविवाहित जोड़े केक काटकर अपने विवाह दिवस का जश्न मनाते हुए।

दान कीं। जिन महिलाओं को सिलाई आती थी, उन्हें सिलाई मशीनें दी गईं, ताकि वे अपनी आजीविका कमाना शुरू कर सकें।

मंडल सचिव नवीन गर्ग ने कहा, दुल्हन और दूल्हे दोनों के परिवारों से 500 से अधिक मेहमान इस समारोह में शामिल हुए। सभी मेहमानों को अत्यंत सम्मान, देखभाल और गरिमा के साथ स्वादिष्ट भोजन परोसा गया, जो वास्तव में रोटरी सेवा, करुणा और मानवता की भावना को दर्शाता है।

मोदी ने कहा कि क्लब ने अब तक 150 से अधिक जोड़ों और उनके परिवारों को उनकी शादी संपन्न कराने में मदद की है। रिश्ते कैसे तय होते हैं, इस पर उन्होंने कहा कि रोटेरियन रिश्ता तय करने में कोई भूमिका नहीं निभाते हैं। दूसरी ओर, इस क्षेत्र के लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारा रोटरी क्लब उन जोड़ों के विवाह समारोहों को आयोजित करने में मदद करता है जो इसका खर्च वहन नहीं कर सकते। हमने सोशल मीडिया, पोस्टर और फ्लायर्स के जरिए भी इस परियोजना का प्रचार किया है, और चूंकि हम इतने सालों से ऐसा कर रहे हैं, इसलिए बहुत से लोग इस परियोजना के बारे में जानते हैं। इसलिए हमें उन परिवारों से आवेदन मिलते हैं, जिन्होंने अपने बेटे या बेटियों के लिए पहले से ही जीवनसाथी चुन लिया है।

एक बार जब दूल्हे और दुल्हन के आधार कार्ड के साथ आवेदन प्राप्त हो जाते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे विवाह की कानूनी आयु सीमा को पूरा करते हैं, तो सत्यापन समिति इनकी और परिवार की आर्थिक स्थिति जैसे अन्य मानदंडों की जांच करती है। इसे गांव के सरपंच द्वारा प्रमाणित किया जाता है जो परिवारों को करीब से जानते हैं। इस परियोजना के लिए केवल उन्हीं लोगों पर विचार किया जाता है जो शादी का खर्च नहीं उठा सकते। क्लब ने सभी धर्मों के जोड़ों की शादी का उत्सव मनाया है... हिंदुओं के लिए पंडितों द्वारा फेरे कराए जाते हैं; मुसलमानों के लिए मौलवी/काज़ी द्वारा निकाह पढ़ा जाता है, ईसाइयों और सिखों के लिए, शादी की रस्मों के लिए चर्च और गुरुद्वारे तय किए जाते हैं।

मोदी ने आगे कहा कि उनके मंडल के डीजी भूपेश मेहता को यह परियोजना वास्तव में बहुत पसंद आई और उन्होंने स्वयं क्लब द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह की अध्यक्षता की। उन्होंने समारोह में भाग लिया और जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने इस विचार का समर्थन करते हुए कहा है कि बढ़ती लागत के कारण आज आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शादी करना मुश्किल होता जा रहा है, और यदि परिवार एक अच्छे भोजन के साथ एक सम्मानजनक समारोह आयोजित नहीं कर पाता है, तो लोग बातें बनाते हैं और शादी की शुरुआत ही डगमगाती नींव पर होती है। इसलिए, उन्होंने कहा, हम जो कर रहे हैं वह समुदाय की एक सच्ची सेवा है।

क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में विवाह की रस्में निभाई जाती हुईं।

तो दहेज का क्या? इसका तो सवाल ही पैदा नहीं होता, उन्होंने कहा। उन्होंने आगे यह भी कहा कि उत्कृष्ट आयोजन, अनुशासित प्रबंधन और मानवीय दृष्टिकोण के कारण इस पूरे कार्यक्रम की न केवल राजपुरा बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी सराहना हुई, जिससे रोटरी की सार्वजनिक छवि मजबूत हुई।

हालांकि अध्यक्ष डॉ सुरिंदर कुमार के नेतृत्व में क्लब के सभी रोटेरियनों ने इस परियोजना के लिए काम किया, लेकिन अधिकांश फंडिंग दो एनआरआई दीपक सूद (अमेरिका) और विनीश चुघ (कनाडा) द्वारा दी गई थी। क्लब के अध्यक्ष डॉ. कुमार ने कहा, यह परियोजना वास्तव में ङ्स्वयं से बढ़कर सेवाफ के रोटरी आदर्शों और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है।

उन्होंने आगे कहा कि जो लोग इस परियोजना के तहत मदद के लिए योग्य जोड़ों के बारे में जानकारी देना चाहते हैं, वे रोटरी क्लब राजपुरा ग्रेटर के फेसबुक समूह के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

चेन्नई में रोटरी का 'अमृत वनम'

वी मुत्तुकुमारन

जून की तपती सुबह। सूरज मानो आग बरसा रहा था और पसीना चेहरे से लगातार बह रहा था। लेकिन इस भीषण गर्मी के बीच भी रो ई मंडल 3234 के सैकड़ों रोटेरियन और रोटरेक्टर उत्साह से भरे हुए थे। हाथों में फावड़े और पौधे लिए वे विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर चेन्नई के तरामणि स्थित मद्रास विश्वविद्यालय परिसर में 15,000 पौधे रोपने के लिए जुटे थे।

48 एकड़ के विशाल भूभाग पर पहले से ही छोटे-छोटे गड्ढे तैयार कर दिए गए थे। इसके बाद रोटरी स्वयंसेवकों का यह कारवां बिना गर्मी, धूल या थकान की परवाह किए अपने मिशन में जुट गया। उनका लक्ष्य था - 'प्रोजेक्ट अमृत वनम', चेन्नई के आईटी कॉरिडोर में एक विशाल शहरी वन *(Urban Forest)* का निर्माण।

करीब दो घंटे तक चले इस महाअभियान में फलदार वृक्षों, लताओं, झाड़ियों, उष्णकटिबंधीय तथा वन्य प्रजातियों के हजारों पौधे लगाए गए। वातावरण में केवल वृक्षारोपण का उत्साह ही नहीं, बल्कि मित्रता, सहयोग और रोटरी परिवार की आत्मीयता भी झलक रही थी।

मंडल गवर्नर विनोद सारोगी ने कहा, रो ई मंडल 3234 के सभी 86 क्लबों के अध्यक्ष इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। रोटरेक्टरों के साथ मिलकर वे इस बंजर भूमि को एक ऐसे हरित वन में बदल रहे हैं जो आने वाले वर्षों में शहर के फेफड़ों की तरह काम करेगा।

उन्होंने मंडल पर्यावरण अध्यक्ष मंडल गवर्नर नामित रवि सुंदरेशन की विशेष सराहना करते

ऊपर: रो ई मंडल 3234 के DG विनोद सरावगी, रोटेरियन्स की उपस्थिति में एक पौधा लगाते हुए।

नीचे: मेगा वृक्षारोपण अभियान में रो ई मंडल 3234 के रोटरेक्टर्स।

हुए कहा कि उनकी अथक मेहनत और विभिन्न क्लबों के समन्वय ने इस हरित अभियान को अभूतपूर्व सफलता दिलाई है।

इस अवसर पर तमिलनाडु के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री वी के राजीव भी उपस्थित थे। स्वयं एक रोटेरियन (रोटरी क्लब ईस्ट कोस्ट रामनाड़, रो ई मंडल 3212) रहे राजीव ने अपने रोटरेक्ट दिनों को याद करते हुए कहा कि रोटरी द्वारा घना शहरी वन विकसित करना

हम एक बंजर ज़मीन को एक हरे-भरे इकोसिस्टम में बदल रहे हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता बेहतर होगी, जैव-विविधता बढ़ेगी और कार्बन उत्सर्जन कम होगा, ताकि पर्यावरण के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ी जा सके।

DGND रवि सुंदरेशन
प्रोजेक्ट चेयर

अत्यंत सराहनीय है, लेकिन इसके साथ-साथ लोगों में एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचने की जागरूकता फैलाना भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने मंच के पीछे लगे विनाइल फ्लेक्स बैनर की ओर इशारा करते हुए सुझाव दिया, भविष्य में ऐसे पर्यावरण के लिए हानिकारक बैनरों की जगह कपड़े के बोर्ड और इको-फ्रेंडली होर्डिंग्स का उपयोग किया जाना चाहिए।

राजीव ने कहा कि प्रदूषण-मुक्त तमिलनाडु नई सरकार के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। उन्होंने रोटेरियनों से जैविक और अजैविक कचरे के पृथक्करण तथा पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के बारे में जन-जागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी रोटरी की सभी पहलों को पूरा सहयोग देगी।

अगली पीढ़ी के लिए हरित विरासत

कार्यक्रम के अध्यक्ष मंडल गवर्नर नामित रवि सुंदरेशन ने बताया कि यह शहरी वन वैज्ञानिक पद्धति से विकसित किया जा रहा है ताकि इसका दीर्घकालिक पारिस्थितिक प्रभाव सुनिश्चित हो सके।

प्रोजेक्ट अमृत वनम में DG सरावगी (बीच में), उनके दाईं ओर DGND रवि सुंदरेशन, कम्युनिट्री (CommuniTree) के फाउंडर हाफ़िज़ खान (सबसे बाईं ओर) और रो ई मंडल 3234 के रोटेरियन।

उन्होंने कहा, हम एक बंजर भूमि को ऐसे हरित पारिस्थितिकी तंत्र में बदल रहे हैं जो वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा, जैव विविधता को बढ़ावा देगा, कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी पर्यावरणीय विरासत छोड़ेगा।

यह परियोजना रोटरी, मद्रास विश्वविद्यालय और ग्रीन तमिलनाडु मिशन की साझेदारी से संचालित की जा रही है। इसे एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसे भविष्य में राज्य के अन्य हिस्सों और रो ई के अन्य मंडलों में भी दोहराया जा सके।

शहरी वन विशेषज्ञ और कम्युनीट्री के संस्थापक हाफ़िज़ खान ने लगभग 600 रोटेरियनों और रोटरेक्टरों का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने बताया, फिलहाल हम 400 मीटर लंबी ट्री टनल बना रहे हैं। वन के पूर्ण विकसित होने पर इसकी लंबाई दो किलोमीटर तक पहुंच जाएगी।

उनके अनुसार, परियोजना पूरी होने के बाद यह देश के सबसे बड़े शहरी वृक्ष गलियारों *(Urban Tree Tunnels)* में से एक होगी।

कम्युनीट्री की टीम अब तक विभिन्न राज्यों में 18 लाख से अधिक वृक्ष लगा चुकी है और कछुआ संरक्षण जैसे पर्यावरणीय कार्यों के लिए भी जानी जाती है।

अर्बन फ़ॉरेस्ट बनने के बाद, यह ट्री टनल देश में इस तरह के सबसे बड़े शहरी कवर में से एक होगा।

हाफ़िज़ खान
फाउंडर, कम्युनिट्री

मंडल रोटरेक्ट प्रतिनिधि सतीश कुमार ने कहा कि यह केवल वृक्षारोपण कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक नए पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण है जिससे 72 रोटरेक्ट क्लबों के 300 से अधिक युवाओं को जुड़ाव और स्वामित्व की भावना मिलेगी।

उन्होंने कहा, आज इनमें से अधिकांश छात्र हैं। कल जब वे इसी आईटी कॉरिडोर की कंपनियों में काम करेंगे और इस मार्ग से गुजरेंगे, तब उन्हें गर्व होगा कि उन्होंने अपने हाथों से इस शहरी वन को खड़ा किया था।

मद्रास विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस. आर्मस्ट्रांग ने कहा कि जलवायु, प्रकृति और भविष्य - ये तीन शब्द आज की युवा पीढ़ी के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने रोटरी और सरकार के साथ इस सहयोग को विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय बताया।

कम्युनीट्री अगले तीन वर्षों तक इन पौधों की देखभाल करेगी। हर तिमाही जियो-टैग्ड रिपोर्ट तैयार कर रो ई मंडल 3234 के क्लबों और रोटरी फाउंडेशन इंडिया के साथ साझा की जाएगी।

सुंदरेसन ने बताया कि जुलाई-अगस्त में इसी परिसर में 50,000 और पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही वृक्षों की सुरक्षा और देखभाल के लिए मजबूत परिधि बाड़ *(Compound Fence)* भी बनाई जाएगी।

₹42 लाख की लागत वाली 'प्रोजेक्ट अमृत वनम' को रोटरी क्लब ऑफ मद्रास, मद्रास सेंट्रल, चेन्नई कार्नाटिक और चेन्नई रिनेसां द्वारा प्रायोजित किया गया है, जबकि रो ई मंडल 3234 के 12 अन्य क्लब इसका सहयोग कर रहे हैं।

कार्यक्रम के अंत में रोटेरियनों और रोटरेक्टरों ने विश्व पर्यावरण दिवस की शपथ ली और प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

मेगा स्वास्थ्य शिविर

रोटरी क्लब बीड मिडटाउन, रो ई मंडल 3132 द्वारा महाराष्ट्र के बीड तालुका के 11 गांवों में आयोजित मेगा स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर से 1,000 से अधिक लोगों को लाभ मिला। यह पहल मुख्यमंत्री राहत कोष प्रकोष्ठ, चैरिटी हॉस्पिटल असिस्टेंस सेल बीड, सेंट ऐन सोशल सेंटर, बहिरवाड़ी तथा बीड जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संचालित की गई। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की टीम ने नि:शुल्क परामर्श, दवाएं तथा विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं।

शिविर में चिकित्सकों द्वारा लिखी गई दवाएं प्राप्त करते हुए एक लाभार्थी।

गुलाबी ऑटो रिक्शा का वितरण

रोटरी क्लब कोल्हापुर हेरिटेज, रो ई मंडल 3170 ने आरसीकेओपी हेरिटेज फाउंडेशन के सहयोग से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने 'महिला सशक्तिकरण, समृद्ध समुदाय' अभियान के तहत तीन महिलाओं को ऑटो रिक्शा सौंपे। सीएसआर दाताओं के सहयोग से संचालित इस परियोजना का उद्घाटन कोल्हापुर की महापौर रूपारानी निकम ने मंडल गवर्नर अरुण डेनियल भंडारे तथा क्लब सदस्यों की उपस्थिति में किया।

मंडल गवर्नर अरुण डेनियल भंडारे लाभार्थियों को वाहन की चाबियां सौंपते हुए।

एआई-संचालित स्तन कैंसर जांच शिविर

मंडल गवर्नर टीना एंटनी के नेतृत्व में रो ई मंडल 3211 ने अपनी महिला-केंद्रित पहल 'ओप्पोल' के अंतर्गत केरल भर में 5,000 से अधिक महिलाओं की प्रारंभिक स्तन कैंसर जांच एआई-संचालित थर्मल इमेजिंग उपकरण की सहायता से की। 165 रोटरी क्लबों और चार अस्पतालों के सहयोग से संचालित इस परियोजना ने स्तन कैंसर की सुलभ, दर्दरहित और विकिरण-मुक्त जांच को बढ़ावा दिया, जिससे शीघ्र पहचान और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को समर्थन मिला।

स्तन कैंसर जांच शिविर में मंडल गवर्नर टीना एंटनी और रोटरी क्लब कोट्टायम ईस्ट के सदस्य।

जेल बंदियों को गर्मी से राहत

रोटरी क्लब संबलपुर, रो ई मंडल 3261 ने भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए संबलपुर के मुख्य कारागार को छह एयर कूलर तथा महिला कारागार को दो एयर कूलर दान किए। यह पहल जेल अधीक्षक के अनुरोध पर की गई।

एयर कूलर दान करने के बाद जेल अधिकारियों के साथ क्लब सदस्य।

Apply yourself

Illustration by Kenzo Hamazaki

As part of the family of Rotary, members are invited to lend their professional expertise on committees that support Rotary and The Rotary Foundation. Each year, these committees focus on putting Rotary's strategic priorities into action, challenging clubs to increase their impact, expand their reach, enhance participant engagement, and increase Rotary's ability to adapt.

Would you like to contribute to Rotary's success?

RI and the Foundation are searching for qualified Rotarians and Rotaractors to serve on committees in the 2027–28 Rotary year. These positions offer an opportunity for you to apply your leadership skills, share your vocational experience, and help ensure diverse perspectives within each committee.

Rotarians and Rotaractors with expertise in the areas detailed in the chart are encouraged to apply. The number of openings is limited. If you're not selected this year, you are welcome to apply again next year. All committees correspond through email and on virtual platforms, typically with one mandatory in-person meeting a year. Rotaractors are encouraged to apply to any area based on their background, skills and experience. Dual members of Rotary and Rotaract are especially welcome to apply.

To be considered for committee membership or to recommend a Rotarian or Rotaractor for an appointment, visit *on.rotary.org/application2026*. Applicants must be registered on My Rotary at *my.rotary.org* and should make sure their My Rotary profile includes current contact information. Applications are due **August 15.**■

Area of Expertise	Function	Prerequisites	Openings
Audit	Advises leadership on audited financial reports, internal and external audits, and internal control systems	Independence, appropriate business experience, and demonstrated financial literacy in accounting, auditing, banking, insurance, investment, risk management, executive management or audit governance	One position with a four-year term
Communications	Advises leadership on Rotary's overall public image, branding, communications, content strategy	Professional background and experience in internal and external communications, marketing, public image, brand, public relations, media and content strategy	Two positions with three-year terms

Enhancing participant engagement	Advises leadership on enhancing participant engagement and fostering a welcoming and accessible club culture rooted in respect that values different perspectives and voices	Professional or educational experience related to shaping a culture of respect and positive engagement, facilitating difficult conversations, and uniting individuals to solve problems	Two positions with three-year terms
Finance	Advises the RI Board on Rotary's finances, including budgets and sustainability measures	Professional background in a finance-related field; nonprofit experience preferred. Candidates should have experience in financial matters at the club and district levels	Two positions with three-year terms
Fund development	Advises The Rotary Foundation trustees on all aspects of fundraising	Significant experience in nonprofit fundraising. Committee members actively fundraise and support the Foundation	Two positions with three-year terms
Investment	Oversees the management of Rotary's investments and the implementation of investment policies by the office of investment. Makes investment policy recommendations to the respective boards of governance	Institutional investment experience or equivalent	One position with a four-year term
Learning	Advises leadership on creating effective learning opportunities for Rotary leaders and members	Adult learning expertise within or outside Rotary. Experience in the professional learning field (including e-learning) or with planning and implementing learning events at the member, club, district, zone and international levels	Two positions with three-year terms
Operations review	Advises leadership on the effectiveness of operations, administrative procedures, and standards of conduct. Serves as the advisory compensation committee to the Executive Committee of the RI Board	Experience in management, leadership development or financial management, and thorough knowledge of Rotary's operations. Appointments are limited to past RI directors and past Foundation trustees	One position with a four-year term
Strategic planning	Advises leadership on matters regarding the strategic plan	Significant experience in long-term planning, financial management, and RI and Foundation programme activities	Two positions with four-year terms
Technology	Advises leadership on enhancing technology practices, products, and strategy to improve the member and participant experience	Expertise in technology development, security and data privacy, product management and user/participant experience. Non-Rotarian technology experts may be appointed	Two positions with three-year terms

रो ई मंडल 2981

रोटरी क्लब कुंबाकोनम

महात्मा रोटरी ऑरेंज हाइब्रिड आई विज़न सेंटर के सहयोग से एक नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। जिन लोगों को सर्जरी की आवश्यकता थी, उनकी पहचान की गई।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गतिविधियाँ

रो ई मंडल 3053

रोटरी क्लब अलवर अरावली

सुभाष चंद गुप्ता मेमोरियल सिलाई केंद्र में 30 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। यह परियोजना महिलाओं को टिकाऊ आजीविका के माध्यम से सशक्त बनाती है।

रो ई मंडल 3060

रोटरी क्लब पोरबंदर

खिजड़ी प्लॉट गार्डन में झुग्गी बस्तियों में रहने वाले 100 सफाई कर्मचारियों और उनके परिवारों को ₹1 लाख की लागत से सोने के लिए खाटें वितरित की गईं।

रो ई मंडल 3080

रोटरी क्लब पांवटा साहिब

'रोटरी अगेंस्ट रेबीज़ एक्सपोज़र' (RARE) प्रोग्राम के तहत सब-डिविज़नल वेटेरिनरी अस्पताल को एंटी-रेबीज़ वैक्सीन की कुल 400 खुराकें प्रदान की गईं।

रो ई मंडल 3011

रोटरी क्लब फरीदाबाद अरावली

पीजेएस ओवरसीज़ के सहयोग से, श्री ब्रज कामधेनु सुरभि वन एवं अनुसंधान संस्थान, पहलवाड़ा स्थित एक पशु चिकित्सालय को चिकित्सा उपकरण एवं शल्य चिकित्सा उपकरण (सी एस आर अनुदान: 63,000 अमेरिकी डॉलर) प्रदान किए गए।

रो ई मंडल 3110

रोटरी क्लब आगरा रॉयल

डीजी राजन विद्यार्थी ने बिचपुरी ब्लॉक के मिधाकुर स्थित पंडित दीनदयाल गवर्नमेंट इंटर कॉलेज में दो कूलर वाले आरओ वॉटर प्लांट का उद्घाटन किया।

रो ई मंडल 3100

रोटरी क्लब हल्दौर

नोएडा के मेट्रो अस्पताल के साथ मिलकर आयोजित हार्ट चेक-अप कैंप में 100 से अधिक मरीज़ों की जांच की गई।

महुआ कार्यशाला ने आदिवासी महिलाओं के लिए आजीविका के नए अवसर खोलें

जयश्री

रोटरी क्लब जलगांव आदिवासी महिलाओं को जंगल में मिलने वाले एक पारंपरिक संसाधन को स्थायी आय के स्रोत में बदलने में मदद कर रहा है। क्लब ने हाल ही में सतपुड़ा पर्वतमाला में, जलगांव से लगभग 70-75 किलोमीटर दूर स्थित एक गाँव में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की, जिसमें 38 आदिवासी महिलाओं को महुआ के फूलों से विभिन्न मूल्य-संवर्धित उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

इस कार्यशाला का संचालन गढ़चिरौली के विशेषज्ञ डॉ. सतीश गोगुलवार ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को महुआ के फूलों से चिवड़ा, लड्डू, केक, गुलाब जामुन, मुरब्बा और बर्फी बनाना सिखाया। उन्होंने महिलाओं को इन उत्पादों की पैकिंग, विपणन और बिक्री के बारे में भी मार्गदर्शन दिया, जिससे वे अपने क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध इस संसाधन से आजीविका कमा सकें।

क्लब अध्यक्ष गिरीश कुलकर्णी कहते हैं, इस क्षेत्र में महुआ के पेड़ बड़ी संख्या में हैं और गाँव के लोग पारंपरिक रूप से महुआ के फूलों को किण्वित करके महुआ मदिरा तथा अन्य मादक पेय तैयार करते हैं। इस कार्यशाला के माध्यम से हम चाहते थे कि महिलाएँ इन फूलों के वैकल्पिक और अधिक लाभदायक उपयोगों को पहचानें।

महुआ का पेड़ मध्य और पश्चिमी भारत के आदिवासी समुदायों के जीवन में एक विशेष स्थान रखता है। इसके मीठे और पोषक तत्वों से भरपूर फूल खाने योग्य होते हैं और कई प्रकार से उपयोग किए जा सकते हैं। परंपरागत रूप से धूप में सुखाए गए महुआ के फूलों का उपयोग प्राकृतिक मिठास के रूप में खीर, हलवा और पुडिंग जैसे व्यंजनों में किया जाता है। इनके औषधीय गुणों के कारण भी इन्हें महत्व दिया जाता है और अक्सर दही के साथ या शरबत के रूप में इनका सेवन किया जाता है।

विटामिन, कैल्शियम, लौह तत्व, प्रोटीन और एंजाइम से भरपूर महुआ के फूल आयुर्वेद में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पाचन सुधारने और कमजोरी दूर करने के लिए जाने जाते हैं। माना जाता है कि इनमें दर्द निवारक और शीतल गुण भी होते हैं। पारंपरिक उपचारों में इनका उपयोग श्वसन संबंधी समस्याओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए भी किया जाता है।

महुआ के फूलों के पोषण, औषधीय और व्यावसायिक महत्व से परिचित कराते हुए डॉ. गोगुलवार ने महिलाओं को अपने आसपास आसानी

आदिवासी महिलाएं महुआ के फूलों से व्यंजन बनाना सीखती हुईं।

ऊपरः महुआ के फूलों से लड्डू बनाते हुए।

नीचेः आदिवासी महिलाएं महुआ के फूलों से चिवड़ा बनाना सीखती हुईं।

विटामिन, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और एंजाइम से भरपूर महुआ के फूल आयुर्वेद में इम्युनिटी बढ़ाने, पाचन में सुधार करने और कमजोरी दूर करने के लिए जाने जाते हैं।

से उपलब्ध इस संसाधन का उत्पादक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

आदिवासी समुदाय के साथ कार्य करने वाली गैर-सरकारी संस्था गांधी रिसर्च फाउंडेशन ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए गांवों के साथ समन्वय किया।

सामुदायिक सेवा परियोजनाओं के अलावा, रोटरी क्लब जलगांव एक अभिनव पहल *रोटरी वाचन कट्टा* के माध्यम से आपसी मित्रता और सीखने की संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। यह एक पुस्तक-पठन सत्र है, जो प्रत्येक दूसरे सप्ताहांत में आयोजित किया जाता है। पारंपरिक मेल-मिलाप बैठकों से अलग, इसमें सदस्य अपनी पसंदीदा पुस्तकें लेकर आते हैं, चुने हुए अंश पढ़ते हैं और उन विचारों पर चर्चा करते हैं जिन्होंने उन्हें प्रेरित किया है।

इसी रोटरी पठन मंडल श्रृंखला के अंतर्गत क्लब ने हाल ही में दंपति विशेष संस्करण नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका शीर्षक था तुम मेरे जीवन साथी हो। इस कार्यक्रम में 18 दंपतियों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतिभागी ने अपने जीवनसाथी के सम्मान में स्वयं लिखी गई दो मिनट की श्रद्धांजलि प्रस्तुत की।

इस कार्यक्रम ने सदस्यों को आभार व्यक्त करने, अपने साझा जीवन-सफर को याद करने, एक-दूसरे के त्याग को स्वीकार करने और रोटरी सेवा में सहयोग देने वाली साझेदारी का उत्सव मनाने का अवसर प्रदान किया।

कुलकर्णी कहते हैं, ''इस कार्यक्रम ने रोटेरियनों के पीछे छिपी मानवीय कहानियों को सामने लाया और रोटरी परिवार के भीतर संबंधों को और मजबूत किया। प्रतिभागियों ने इस अनुभव को प्रेरणादायक, भावनात्मक और यादगार बताया।'' ■

आपके गवर्नर्स से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी ब्लड स्टेम सेल रजिस्ट्री

पूर्व रोटरेक्टर नीलेश शाह अपने क्लब के चार्टर सचिव रहे हैं, जिसकी स्थापना वर्ष 2004 में 20 पूर्व रोटरेक्ट नेताओं द्वारा की थी। वे पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी को अपना रोल मॉडल और प्रेरणा का स्थायी स्रोत मानते हैं।

आज, रो ई मंडल 3060 में 104 क्लब और 5.000 से अधिक सदस्य हैं। शाह का लक्ष्य सात नए क्लब स्थापित करना और सदस्यों की संख्या में 10 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि हासिल करना है। मंडल ने डीएटीआरआई के साथ साझेदारी करके 'प्रोजेक्ट जीवन सेतु' के माध्यम से 'रोटरी ब्लड स्टेम सेल रजिस्ट्री' की शुरुआत की है, जो थैलेसीमिया और रक्त कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए नई आशा लेकर आई है।

प्रोजेक्ट ग्राम कल्याण के तहत, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सहयोग से 60,000 ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सेवाएँ और आजीविका सहायता पहुँचाई जाएगी। जिला-प्रबंधित ₹3 करोड़ से अधिक के ग्लोबल ग्रांट्स के माध्यम से सरकारी और धर्मार्थ अस्पतालों को 45 डायलिसिस मशीनें उपलब्ध कराई जाएँगी। स्वच्छता सुविधाएँ, फर्नीचर और कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाएँगी, साथ ही अस्पतालों को आधुनिक चिकित्सा अवसंरचना से सुसज्जित किया जाएगा। वे कहते हैं, ''हम हर साल फोकस क्षेत्रों में कम-से-कम 13 से 15 जीजी परियोजनाएं संचालित करते रहे हैं।'' आगामी ग्लोबल ग्रांट परियोजनाओं में 4-5 सरकारी स्कूलों को स्वच्छता सुविधाओं, फर्नीचर और कंप्यूटर प्रयोगशालाओं से सुसज्जित किया जाएगा (₹50 लाख), जबकि 10-12 सरकारी अस्पतालों को आधुनिक चिकित्सा अवसंरचना प्रदान की जाएगी (₹2.5-3 करोड़)।

टीआरएफ के लिए उनका योगदान लक्ष्य 2 मिलियन डॉलर है। वे कहते हैं, ''हम क्लबों को ग्लोबल ग्रांट प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन दे रहे हैं, ताकि सेवा परियोजनाओं का निर्बाध रूप से संचालन और निरंतरता सुनिश्चित की जा सके।''

निलेश शाह
ग्राफिक डिज़ाइनर
रोटरी क्लब वापी रिवरसाइड
रो ई मंडल 3060

राजेश पाटिल
बाल रोग विशेषज्ञ
रोटरी क्लब जलगाँव वेस्ट
रो ई मंडल 3030

रोटेरियन को समृद्ध बनाने का लक्ष्य

122 क्लबों और 6,000 से अधिक रोटेरियन वाले इस मंडल में, डॉ राजेश पाटिल को अपने कार्यकाल के दौरान 15-20 नए क्लब स्थापित करने का विश्वास है। वे कहते हैं, इनमें 10 हॉबी-आधारित और सैटेलाइट रोटरी ग्रुप भी शामिल होंगे, ताकि समान रुचियों और विचारों वाले प्रोफेशनल्स को रोटरी से जोड़ा जा सके।

वे हर महीने अपने मंडल के छह क्षेत्रों में छह सीआरओपी (कंटीन्यूअस रोटरी ओरिएंटेशन प्रोग्राम) सत्र आयोजित करेंगे। इसका उद्देश्य हर क्लब में रोटरी की जानकारी रखने वाले रोटेरियन की संख्या बढ़ाना है, ताकि वे विभिन्न परियोजनाओं में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग कर सकें। चिकित्सा क्षेत्र में, 30 डायलिसिस सेंटर (सी एस आर+जीजी: ₹1.5 करोड़) स्थापित किए जाएँगे, ये या तो स्वतंत्र इकाइयों के रूप में होंगे या सरकारी और चैरिटी अस्पतालों से संबद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, जलगाँव के एक चैरिटी अस्पताल में बच्चों की कार्डियक सर्जरी यूनिट (जीजी+सी एस आर, प्राइवेट डोनर्स के साथ: ₹2 करोड़) स्थापित की जाएगी।

₹2 करोड़ के सी एस आर इंडिया अनुदान से 30 मंडल परिषद विद्यालयों का उन्नयन किया जाएगा। इनमें स्वच्छता सुविधाओं, आरओ इकाइयों, खेल उपकरण, ओपन जिम, स्मार्ट कक्षाएँ और फर्नीचर उपलब्ध कराए जाएँगे। इसके बाद इन विद्यालयों को रोटरी स्कूलों के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ₹3 करोड़ के एक अन्य सी एस आर अनुदान के माध्यम से 26 ग्रामीण सरकारी विद्यालयों में रोबोटिक्स प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाएँगी, जहाँ विद्यार्थियों को एआई और मशीन लर्निंग की शिक्षा दी जाएगी।

टीआरएफ के लिए उनका योगदान लक्ष्य 10 लाख डॉलर है। डॉ पाटिल वर्ष 2000 में रोटरी से जुड़े थे।

युवाओं को सशक्त बनाने के लिए RYLA

भूपति कहते हैं, इस ऑर्गनाइज़ेशन ने मेरे नेतृत्व कौशल और व्यवहार को बेहतर बनाया, मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया और मेरे मित्रों का दायरा विस्तृत किया। 115 क्लबों इस मंडल में, वे 6-7 नए क्लब स्थापित करना चाहते हैं तथा सदस्यता में 10 प्रतिशत शुद्ध वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं।

रो ई निदेशक मुरुगानंदन के निर्देशों के अनुसार, वे 30 से कम सदस्यों वाले 28 क्लबों को 'रेड' से 'एम्बर' कैटेगरी में लाकर उनकी 'जड़ों और नींव' को मजबूत करने पर ध्यान दे रहे हैं। पंचायतों और नगरपालिकाओं में 3-4 वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट (सी एस आर ग्रांट: ₹6 करोड़) स्थापित किए जाएँगे। वे कहते हैं, हम विद्यालयों और महाविद्यालयों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और वेस्टवॉटर रीसाइक्लिंग के संबंध में जागरूकता शिविर आयोजित करेंगे। इसके अतिरिक्त, 30 सरकारी विद्यालयों में हैंडवॉश स्टेशन, सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन तथा लड़कों और लड़कियों के लिए पृथक शौचालय परिसर (जीजी: 300,000 डॉलर) स्थापित किए जाएँगे।

5,000 से अधिक छात्रों तक पहुंचने के लिए विद्यालयों में लगभग 300 RYLA कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक क्लब कम-से-कम तीन RYLA कार्यक्रम आयोजित करेगा, जबकि रो ई मंडल 3203 एक बहु-मंडल RYLA की मेजबानी करेगा जो बड़ी संख्या में युवाओं को आकर्षित करेगा। बूपति को विश्वास है कि उनका मंडल उसे दिए गए 10 लाख अमेरिकी डॉलर के टीआरएफ लक्ष्य को पार कर जाएगा।

वर्ष 1989 में रोटरी से जुड़ने के बाद, वे पोलाची के शिक्षाविद और उदार दानदाता कृष्णराज वनवरयार से प्रेरित हैं।

के बोपति
टेक्सटाइल्स
रोटरी क्लब अविनाशी
रो ई मंडल 3203

पायल गौड़
प्रिंटिंग
रोटरी क्लब बुलन्दशहर
रो ई मंडल 3100

सरकारी स्कूलों के लिए सौर ऊर्जा

1 जुलाई को लगभग 120 क्लबों और 2,200 सदस्यों वाले इस मंडल में, उन्हें विश्वास है कि वे अपने कार्यकाल के दौरान कम-से-कम पाँच नए क्लबों की स्थापना करेंगी और 500 रोटेरियनों को रोटरी से जोड़ेंगी।

पहले छह महीनों में, सर्वाइकल कैंसर जागरूकता और टीकाकरण अभियान (सी एस आर+जीजी: ₹30 लाख) के माध्यम से लगभग 5,000 स्कूल और कॉलेज की छात्राओं (12-25 वर्ष आयु वर्ग) को लाभ पहुँचेगा। पायल कहती हैं, प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर हम अगले छह महीनों में इस अभियान को पुनः शुरू करेंगे और अपने टीकाकरण लक्ष्य को दोगुना करेंगे। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में मेरठ, मुज़फ़्फ़रनगर और मुरादाबाद में तीन डायग्नोस्टिक केंद्र स्थापित किए जाएँगे। इन दोनों परियोजनाओं के लिए 3 करोड़ रुपये की जीजी और सी एस आर अनुदानों का उपयोग किया जा रहा है।

> पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 10 सरकारी विद्यालयों, प्राथमिक और उच्च माध्यमिक दोनों में, इस पर्यावरण-अनुकूल पहल के अंतर्गत सौर पैनल लगाए जाएँगे।

डीजी पायल गौड़
रो ई मंडल 3100

उनकी प्रिय परियोजनाओं में से एक 'ग्रीन स्कूल' पहल है, जिसके तहत विद्यालयों की छतों पर बिजली उत्पादन के लिए सौर पैनल लगाए जाएँगे। गौड़ बताते हैं, पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 10 सरकारी विद्यालयों, प्राथमिक और उच्च माध्यमिक दोनों में, इस पर्यावरण-अनुकूल पहल के अंतर्गत सौर पैनल (जीजी+सी एस आर: ₹25 लाख) लगाए जाएँगे। इसके परिणामों का अध्ययन करने के बाद, हम अपने हरित मिशन का विस्तार करेंगे। वे टीआरएफ के लिए 500,000 एकत्र करने का लक्ष्य।

वर्ष 2014 में वह रोटरी से जुड़ी।

Membership & TRF contribution summary

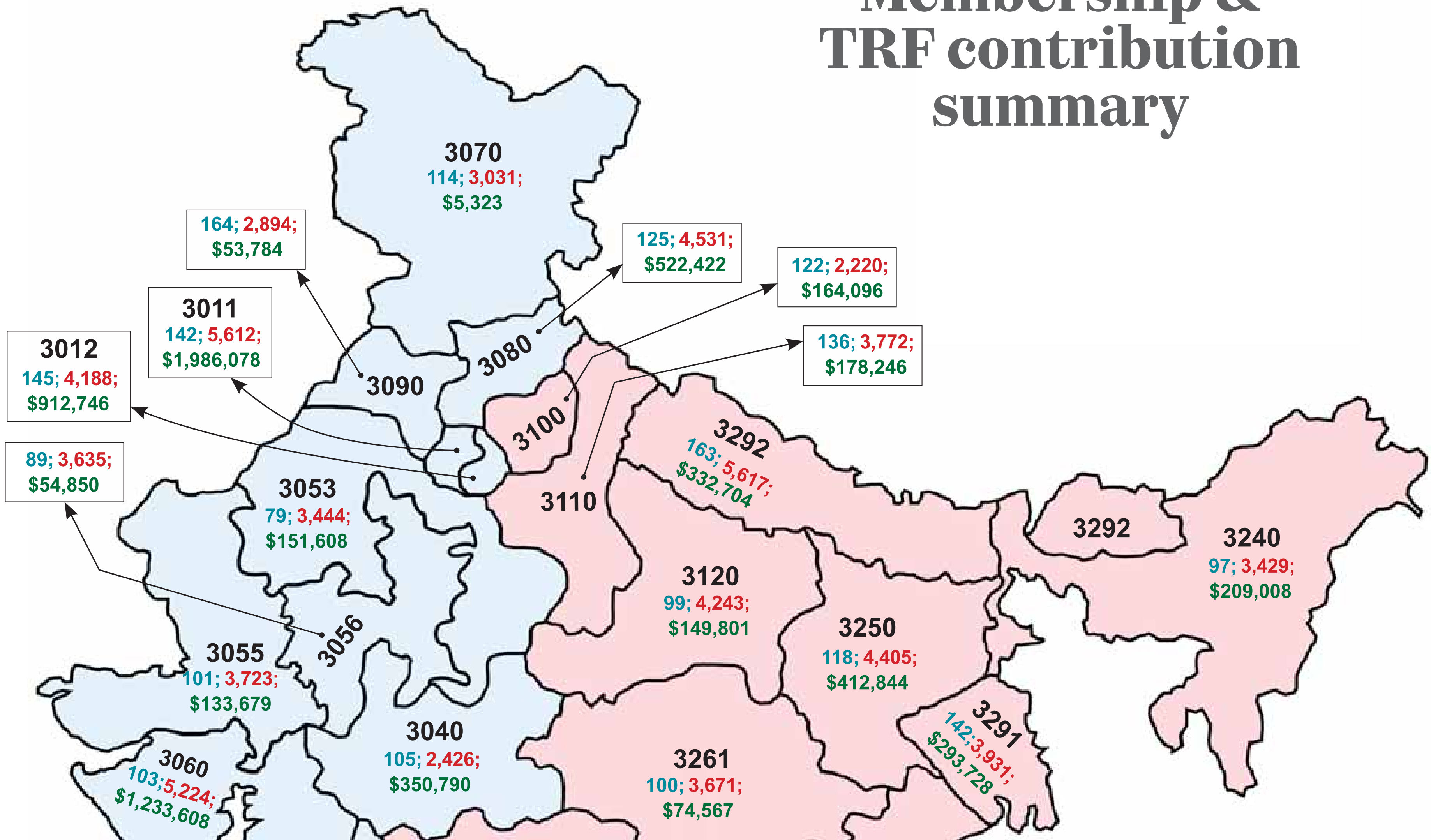

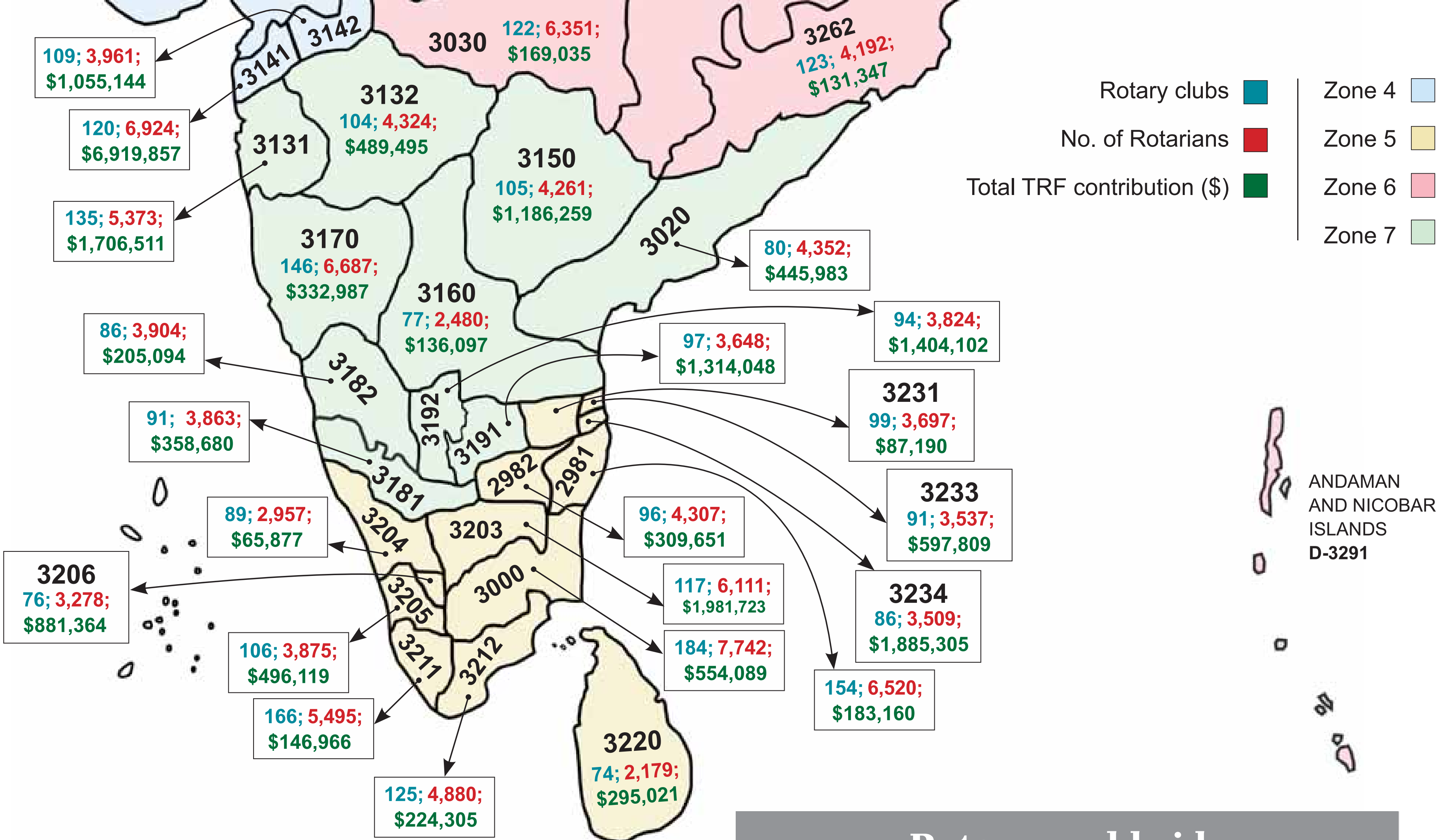

Rotary worldwide

Rotary clubs	:	36,824	Rotary members	:	1,170,185
Rotaract clubs	:	9,591	Rotaract members	:	151,457
Interact clubs	:	20,002	Interact members	:	460,207
RCCs	:	14,428			As on June 17, 2026

*Membership figures as on June 1, 2026.
*TRF contribution figures as on May 31, 2026.

परिवर्तन की शक्ति

नासिक में नदी पुनर्स्थापन

पंचायत अध्यक्ष और स्थानीय किसानों के सहयोग से, रोटरी क्लब नासिक, रो ई मंडल 3030 ने गोदावरी नदी की सहायक नदी नंदिनी के 8 किलोमीटर लंबे हिस्से का गाद निकालकर उसे पुनर्जीवित किया। इस नदी पुनर्स्थापन परियोजना से मानसून के दौरान लगभग 48 करोड़ लीटर जल को बहकर नीचे जाने से बचाया जा सकेगा।

जे के मैनी प्रिसीजन टेक्नोलॉजी ने इस परियोजना के लिए ₹5 लाख का सी एस आर अनुदान प्रदान किया। कई सालों से नदी का पूरा तल विभिन्न प्रकार के कचरे और गाद (सिल्ट) से भरा हुआ था। पहले भी कई चेक डैम को ठीक करने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, क्लब ने नासिक से होकर बहने वाली इस सहायक नदी के एक बड़े हिस्से से गाद हटाने का काम किया। क्लब अध्यक्ष गौरव सामनेरकर ने गाद हटाने के इस अभियान उद्घाटन किया।

नंदिनी नदी में गाद हटाने के कार्य के उद्घाटन अवसर पर रोटरी क्लब नासिक के अध्यक्ष गौरव सामनेरकर (आगे की पंक्ति में बाएं) क्लब के सदस्यों के साथ।

रो ई मंडल 3120 में मोतियाबिंद सर्जरी शिविर

रो ई मंडल 3120 के रोटरी क्लबों द्वारा आर जे शंकरा आई हॉस्पिटल के सहयोग से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अस्पताल के साथ तीन वर्ष का एक एम ओ यू किया गया है, जिसके तहत प्रतिवर्ष 15,000 नि:शुल्क मोतियाबिंद सर्जरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह समझौता तत्कालीन डीजी आशुतोष अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

फरवरी तक, ओपीडी में 16,000 से अधिक रोगियों की जांच की गई और वाराणसी, मिर्ज़ापुर, प्रयागराज, सुल्तानपुर, मऊ और लखनऊ सहित विभिन्न स्थानों पर 1,600 से अधिक सर्जरी की गईं। जिन मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की जाती है, उन्हें अस्पताल तक पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है, जहाँ उन्हें नि:शुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, दवाइयाँ, सर्जरी तथा ऑपरेशन के बाद की देखभाल उपलब्ध कराई जाती है।

मोतियाबिंद की शल्य चिकित्सा के लिए मरीजों को अस्पताल ले जाते जाते हुए।

पुणे-नासिक हाईवे पर एम्बुलेंस सेवा

रोटरी क्लब पुणे हेरिटेज, रो ई मंडल 3131 द्वारा आईसीयू वेंटिलेटर और डिफिब्रिलेटर से सुसज्जित एक एएलएस एम्बुलेंस प्रदान किए जाने से मोशी स्थित अकॉर्ड मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल की आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं (ईएमएस) को नई मजबूती मिली। इस परियोजना की लागत ₹21 लाख थी और स्काई बैटरिज़ इसकी सी एस आर सहयोगी संस्था थी।

पुणे-नासिक हाईवे पर केंद्रीय स्थान पर स्थित यह अस्पताल सड़क दुर्घटनाओं और औद्योगिक हादसों के पीड़ितों के साथ-साथ इस इलाके में दिल की बीमारियों और स्ट्रोक जैसी इमरजेंसी की बढ़ती घटनाओं के लिए भी सेवाएँ प्रदान करता है। यह एम्बुलेंस 20-25 किलोमीटर के दायरे में अपनी सेवाएँ उपलब्ध कराएगी।

रो ई मंडल 3131 के डीजी संतोष मराठे और उनके दाहिनी ओर पीडीजी शैलेश पालेकर, एम्बुलेंस के लोकार्पण अवसर पर रोटरी क्लब पुणे हेरिटेज के सदस्यों के साथ। क्लब अध्यक्ष सुभ्रो सेन सबसे दाहिनी ओर चित्र में शामिल हैं।

रो ई मंडल 3250 में मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर

पीडीजी बिपिन चाचन ने मेहरबाई टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (एमटीएमएच) को कैंसर स्क्रीनिंग वैन सौंपी। 89,207 डॉलर की यह जीजी परियोजना रोटरी क्लब जमशेदपुर वेस्ट (रो ई मंडल 3250) और रोटरी क्लब सुवोंग-नोसोंग, कोरिया (रो ई मंडल 3750) द्वारा संचालित की गई। एमटीएमएच, रोटरी, टाटा स्टील फाउंडेशन और आरएसबी फाउंडेशन की इस संयुक्त पहल में आरएसबी फाउंडेशन ने 22,000 डॉलर का सी एस आर योगदान दिया।

क्लब के सदस्यों ने इस परियोजना के लिए 29,000 डॉलर का योगदान दिया है। पहले तीन महीनों में इस मोबाइल क्लिनिक ने झारखंड और ओडिशा के 29 स्थानों पर 54 शिविर आयोजित किए। इन शिविरों में 1,000 से अधिक लोगों की ओरल कैंसर की जांच की गई। इसके अलावा, सर्वाइकल कैंसर की पहचान के लिए 181 महिलाओं का पैप स्मीयर टेस्ट तथा 147 महिलाओं का मैमोग्राम परीक्षण किया गया। ये सभी जांचें निःशुल्क प्रदान की गईं।

रो ई मंडल 3250 के पीडीजी बिपिन चाचान (मध्य) रोटरी क्लब जमशेदपुर वेस्ट के सदस्यों और मेहरबाई टाटा मेमोरियल अस्पताल के प्रतिनिधियों को कैंसर स्क्रीनिंग वैन सौंपते हुए।

संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा दें

Go Green

प्रीति मेहरा

मानव जाति को बचाने के लिए हमें पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करनी होगी, जिसमें हर पौधा और हर जीव शामिल है।

वन्यजीव संरक्षण की बात अक्सर लोगों का उतना ध्यान नहीं खींचती। आज हम ग्लोबल वार्मिंग और जंगलों को बचाने की आवश्यकता को समझने लगे हैं, लेकिन वन्यजीवों की सुरक्षा को उतना महत्व नहीं दिया जाता। हम बाघ की शक्ति, शेर की शान और हाथी के सामर्थ्य की प्रशंसा तो करते हैं, लेकिन अक्सर उन असंख्य जीवों-जैसे कीटों, पक्षियों और तितलियों-के संरक्षण के महत्व को नजरअंदाज कर देते हैं, जो हमारे साथ इस पृथ्वी को साझा करते हैं।

हममें से कई लोग यह पूरी तरह नहीं समझते कि वन्यजीव संरक्षण क्यों आवश्यक है। कुछ लोगों को लगता है कि अन्य जीवों और प्रजातियों की रक्षा का मानव जीवन से कोई विशेष संबंध नहीं है। संरक्षण के कारण अक्सर स्पष्ट रूप से समझाए नहीं जाते, इसलिए बहुत से लोग इसके महत्व से अनजान रहते हैं। इस महीने मैं इसी विषय पर ध्यान देना चाहता हूँ-वन्यजीव संरक्षण का महत्व और इसमें हममें से प्रत्येक कैसे योगदान दे सकता है।

वन्यजीव संरक्षण का अर्थ है सभी प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा करना। पारिस्थितिकी तंत्र किसी क्षेत्र के पौधों, जानवरों और उनके वातावरण से मिलकर बनता है। यह एक जटिल व्यवस्था है, जिसमें हर प्रजाति की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका होती

है, जिसे कोई दूसरी प्रजाति पूरी तरह नहीं निभा सकती। यदि एक भी प्रजाति समाप्त हो जाए, तो पृथ्वी और मानव जीवन दोनों के लिए गंभीर समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। खाद्य श्रृंखलाएँ प्रभावित हो सकती हैं, पोषक तत्वों का चक्र बदल सकता है और पूरा पारिस्थितिकी तंत्र असंतुलित हो सकता है।

वन्यजीवों का संरक्षण करके हम इन पारिस्थितिकी तंत्रों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने में मदद करते हैं। यही तंत्र प्रकृति के नाजुक संतुलन, जैव विविधता और पर्यावरण की स्थिरता को बनाए रखते हैं।

हम जानते हैं कि जंगलों का संरक्षण क्यों आवश्यक है। पेड़-पौधे प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया से वातावरण में ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। लेकिन इन जंगलों में रहने वाले जानवरों और पक्षियों की क्या भूमिका है?

जानवर और पक्षी पेड़ों और पौधों के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वे परागण और बीजों के फैलाव में मदद करते हैं, जिससे नए पौधे उगते हैं और आगे चलकर पेड़ बनते हैं।

उदाहरण के लिए, हाथी जंगल में चलते समय जमीन को दबाते हैं और घने पेड़ों के बीच जगह बनाते हैं, जिससे छोटे पौधों को बढ़ने का अवसर मिलता है। साथ ही, उनके मल के माध्यम से मिट्टी को पोषण मिलता है और बीज दूर-दूर तक फैलते हैं।

अब शेर जैसे शिकारी की भूमिका को समझिए। शेर हिरण और ज़ेब्रा जैसे शाकाहारी जानवरों की संख्या को नियंत्रित करता है। इससे अत्यधिक चराई नहीं होती और पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बना रहता है।

इसी प्रकार मधुमक्खियाँ, तितलियाँ और चमगादड़ भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक अनुमान के अनुसार वे दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत फूलों वाले पौधों और 35 प्रतिशत खाद्य फसलों के परागण में योगदान देते हैं। वे कीटों और बीमारियों के नियंत्रण में भी सहायता करते हैं।

यदि आप यह जानना चाहते हैं कि किसी विशेष जीव की खाद्य श्रृंखला और प्रकृति के संरक्षण में क्या भूमिका है, तो इस विषय पर उपलब्ध पुस्तकों और शोध-पत्रों का अध्ययन कर सकते हैं।

एक व्यक्ति के रूप में आप भी वन्यजीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सबसे सीधा तरीका है उन संरक्षण संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं (NGOs) का नियमित समर्थन करना, जो संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाने के लिए काम कर रही हैं। ऐसे कार्यों के लिए पूरे वर्ष धन और संसाधनों की आवश्यकता होती है।

यदि आर्थिक सहायता देना संभव न हो, तो जागरूकता फैलाना भी एक महत्वपूर्ण योगदान है। इसकी शुरुआत स्वयं सीखने और अपने परिवार तथा समुदाय को शिक्षित करने से होती है।

नैतिक और जिम्मेदार व्यक्तिगत व्यवहार भी वन्यजीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमें कभी भी हाथीदांत, साँप की खाल या संकटग्रस्त जीवों से बने उत्पाद नहीं खरीदने चाहिए। इसी तरह, प्रतिबंधित या अवैध विदेशी पक्षियों तथा अन्य पालतू जानवरों की खरीद से भी बचना चाहिए। यदि कहीं शिकार (पोचिंग) या अवैध वन्यजीव व्यापार होता दिखाई दे, तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को देनी चाहिए। ऐसे छोटे-छोटे लेकिन जिम्मेदार कदम वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

मैंने हाल ही में केरल की एक सच्ची घटना पर आधारित झेरलहशी नामक उत्कृष्ट टीवी श्रृंखला देखी। इसमें अंग्रेज़ी उपशीर्षक उपलब्ध हैं और यह अवश्य देखने योग्य है।

यदि आप वन्यजीव अभयारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों या जैवमंडल संरक्षित क्षेत्रों की यात्रा करते हैं, तो वहाँ बनाए गए सभी नियमों का पालन करें। याद रखें कि आप किसी अन्य प्रजाति के घर में अतिथि हैं। उस स्थान पर सबसे पहला अधिकार वहाँ रहने वाले जीवों का है।

जानवरों और उनके आवास का सम्मान करें। अपने पीछे कोई कचरा न छोड़ें। दुर्भाग्य से कुछ लोग वन्यजीव अभयारण्य को पिकनिक स्थल समझ लेते हैं और प्लास्टिक की बोतलें, थैलियाँ तथा अन्य कचरा फेंक देते हैं। यह व्यवहार न केवल गैर-जिम्मेदाराना है बल्कि पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है।

सौभाग्य से आज कई युवा पर्यावरण प्रेमी जंगलों को साफ रखने के लिए समर्पित हैं। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु के कोयंबटूर का Target Zero Plastic समूह पश्चिमी घाट के वालपराई क्षेत्र में चट्टानों और ढलानों से उतरकर प्लास्टिक कचरा और फेंकी गई शराब की बोतलें इकट्ठा करता है।

The Better India की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समूह ने अब तक 560 टन कचरा हटाया है और उनका अभियान लगातार जारी है।

आज मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले बढ़ रहे हैं क्योंकि मानव बस्तियों के विस्तार से जानवरों के प्राकृतिक गलियारे और आवास सिकुड़ते जा रहे हैं।

ऐसी स्थिति में हमें प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र-जिसमें जानवर, पौधे और वहाँ रहने वाले आदिवासी समुदाय शामिल हैं-के समर्थन में आवाज़ उठानी चाहिए।

यदि आप ऐसी स्थिति में हैं जहाँ आप कानून या नीतियों को लागू करने में प्रभाव डाल सकते हैं, तो वन्यजीव संरक्षण कानूनों को मजबूत बनाने और उनका सख्ती से पालन करवाने का प्रयास करें।

क्योंकि यदि हम ऐसा नहीं करेंगे, तो फिर कौन करेगा?

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गतिविधियाँ

रो ई मंडल 3120

रोटरी क्लब प्रयागराज संगम

डीजी पूनम गुलाटी ने मार्च में शहर में अलग-अलग जगहों पर तीन ट्रैफिक पुलिस बूथ का उद्घाटन किया।

रो ई मंडल 3141

रोटरी क्लब बॉम्बे एयरपोर्ट

रोटरी क्लब पालघर के साथ एक संयुक्त पहल में, सोनोपंत दांडेकर कॉलेज, पालघर में एक रोटरी प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र (₹70 लाख) का उद्घाटन किया गया।

रो ई मंडल 3170

रोटरी क्लब कुरचोरम-सानवोर्डेम

कुर्चोरेम के अलग-अलग वार्डों में रविवार को आधार कार्ड अपडेट कैंप लगाया जा रहा है, ताकि स्थानीय लोग बदलाव या नए एनरोलमेंट (पंजीकरण) से जुड़ी सुविधा का लाभ उठा सकें।

रो ई मंडल 3231

रोटरी क्लब गुडियाथम

अथी अस्पताल और एक गैर-सरकारी संगठन नेनजिरकिनिया नानबर्गल ग्रुप के साथ संयुक्त रूप से एक मोबाइल स्तन स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया।

रो ई मंडल 3131

रोटरी क्लब पुणे कोथरूड

एल्के केमिकल्स की स्पॉन्सरशिप से, क्लब ने दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के एनआईसीयू को नियर-इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) दान की।

रो ई मंडल 3233

रोटरी क्लब चेन्नई वर्व

एक निराश्रित गृह में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों का ब्यूटीशियनों ने पेडीक्योर, मैनीक्योर और हेयरकट की सेवाएँ प्रदान कर उनका व्यक्तित्व संवर्धन किया गया।

रो ई मंडल 3234

रोटरी क्लब मद्रास मेट्रो

समाज के वंचित वर्गों की सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए लखनऊ की आरपीएफ इंस्पेक्टर चंदना सिन्हा, दिल्ली की पशु कल्याण कार्यकर्ता जागृति मिश्रा, इरोड के समाजसेवी नवीन कुमार और बेंगलुरु के डॉ सुनीलकुमार हेब्बी को 'स्पिरिट ऑफ इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

कोलेस्ट्रॉल: एक खामोश हत्यारा

गीता मथाई

अधिकांश लोग कोलेस्ट्रॉल को एक हानिकारक वसा मानते हैं जो रक्त वाहिकाओं को बंद कर देता है। यह अक्सर समाचारों की सुर्खियों में रहता है और समय-समय पर बदलने वाले चिकित्सा दिशानिर्देश लोगों को भ्रमित कर सकते हैं। क्या कोलेस्ट्रॉल कम करना चाहिए? यदि हाँ, तो कितना? सच यह है कि हर व्यक्ति के रक्त में कोलेस्ट्रॉल मौजूद होता है। कोलेस्ट्रॉल कोशिकाओं की झिल्ली का एक आवश्यक घटक है और हार्मोन तथा विटामिन डी के निर्माण के लिए जरूरी होता है।

भोजन के बाद अतिरिक्त ऊर्जा शरीर में वसा के रूप में जमा हो जाती है। भोजन के बीच के समय में यही जमा वसा धीरे-धीरे निकलकर शरीर के विभिन्न अंगों, विशेषकर यकृत और मांसपेशियों, को ऊर्जा प्रदान करती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा घूमने लगती है।

रक्त मुख्य रूप से पानी पर आधारित होता है और वसा पानी में आसानी से नहीं घुलती। जब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बहुत अधिक हो जाता है, तो यह रक्त वाहिकाओं की भीतरी दीवारों पर जमा होने लगता है और पीले रंग की परतें बना देता है, जिन्हें प्लाक कहा जाता है। समय के साथ ये प्लाक धमनियों को संकरा और कठोर बना देते हैं, जिससे रक्त प्रवाह बाधित हो जाता है।

जब धमनियाँ संकरी हो जाती हैं, तो हृदय को महत्वपूर्ण अंगों तक रक्त पहुँचाने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। रक्तचाप बढ़ जाता है और रक्त वाहिकाएँ कम लचीली हो जाती हैं। समय के साथ हृदय कमजोर पड़ सकता है और उसकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। यदि गुर्दों तक रक्त का प्रवाह कम हो जाए, तो उनकी कार्यक्षमता भी प्रभावित हो सकती है और शरीर में अपशिष्ट पदार्थ जमा होने लगते हैं।

हाथों और पैरों तक रक्त पहुँचाने वाली धमनियाँ भी संकरी हो सकती हैं। इसके कारण हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं और छोटी-मोटी चोटों को भरने में अधिक समय लग सकता है। गंभीर मामलों में रक्त प्रवाह इतना कम हो जाता है कि ऊतक नष्ट होने लगते हैं, जिससे गैंग्रीन हो सकता है।

हृदय की मांसपेशियों तक ऑक्सीजन युक्त रक्त पहुँचाने वाली कोरोनरी धमनियाँ विशेष रूप से प्रभावित हो सकती हैं। यदि इनमें रुकावट आ जाए, तो हृदय की मांसपेशियों का कुछ हिस्सा ऑक्सीजन के अभाव में नष्ट हो सकता है, जिससे कोरोनरी आर्टरी रोग या हार्ट अटैक हो सकता है। गंभीर हार्ट अटैक अचानक मृत्यु का कारण भी बन सकता है।

इसी प्रकार, मस्तिष्क तक रक्त पहुँचाने वाली धमनियों के संकरे होने से स्ट्रोक हो सकता है। प्रभावित हिस्से के आधार पर स्ट्रोक से स्मृति हानि, भ्रम, बोलने में कठिनाई, लकवा या स्थायी विकलांगता हो सकती है। मस्तिष्क में रक्त प्रवाह कम होने से वास्कुलर डिमेंशिया भी विकसित हो सकता है।

जागरूकता अभियानों के बावजूद बहुत से लोग कभी अपना कोलेस्ट्रॉल स्तर नहीं जाँचते। उच्च कोलेस्ट्रॉल को अक्सर खामोश हत्यारा कहा जाता है क्योंकि यह वर्षों तक कोई लक्षण पैदा नहीं करता। कई लोगों को अपने बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का पता तब चलता है जब उन्हें हार्ट अटैक या स्ट्रोक हो जाता है, या फिर नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान इसकी जानकारी मिलती है। कभी-कभी आँखों के आसपास वसा के छोटे जमाव, जिन्हें ज़ैंथेलाज़्मा कहा जाता है, इस समस्या का संकेत दे सकते हैं।

उच्च रक्त वसा की पहचान और मूल्यांकन का एकमात्र विश्वसनीय तरीका लिपिड प्रोफाइल नामक रक्त परीक्षण है। यह कोलेस्ट्रॉल और अन्य वसा के स्तर को मापता है। आदर्श रूप से यह जांच 9 से 12 घंटे के उपवास के बाद करानी चाहिए, जिसमें केवल पानी पीने की अनुमति होती है। भोजन, दूध, बुखार, संक्रमण, सूजन और गर्भावस्था जांच के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं।

वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार लिपिड प्रोफाइल की जांच:

- 9 से 11 वर्ष की आयु के बीच एक बार करानी चाहिए।

- 17 से 21 वर्ष की आयु के बीच दोबारा करानी चाहिए।
- इसके बाद हर 4 से 6 वर्ष में जांच करानी चाहिए।

मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, गुर्दे की बीमारी या हृदय रोग का मजबूत पारिवारिक इतिहास रखने वाले लोगों को अधिक बार जांच कराने की आवश्यकता हो सकती है।

वांछनीय लिपिड स्तर

कुल कोलेस्ट्रॉल: 200 mg/dL से कम
ट्राइग्लिसराइड्स: 150 mg/dL से कम
HDL कोलेस्ट्रॉल: 60 mg/dL से अधिक
LDL कोलेस्ट्रॉल: 100 mg/dL से कम
कोलेस्ट्रॉल/HDL अनुपात: 4.0 से कम

कोलेस्ट्रॉल रक्त में लिपोप्रोटीन नामक प्रोटीनों से जुड़कर यात्रा करता है।

- LDL (लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) को खराब कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है क्योंकि यह धमनियों की दीवारों में कोलेस्ट्रॉल जमा करता है।
- HDL (हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) को अच्छा कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है। यह अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल को रक्त से हटाकर यकृत तक पहुँचाता है, जहाँ उसका निष्कासन किया जाता है।

कुछ चिकित्सीय स्थितियाँ भी कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ा सकती हैं, जिनमें शामिल हैं:

- मधुमेह
- हाइपोथायरॉयडिज़्म
- दीर्घकालिक गुर्दा रोग
- दीर्घकालिक यकृत रोग
- HIV/AIDS

कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण के साथ-साथ इन बीमारियों का उपचार भी आवश्यक है।

उच्च कोलेस्ट्रॉल आनुवंशिक भी हो सकता है। कुछ अनुवांशिक स्थितियाँ शरीर की रक्त से LDL कोलेस्ट्रॉल हटाने की क्षमता को कम कर देती हैं।

हालाँकि अधिकतर मामलों में यह आनुवंशिक प्रतीत होता है और परिवारों में चलता हुआ दिखाई देता है, लेकिन अक्सर इसका वास्तविक कारण परिवार के सभी सदस्यों द्वारा अपनाई गई अस्वस्थ जीवनशैली और खान-पान की आदतें होती हैं।

यदि कोलेस्ट्रॉल का स्तर अधिक है, तो:

- फल, सब्जियाँ, साबुत अनाज, दालें और कम वसा वाले प्रोटीन से भरपूर भोजन करें।
- चीनी, परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट और अतिरिक्त नमक का सेवन कम करें।
- संतृप्त वसा सीमित करें और ट्रांस फैट से बचें।
- मछली, मेवे, जैतून के तेल और कैनोला तेल जैसे स्वस्थ वसा स्रोतों को अपनाएँ।
- खाना पकाने के तेल का उपयोग प्रति व्यक्ति लगभग 500 मिलीलीटर प्रति माह तक सीमित रखें।
- स्वस्थ वजन बनाए रखें।
- सप्ताह के अधिकांश दिनों में कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें।
- धूम्रपान छोड़ दें।
- महिलाओं के लिए प्रतिदिन एक और पुरुषों के लिए प्रतिदिन दो पेय से अधिक शराब का सेवन न करें।

दवाएँ

जीवनशैली में सुधार उपचार का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। लेकिन यदि इसके बावजूद रक्त वसा का स्तर लगातार ऊँचा बना रहता है, विशेषकर जब हृदय रोग या स्ट्रोक का जोखिम अधिक हो, तो दवाओं की आवश्यकता पड़ सकती है।

- स्टैटिन सबसे अधिक दी जाने वाली दवाएँ हैं और LDL कोलेस्ट्रॉल कम करने में अत्यंत प्रभावी होती हैं।
- फेनोफाइब्रेट और जेमफाइब्रोज़िल जैसी फाइब्रेट दवाएँ ट्राइग्लिसराइड्स कम करने में उपयोगी हैं।
- ओमेगा-3 फैटी एसिड ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने में मदद करते हैं।
- नियासिन LDL कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है, हालांकि अब इसका उपयोग पहले की तुलना में कम किया जाता है।
- जीन-संपादन तकनीक में हाल की प्रगति ने PCSK9 जैसे जीनों को लक्ष्य बनाकर कुछ आनुवंशिक दोषों को ठीक करने की संभावना दिखाई है।

40 वर्ष की आयु के बाद उच्च कोलेस्ट्रॉल अधिक सामान्य हो जाता है, लेकिन यह युवा लोगों को भी प्रभावित कर सकता है। क्योंकि यह गंभीर जटिलताएँ होने तक कोई लक्षण नहीं दिखाता, इसलिए नियमित जांच और समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक हैं। असामान्य लिपिड स्तरों की समय रहते पहचान और नियंत्रण से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, गुर्दे की बीमारी और समय से पहले होने वाली मृत्यु को काफी हद तक रोका जा सकता है।

लेखिका बाल रोग विशेषज्ञ हैं और उन्होंने स्टेइंग हेल्दी इन मॉडर्न इंडिया *पुस्तक लिखी है*

जब पहाड़ गूंज उठाते है...

...गोलियों की आवाज से, तब इंटर-कॉन्टिनेंटल काबुल एक ऐसी जगह है जो बचने का मौका देती है...

संध्या राव

...वहाँ एक अरब मेहमान था जो कभी-कभार आता था। वह कभी भी सामने के दरवाजे से नहीं आया, हमेशा पीछे से प्रवेश करता था, एक आपातकालीन निकास के माध्यम से जिसका उपयोग केवल वह और उसके आसपास के लोग करते थे।... ऐसा लगता था जैसे उस होटल के भीतर उसका अपना एक अलग होटल हो। उस मेहमान का अनुमान लगाना कोई बड़ी बात नहीं है: ओसामा बिन लादेन। उसने भी *द फाइनेस्ट होटल इन काबुल* में बिना किसी बाधा या व्यवधान के अपना काम किया। इंटर-कॉन्टिनेंटल काबुल, जो एक हल्की ढलान वाली पहाड़ी के ऊपर स्थित है, 1969 में खोला गया था जब प्रधानमंत्री नूर अहमद एतमादी ने उसका फीता काटा था। हिंदूकुश में मैसाचुसेट्स एवेन्यू, एक अमेरिकी ट्रैवल संपादक ने लिखा जो खास तौर पर काबुल के सबसे बड़े होटल के उद्घाटन के लिए आया था। यह इंटर-कॉन्टिनेंटल होटलों की श्रृंखला का 48वाँ होटल था, उसके ताज का नगीना, उत्कृष्ट भोजन और आतिथ्य का प्रतीक, और बहुसांस्कृतिकता का केंद्र - चाहे ग्राहक हों या सेवा।

पुस्तक की टैगलाइन, *ए पीपल्स हिस्ट्री ऑफ अफगानिस्तान,* असली कहानी बयां करती है। बीबीसी की अंतरराष्ट्रीय संवाददाताओं की प्रमुख लाइस डूसे हमें आम लोगों के जीवन के बेहद करीब ले जाती हैं - ऐसे लोग जैसे हज़रत, आबिदा, कुदूस, अमानुल्लाह और सादेक, और कई अन्य - जिन्होंने लंबे समय तक इंटर-कॉन में काम किया। इस प्रकार, वे उन निरंतर बदलती और हिंसक राजनीतिक उथल-पुथल से वाकिफ थे, जिन्होंने उनके देश को घेर लिया था और नतीजतन, जिसने उनके जीवन को प्रभावित किया, भले ही वे वैश्विक फाइव-स्टार आतिथ्य की सर्वश्रेष्ठ परंपराओं में सेवा करने का प्रयास करते रहे। जैसा कि एक समीक्षक ने लिखा, यह पुस्तक अफगानिस्तान और उसके लोगों के लिए एक प्रेम पत्र है।

लाइस डूसे 1988 में काबुल आईं एक विनाशकारी दशक के कब्जे के बाद लाल सेना की वापसी को रिपोर्ट करने के लिए। जब मैं पाकिस्तान से रवाना हुई, जहाँ मैंने पिछले कुछ महीने बिताए थे, एक मुजाहिदीन कमांडर ने खुशी से कहा कि वह मुझे जल्द ही काबुल में देखेगा, क्योंकि उनकी जीत अब सामने है। एक अन्य ने चेतावनी दी कि मुझे वहाँ निश्चित रूप से मार दिया जाएगा। यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने उसी कमांडर से इंटर-कॉन में मुलाकात की या नहीं, लेकिन निश्चित रूप से उन्हें मारा नहीं गया। । इसके बजाय, वहाँ काम करने वाले लोगों के साथ करीबी बातचीत के माध्यम से, जिसमें बसबॉय और मैनेजर, वेटर और कुक, सुरक्षा गार्ड और हाउसकीपर शामिल थे, और यह देखकर कि कैसे होटल के खूबसूरती से सजे हुए लेकिन धीरे-धीरे बिखरते हॉलों ने विभिन्न प्रकार के राजनीतिक नेताओं की बैठकों की मेजबानी की: आदिवासी नेता, कम्युनिस्ट, मुजाहिदीन, तालिबान, राष्ट्रपति एवं उनके सहयोगी। इसकी कहानी लगभग 50 वर्षों तक फैली हुई है, जिसके दौरान अफगानिस्तान ने राजशाही, तख्तापलट, कम्युनिस्ट कब्जा, अमेरिकी आक्रमण, और तालिबान के उदय, पतन और पुनरागमन को देखा। मानवीयता और निष्पक्षता के साथ कही गई इस कथा में व्यक्तिगत इतिहास, एक प्रतिष्ठित होटल के इतिहास और एक राष्ट्र तथा उसके लोगों के इतिहास को जिस तरह से बताया गया है, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि इसे हाल ही में महिला नॉनफिक्शन पुरस्कार के लिए चुना गया है। फिक्शन का पुरस्कार वर्जीनिया इवांस की *द कॉरेस्पॉन्डेंट* को मिला है।

लाइस डूसे हमें ध्यान खींचने वाली सुर्खियों से बहुत आगे ले जाती हैं। वह लिखती हैं कि इतिहास, हमेशा अनेक व्यक्तिगत कहानियों में आगे बढ़ता है, जो कहीं बड़े सच को अपने भीतर समेटे होती हैं।

अफ़गानिस्तान की कहानी हमें बताती है कि युद्ध बमों के धमाकों, गोलियों की आवाजों से कहीं बढ़कर है। यह एक माँ की चिंतित आँखें हैं, एक सैनिक का गीत है, आत्मा को सुकून देने वाली दोस्ती है, और दरवाजे से बाहर जाने से पहले का ठहराव है। ... पुस्तक 2021 की एक शादी से शुरू होती है, जहाँ सभी लोग सजे-धजे हैं और संगीत, नृत्य और भोजन के साथ जश्न मनाने के लिए तैयार हैं। यह सब मन में एक भय के साथ हो रहा है। अचानक, कोई पहाड़ी पर एक पिकअप को देखता है जिस पर जाना-पहचाना सफेद झंडा लहरा रहा है। डीजे नबीला खुद को ढकने के लिए एक लंबा ढीला कपड़ा माँगती है, जबकि महिलाएँ अपने बैग से शॉल निकालती हैं। दूल्हा दुल्हन का हाथ पकड़ता है और वे, अपने मेहमानों के साथ, कंधार बॉलरूम से बाहर भागते हैं, जबकि अभी-अभी परोसा गया खाना मेज़ों पर गरम ही रखा है। तालिबान वापस आ चुका है।

लाइस डूसे उस व्यक्त वहीं मौजूद थीं, जब भागने की हताशा में सैकड़ों लोगों ने हवाई अड्डे पर भीड़ लगा दी थी। टेलीविजन पर बार-बार दिखाई गई उन भयानक छवियों को कौन याद नहीं करता? अविश्वसनीय लेकिन सच। इसलिए, यह उपयुक्त लगता है कि अफ़गानिस्तान की उनकी कहानी, जो आम, मेहनती पुरुषों एवं महिलाओं की आँखों, जीवन और आवाज़ों के माध्यम से बताई गई है, तालिबान के दूसरी बार आने के साथ समाप्त होनी चाहिए।

अपने शुरुआती वर्षों में, इंटर-कॉन भाग्यशाली या सम्पन्न व्यक्तियों की पसंद थी। इसकी शैली विशिष्ट थी, इसका आतिथ्य समावेशी था। उदाहरण के लिए, बामियान ब्रासरी की एक दीवार पर एक नक़्क़ाशी थी जो मध्य हाइलैंड्स में बामियान घाटी की आश्चर्यजनक चूना पत्थर की चट्टानों को दर्शाती थी, जिसमें छठी शताब्दी की दो विशाल खड़ी बुद्ध मूर्तियों में से एक की लघु प्रतिकृति भी शामिल थी। अफ़गानिस्तान के इन ताज के गहनों को होटल के प्रचार ब्रोशर में भी दिखाया जाता था। सभी अमीर और प्रसिद्ध लोग वहाँ रहने और इसकी सुविधाओं का आनंद लेने आते थे। फिर जब परेशानियाँ शुरू हुईं, तो यह पत्रकारों का आश्रय स्थल बन गया। इंटर-कॉन के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले कर्मचारियों में से एक, हज़रत, इन पन्नों में प्रमुखता

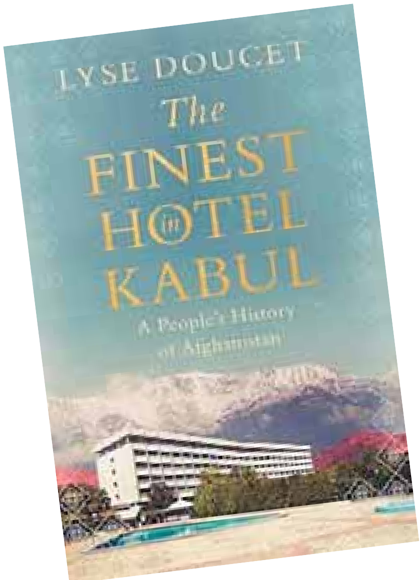

से शामिल हैं। उनकी यादों और दूसरों की कहानियों के माध्यम से हम देखते हैं कि महिलाओं ने वेटर के काम को छोड़कर, विभिन्न पदों पर कितनी स्वतंत्रता से काम किया। वह बाद में मलालाई के साथ आया। वे आज़ादी से कपड़े भी पहनती थीं, यहाँ तक कि छोटी स्कर्ट भी। कर्मचारी व्यावहारिक रूप से देश के सभी जातीय और जनजातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करते थे।

फिर, 1973 में, एक नए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चीजें बदलने लगीं। राजा लंदन में थे, जाहिर तौर पर आँखों की समस्या का इलाज करा रहे थे, जबकि यहाँ, सैनिकों ने धीरे-धीरे रेडियो स्टेशन और हवाई अड्डे पर नियंत्रण कर लिया। एक त्वरित तख्तापलट में, राजा के चचेरे भाई, सरदार दाऊद ने खुद को राष्ट्रपति के रूप में स्थापित कर लिया। जहाँ एक तरफ होटल काम करता रहा, वहीं शाही खून वाले किसी भी व्यक्ति को खदेड़ दिया गया। इस बीच, हज़रत को सैन्य सेवा के लिए तैनात कर दिया गया, जो कोह-ए-आसमाई नामक पहाड़ की रखवाली कर रहे थे, जिसका नाम आशा की हिंदू देवी, आशा माई, के नाम पर रखा गया था। जब सोवियत सेनाएँ आईं, तो दाऊद और उसके पूरे परिवार का सफाया हो गया। इंटर-कॉन पर उन सैनिकों का कब्ज़ा हो गया, जो पुराने अफ़गानिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाली हर चीज को देखने की माँग कर रहे थे और उसे नष्ट करने के लिए आगे बढ़ रहे थे, चाहे वह राजा हो, राष्ट्रपति हो, अमेरिका के साथ संबंध हों, फैशन शो हों, या रोटरी क्लब के चैरिटी बॉल हों। किताबें बाहर फेंक दी गईं, और कपड़े भी, और संपर्कों वाले लोग भी। पत्रकारों को भी नहीं बख़्शा गया। लेकिन स्टाफ अक्सर अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी कहानियाँ दुनिया तक पहुँचाने में उनकी मदद करता था।

''रेड इयर्स'' के साथ हमारा परिचय अमानुल्लाह से होता है, जिसने पहाड़ी की तलहटी में स्थित सोवियत-निर्मित पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पढ़ने का सपना देखा था। काबुल से ज्यादा दूर नहीं, हथियारों से लैस, लंबी दाढ़ी वाले मुजाहिदीन हमले की ताक में थे। काबुल रेडियो और रेडियो मोस्कवा दोनों ने उन ''डाकुओं'' की निंदा की थी, जिन्हें ''अमेरिकी साम्राज्यवादियों'' और उनकी पाकिस्तानी एवं ईरानी कठपुतलियों का समर्थन प्राप्त था। हम सैन्य सेवा से लेकर होटल में काम करने, इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने और 'इंजीनियर अमानुल्लाह' कहलाने तक अमानुल्लाह के करियर के सफर का अनुसरण करते हैं। जब तालिबान की सत्ता आती है, तो वह लंबी दाढ़ी बढ़ा लेता है और पगड़ी पहन लेता है, और अंततः एक शिक्षक की नौकरी करने लगता है। लाइस डूसे जिसे सोवियत ध्वनि-और-प्रकाश शो कहती हैं, ''उसका एक ज्वलंत विवरण यहाँ मिलता है: आसमान में गड़गड़ाते बंदूकों से लैस हेलीकॉप्टर, हरी रोशनी की लकीरें छोड़ती ट्रेसर फायर, हिंदू कुश की तीखी चोटियों पर उड़ते युद्धक विमान, संदिग्ध विद्रोही ठिकानों पर गिरते बमों की गूंज...''

जैसे-जैसे यह जन-इतिहास आगे बढ़ता है, यह कथा पाठकों को अपने समय और अपने राजनीतिक परिवेश पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है। यह इतना अलग नहीं है। अफ़गानिस्तान कहीं भी हो सकता है। हालांकि, 'इंटरकॉन्टिनेंटल फॉर एवरीवन' के इसके वर्तमान स्वरूप में इसकी दृढ़ता को श्रद्धांजलि देते हुए लेखिका लिखती हैं, प्रतीकात्मक अक्षर 'घ' अब भी घूमने वाले काँच के मुख्य द्वार पर और छत पर एक बेहद सुंदर नीले रंग में चमकता है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका
और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

Subscribe NOW!

to Rotary News Print Version & e- Version For the Rotary year 2026 – 2027

Annual Subscription (India)

Print version	e-Version
₹600/-	₹360/-

Print version ☐ e- Version ☐

	English	Hindi	Tamil
No. of Copies			

For every new member the pro-rata is **₹50** a month for print version and **₹30** for E-version.

Payments can be made online at

HDFC Bank, Montieth Road,
Egmore, Chennai.
Rotary News Trust
SB A/c No 50100213133460
IFSC: HDFC0003820

Scan here to pay

Email us the UTR Number, Club Name, President/ Secretary's name, Amount and Date of Transfer.

Update the correct mailing address and contact details of your members directly to *Rotary News* every year to receive the magazine. RI does not share member details with us. Intimate language preference (English/Hindi/ Tamil) against each member's name.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile .... E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "**ROTARY NEWS TRUST**" is enclosed.

Date: President/Secretary

Mail this form to:

Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, -98400 78074, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी न्यूज़

की सदस्यता लें

1. रोटरी वर्ष (जुलाई से जून) के लिए सदस्यता।
2. प्रत्येक रोटेरियन के लिए रोटरी पत्रिका की सदस्यता लेना अनिवार्य है।
3. प्रिंट संस्करण के लिए वार्षिक सदस्यता ₹600 और ई-संस्करण के लिए ₹360 प्रति सदस्य है।
4. पूरे वर्ष के लिए सदस्यता निर्धारित प्रपत्र में जुलाई में भेजी जानी चाहिए।
5. जुलाई के बाद शामिल होने वाले लोग शेष रोटरी वर्ष के लिए प्रिंट संस्करण के लिए ₹50 प्रति अंक और ई-संस्करण के लिए ₹30 का भुगतान कर सकते है।
6. *रोटरी न्यूज़* के साथ क्लब का सदस्यता खाता निरंतर चलता रहता है और यह हर साल जून के अंत में समाप्त नहीं होता।
7. *पिन कोड, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी* सहित उनके पूर्ण डाक पते के साथ सभी सदस्यों के नाम, फॉर्म और सममूल्य पर देय डीडी/चेक के साथ भेजे जाने चाहिए। GPAY या नेटबैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन ट्रांसफर किया जा सकता है। जब आप ऑनलाइन भुगतान करें तो हमारे साथ तुरंत ही व्हाट्सएप (9840078074) या ईमेल (*rotarynews@rosaonline.org*) द्वारा UTR नंबर के साथ आपके क्लब का नाम और भुगतान की गई राशि साझा करें। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो आपका भुगतान हमारे रिकॉर्ड में अपडेट नहीं हो पाएगा और आपका क्लब बकाया दिखाएगा।
8. सदस्य के नाम के साथ भाषा वरीयता *(अंग्रेजी, हिंदी या तमिल)* का उल्लेख किया जाना चाहिए।
9. नियमित रूप से पत्रिका प्राप्त करने के लिए हर साल सीधे तौर पर *रोटरी न्यूज़* के साथ अपने सदस्यों का सही पता और संपर्क विवरण अपडेट करें। ***रो ई हमारे साथ सदस्यता विवरण साझा नहीं करता है।***

10. सदस्यों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनके नाम उनके क्लब द्वारा भेजी जाने वाली ग्राहक सूची में शामिल हो। यदि आपने भुगतान किया है लेकिन आपका नाम आपके क्लब द्वारा हमें नहीं भेजा गया है तो आपको पत्रिका की प्रति प्राप्त नहीं होगी।
11. क्लबों को हमें सदस्यता की स्थिति में हुए किसी भी संशोधन के बारे में **तुरंत** अपडेट करना चाहिए ताकि हम नए सदस्यों को पत्रिका पहुँचा सकें।
12. यदि आपको अपनी मुद्रित प्रति प्राप्त नहीं हुई है जिसकी आपने सदस्यता ली थी, तो अपने क्लब के अध्यक्ष से जांचें करें की क्या आपके क्लब ने ई-संस्करण का विकल्प चुना है।
13. प्रिंट संस्करण से ई-वर्जन में बदलने का अनुरोध वर्तमान रोटरी वर्ष के लिए कम-से-कम एक माह पहले भेजें।
    पहले से भेजी गई प्रिंट प्रतियों का शुल्क देय होगा, जबकि शेष अवधि के लिए ई-वर्जन का शुल्क आनुपातिक (प्रो-राटा) आधार पर लागू होगा।
14. रोटरी न्यूज ट्रस्ट के पास मौजूद सूची के अनुसार हम जितनी संख्या में पत्रिकाएं भेजते है उनके भुगतान के लिए क्लब उत्तरदायी है।
15. क्लब के अदत्त बकाये को क्लब के बकाया के रूप में दिखाया जाएगा। बाद में प्राप्त किसी भी भुगतान को पहले के बकाए के साथ समायोजित किया जाएगा।
16. सदस्यता बकाया वाले क्लबों की जानकारी रो ई के साथ साझा की जाएगी जो उनके निलंबन का कारण बन सकता है।
17. हम नियमित रूप से क्लबों द्वारा भेजी जाने वाली हमारे ग्राहकों की सूची को रो ई के डेटा के साथ सत्यापित करते है ताकि छूटे हुए ग्राहकों का पता लगाया जा सके
18. यदि किसी सदस्य को एक महीने से पत्रिका प्राप्त नहीं हुई है तो हमें तुरंत सूचित करें ताकि हम इस समस्या को हल कर सकें। पत्रिकाओं को रियायती बुक-पोस्ट के माध्यम से भेजा जाता है; इसलिए डाक की ट्रैकिंग संभव नहीं है। यदि आपके क्लब ने हमें आपकी सदस्यता के बारे में जानकारी नहीं दी है तो हो सकता है कि आपको आपकी प्रति प्राप्त ना हो। इसलिए ग्राहकों की सूची में अपने नामांकन का पता लगाने के लिए अपने अध्यक्ष या RNT से संपर्क करें।
19. कुछ क्षेत्रों में डिलीवरी की समस्या हो सकती है। ऐसी स्थिति में क्लब थोक में प्रतियां प्राप्त करने का विकल्प चुन सकते है। अतिरिक्त शुल्क लागू होगा।

अनुपालन नहीं करने वाले क्लबों को रो ई द्वारा निष्कासित किया जाएगा

1 जुलाई, 2022 से रो ई बोर्ड ने अपनी *रोटरी कोड ऑफ पॉलिसीज़* में ऐसे रोटरी क्लबों को निष्कासित करने का प्रावधान शामिल किया है जो रोटरी पत्रिका की सदस्यता नहीं लेते हैं। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को सूचित करने के बाद इसका अनुपालन न करने वाले क्लबों से संबंधित एक त्रैमासिक रिपोर्ट हमारे कार्यालय द्वारा रो ई को भेजी जा रही है। इन क्लबों को **90 दिन की छूट दी जाती है** उसके बाद भी क्लब इसका अनुपालन नहीं करेंगे तो उन्हें रो ई द्वारा निलंबित कर दिया जाएगा।

180 दिनों तक निलंबित रहने और अनुपालन न करने वाले क्लबों को रो ई को सूचित करने के बाद RNT एक स्मरण पत्र भेजता है जिसमें यह लिखा होता है कि "बोर्ड अपने विवेक पर इस क्लब को निष्कासित कर सकता है।"

क्लब अध्यक्ष कृपया अपने सदस्यों से *रोटरी न्यूज़* की सदस्यता लेने का आग्रह करें और भारत की रोटरी गतिविधियों की सम्पूर्ण तस्वीर देखें। **रो ई आपके PELS/GELS पाठ्यक्रम में अनिवार्य सदस्यता लेने के बारे में जानकारी शामिल करने की सिफारिश करता है।■**

LBW

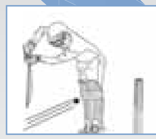

फ़्यूज़न के कई रंग

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

हाल ही में, मैंने एक बेहद लोकप्रिय टीवी शो देखा जिसमें कुछ लोग कुछ पकाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। यह प्रतियोगिता एक ही व्यंजन में दो अलग-अलग स्वादों को मिलाकर एक डिश बनाने के बारे में थी। भारत में, हम इसे फ़्यूज़न कहते हैं और गुड़गांव में, जहाँ मैं रहता हूँ, एक रेस्तरां है जो ऐसे व्यंजनों में माहिर है। इनमें से कुछ फ़्यूज़न डिश बहुत अच्छी होती हैं। ज़्यादातर काफी खराब होती हैं, और निश्चित रूप से डिश की कीमत के लायक तो बिलकुल नहीं होतीं। लेकिन उन्हें खाने का अनुभव मज़ेदार होता है।

इसलिए मैंने अपनी पत्नी से, जो कि कोरियन स्टडीज़ की एक सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर हैं, पूछा कि नूडल सूप के साथ सांभर मिलाना कैसा रहेगा। मेरा मतलब है, सूप के पैकेट में दिए गए मसाले की जगह सांभर पाउडर डालना। उसने मुझे वैसी ही एक नज़र से देखा जैसी पत्नियाँ अपने पतियों को देखती हैं। तीखी। तिरस्कारपूर्ण। झुलसा देने वाली। जाओ और रोटरी या किसी और चीज़ के लिए लिखो, उसने फुफकारते हुए कहा। लेकिन भले ही उसने मुझे और मेरे सुझाव को पूरी तरह से मूर्खतापूर्ण मानकर खारिज कर दिया, मैंने एक दिन इसे आज़माया ज़रूर जब वह घर पर नहीं थी। इसका स्वाद असली वाले से बुरा नहीं था। वास्तव में, मुझे आश्चर्य होता है कि हम चावल, इडली या वड़े के बजाय हाका नूडल्स को सांभर के साथ क्यों नहीं मिला सकते। और जब आप इस पर विचार करते हैं, तो यही चीज़ सभी प्रकार के व्यंजनों के साथ की जा सकती है। इथियोपियन 'इंजरा' के साथ कुल्चे, मैक्सिकन मोल पोब्लानो के साथ डोसा, बिरयानी के साथ बेक्ड बीन्स और भी बहुत कुछ। आप मेरी बात समझ गए होंगे। बिना कुछ जोखिम उठाए, कुछ हासिल नहीं होता।

और सिर्फ खाने तक ही क्यों रुकें? हमारे पास फ़्यूज़न संगीत भी है। आख़िरकार, केवल सात मुख्य सुर होते हैं और विभिन्न संगीत प्रणालियों में, इन्हें अलग-अलग तरीकों से मिश्रित किया जाता है। लेकिन इसका कोई एक अनोखा तरीका नहीं है। यह संयोजन काम करता है और कभी नहीं भी करता। फ़्यूज़न संगीत को लोकप्रिय बनाने के लिए, एक विश्वव्यापी और हर जगह मौजूद सॉफ़्ट ड्रिंक ब्रांड फ़्यूज़न संगीत के माध्यम से अपना प्रचार करता है। ज़्यादातर परिणाम बहुत अच्छा नहीं होता है, लेकिन खाने की तरह ही, कभी-कभार संगीतकार बहुत ही सुखद प्रभाव पैदा करने में सफल हो जाते हैं। यह बिल्कुल भोजन की तरह है जहाँ सामग्री का अनुपात इसके समग्र प्रभाव को निर्धारित करता है। इसी तरह संगीत में भी, ताल और धुनों का अनुपात यह तय करता है कि कुछ लाजवाब बनने वाला है या साधारण। सत्तर के दशक की उम्र वाले लोगों को याद होगा कि फ़्यूज़न संगीत का पहला प्रयास सितार के जादूगर रविशंकर और पॉप दिग्गज 'द बीटल्स' ने किया था। किसी कारण से उस गाने का नाम 'नॉर्वेजियन वुड' रखा गया था और इसमें सितार का प्रमुखता से इस्तेमाल किया गया था। यह एक ग्लोबल हिट था और आज भी फ़्यूज़न संगीत की एक उत्कृष्ट कृति के रूप में पहचाना जाता है। तब से ऐसे ढेरों गाने बन चुके हैं। हालाँकि, मेरे पसंदीदा वे हैं जहाँ ओपेरा गायन और भारतीय शास्त्रीय राग गायन एक साथ प्रस्तुत किए जाते हैं। अलग लेकिन जुड़े हुए। हाँ, यह हर किसी के बस की बात नहीं है, लेकिन यदि आप एक संगीतकार हैं, तो आपको तब तक कोई परवाह नहीं होगी जब तक कि प्रत्येक शैली की अखंडता बनी रहती है। दो तमिल संगीतकार इसे बहुत ही शानदार तरीके से करते हैं।

लेखन में भी फ़्यूज़न संभव है, जैसा कि सलमान रुश्दी ने अपनी पहली बेस्टसेलर किताब, 'मिडनाइट्स चिल्ड्रन' में दिखाया था। यह पूरी तरह से एकीकृत, बिना इटैलिक किए हिंदी या उर्दू वाक्यों को लिखने की बात थी। शब्द हिंदी के थे। लिपि अंग्रेजी की थी। विचार और मुहावरे पूर्वी और पश्चिमी संस्कृति का संयोजन थे। इसका प्रभाव मंत्रमुग्ध कर देने वाला था। अन्य लेखकों ने भी इसे आज़माया, लेकिन रुश्दी फ्यूज़न लेखन के उस्ताद बने हुए हैं। वे इसे बहुत स्वाभाविक ढंग से करते हैं, जबकि दूसरों के प्रयास बनावटी लगते हैं।

बेशक, भाषाएं युगों से एक-दूसरों से मिश्रित होती रही है। मैं उत्तर भारत में हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, पंजाबी और बाद में बंगाली का मिश्रण बोलते हुए बड़ा हुआ। मेरे पोते-पोतियां यूरोप के एक ऐसे हिस्से में रहते हैं जहाँ की मुख्य भाषा फ्रेंच है। घर पर उनके माता-पिता उन्हें हिंदी और अंग्रेजी सिखाते रहे हैं और कभी-कभी बच्चे तीनों भाषाओं में एक साथ बात करने लगते हैं। इसका प्रभाव कभी उलझाने वाला, कभी चिढ़ाने वाला और कभी हास्यास्पद होता है।■

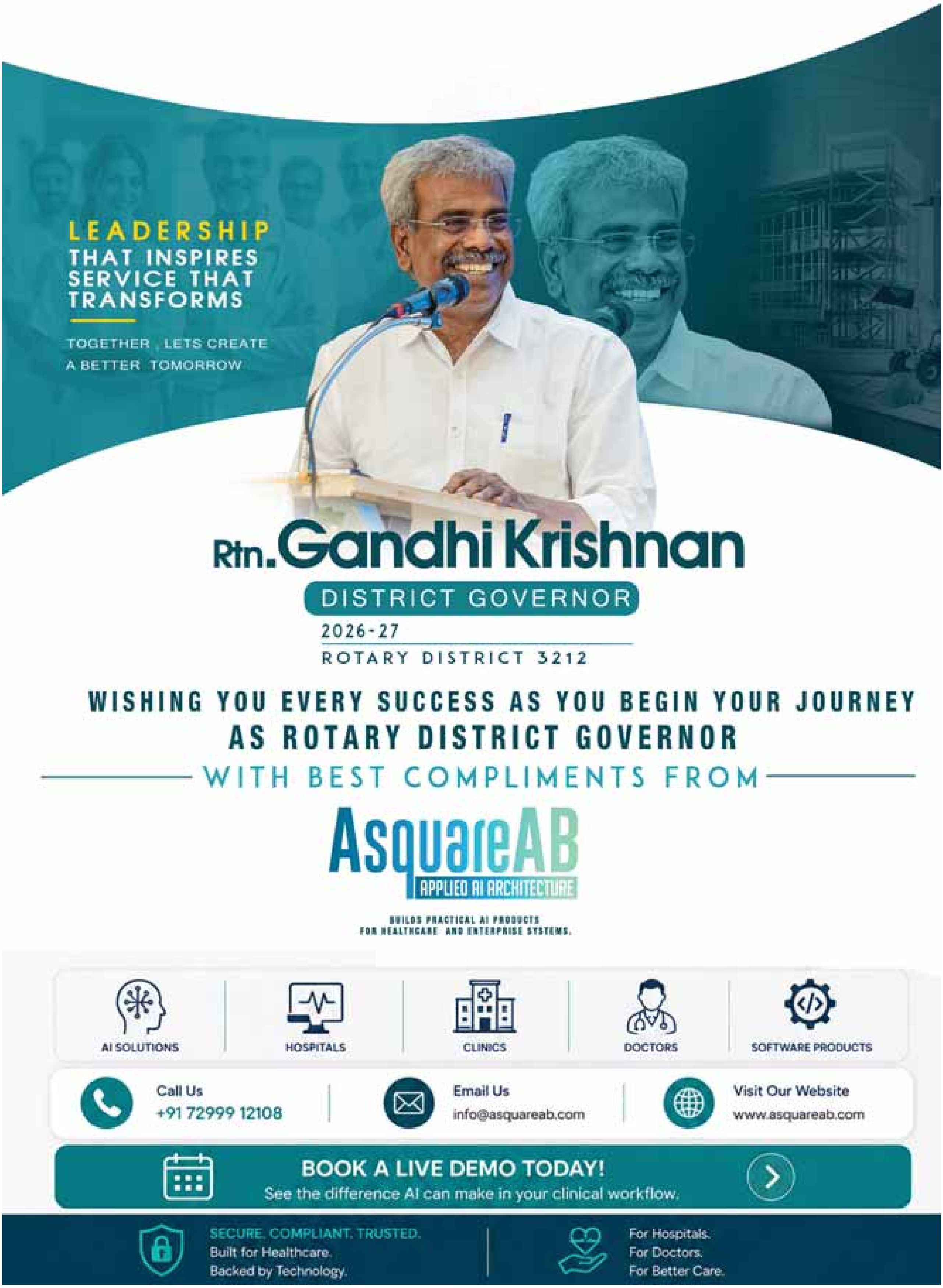
LEADERSHIP
THAT INSPIRES
SERVICE THAT
TRANSFORMS
TOGETHER , LETS CREATE
A BETTER TOMORROW
Rtn. Gandhi Krishnan
DISTRICT GOVERNOR
2026-27
ROTARY DISTRICT 3212
WISHING YOU EVERY SUCCESS AS YOU BEGIN YOUR JOURNEY
AS ROTARY DISTRICT GOVERNOR
WITH BEST COMPLIMENTS FROM
AsquareAB
APPLIED AI ARCHITECTURE
BUILDS PRACTICAL AI PRODUCTS
FOR HEALTHCARE AND ENTERPRISE SYSTEMS.
AI SOLUTIONS
HOSPITALS
CLINICS
DOCTORS
SOFTWARE PRODUCTS
Call Us
+91 72999 12108
Email Us
info@asquareab.com
Visit Our Website
www.asquareab.com
BOOK A LIVE DEMO TODAY!
See the difference AI can make in your clinical workflow.
SECURE. COMPLIANT. TRUSTED.
Built for Healthcare.
Backed by Technology.
For Hospitals.
For Doctors.
For Better Care.

Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month. Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month.
Registered No. TN/CCN/359/2024-2026 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹50
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/24-26

ADVT.